New Beginning

MASTERMIND

हिन्दी

सहायक-पुस्तिका

1-5

1. ईश वंदना

अभ्यास निरंतर समीक्षा

क. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

1. वर्षा हो **रही है**।
2. तारे चमक **रहे हैं**।
3. आओ गाना **गाएँ**।
4. भगवान् सबका ध्यान **रखता है**।

ख. उत्तर बताइए–

1. चाँद रात को चमकता है।
2. तारे आसमान में दिखाई देते हैं।
3. वर्षा बादल लाते हैं।
4. दुनिया का दुख ईश्वर हरता है।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. आकाश – पक्षी **आकाश** में उड़ते हैं।
2. बादल – **बादल** गरज रहे हैं।
3. वर्षा – **वर्षा** हो रही है।
4. धरती – हम सब **धरती** पर रहते हैं।
5. सुंदर – मोर **सुंदर** पक्षी है।
6. भगवान– **भगवान** की प्रार्थना करनी चाहिए।

2. बुद्धिमान खरगोश

अभ्यास निरंतर समीक्षा

क. सही शब्द चुनकर (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (अ) बाघमरा के जंगल में
2. (ब) खूंखार
3. (अ) सियार
4. (अ) शेर

ख. किसने कहा और किससे कहा?

1. शेर ने सियार से कहा
2. सियार ने खरगोश से कहा
3. खरगोश ने सियार से कहा

ग. उत्तर बताइए–

1. बाघमारा के जंगल में एक शेर रहता था। वह बहुत खूंखार था। किसी भी जानवर को देखते ही वह उसे दबोच लेता था। जंगल के सभी जानवर उससे डरकर छिपे रहते थे।
2. जंगल में एक सियार भी रहता था। सियार शिकार में शेर की मदद करता था।
3. एक दिन शेर और सियार भूखे बैठे थे। उन्हें दूर से एक खरगोश आता दिखाई पड़ा। सियार ने कहा–"वनराज! एक खरगोश आ रहा है। नजीद आते ही उसे झपट कर पकड़ लीजिए।
4. खरगोश सियार के पास आया और उससे रोने का कारण पूछा।
5. खरगोश को संदेह हुआ। वह बोला–"मुझे लगता है कि शेर काका अभी जीवित हैं। देखो न, इनकी पूँछ तो हिल ही नहीं रही है। मरे जानवर की तो पूँछ हिलती रहती है।"

शेर खरगोश की सारी बातें सुन रहा था। वह लगा अपनी पूँछ हिलाने। हिलती पूँछ देखकर खरगोश सचेत हो गया और वहाँ से भाग निकला। बेचारे शेर और सियार पछताते रहे गए।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. अनुस्वार (ं) या अनुनासिक (ँ) की मात्रा लगाकर शब्द बताइए–

1.	जगल	**जंगल**	6.	खूंखार	**खूँखार**
2.	पूछ	**पूँछ**	7.	पकज	**पंकज**
3.	चाद	**चाँद**	8.	मगल	**मंगल**
4.	सास	**साँस**	9.	पत्तिया	**पत्तियाँ**
5.	उन्हे	**उन्हें**	10.	सभालना	**संभालना**

ङ. सही शब्दों पर निशान लगाइए–

जगंल	जंगल ✓	जनावर	जानवर ✓
महाराज ✓	महारज	कमजोर ✓	कमजेर
वनराज ✓	वनराज	जिंदा	जिंदा ✓
जरा ✓	जरा	जलदी ✓	जल्दी
शैर	शेर ✓	पुँछ	पूँछ ✓

3. कबरा की समझदारी

अभ्यास निरंतर समीक्षा

क. सही शब्द चुनकर (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (अ) कबरा
2. (अ) नहर के तट पर
3. (अ) काफी तेज
4. (ब) राकेश ने

ख. रिक्त स्थान भरिए–

1. राकेश के कुत्ते का नाम **कबरा** था।
2. राकेश **नहर** में स्नान करने लगा।
3. कबरा ने राकेश की चीख **सुनी**।
4. उसने राकेश के बाल **पकड़ लिए**।

ग. उत्तर बताइए–

1. राकेश के कुत्ते का नाम कबरा था।
2. नीरज राकेश का मित्र।
3. राकेश नहर में स्नान करने लगा। लेकिन नहर के पानी का बहावा काफी तेज और पानी गहरा था। राकेश पानी में डूबने लगा तब चिल्लाया।
4. कबरा ने राकेश की चीख सुनी। उसने पानी में छलॉग लगा दी। कबरा ने दाँतों से राकेश के बाल पकड़ लिए। वह राकेश को नहर के तट पर ले आया। नीरज ने डॉक्टर को बुलाया। राकेश की जान बच गई।
5. राकेश ने कबरा की पीठ पर हाथ फेरते हुए कहा–''कबरा! तुम कितने अच्छे हो। अगर आज तुम नहीं होते तो न जाने मेरा क्या होता।''

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. पट्टा – राकेश ने कबरा के गले में **पट्टा** बाँध दिया।
2. जंजीर – पट्टे में **जंजीर** लगी थी।
3. मित्र – नीरज राकेश का **मित्र** था।
4. स्नान – राकेश नहर में **स्नान** कर रहा था।
5. पानी – हमें स्वच्छ **पानी** पीना चाहिए।
6. जान – हर किसको को **जान** प्यारी होती है।

4. चालाक लोमड़ी

अभ्यास

क. सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए–

1. क्या तुम मुझे गाना नहीं **सुनाओगे**।
2. कौआ खुश हो **गया**।
3. लोमड़ी भाग **गई**।
4. पेड़ के ऊपर बैठा कौआ अपनी मूर्खता पर पछताता **रहा**।

ख. उत्तर बताइए–

1. कौआ पेड़ पर बैठा था।
2. भूखी लोमड़ी यह सोचने लगी कि इस कौए से पनीर किस तरह जाए।
3. लोमड़ी पेड़ के नीचे खड़ी होकर कहने लगी–''कौए राजा! तुम कितने सुंदर हो! तुम्हारी चोंच भी कितनी सुंदर है! अगर तुम्हारी चोंच इतनी सुंदर हे तो तुम्हारी आवाज न जाने कितनी मीठी होगी! क्या तुम मुझे अपनी मधुर आवाज में एक गाना सुनाओगे?''
4. कौए ने ज्योंही गाने के लिए चोंच खोली, उसके मुँह से पनीर का टुकड़ा नीचे गिर पड़ा।
5. इस पाठ से हमें शिक्षा मिलती है कि बिना सोचे-समझे कोई कार्य नहीं करना चाहिए।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. चोंच – कौए की **चोंच** में पनीर का टुकड़ा था।
2. चालाक – लोमड़ी **चालाक** थी।
3. चमकीला – तारों से आसमान **चमकीला** लगता है।
4. मूर्खता – कौए ने **मूर्खता** दिख़ाई।
5. धोखा – लोमड़ी ने कौए को **धोखा** दिया।
6. दुनिया – यह **दुनिया** बहुत बड़ी है।
7. लोमड़ी – **लोमड़ी** भूखी थी।

5. काला कौआ

अभ्यास निरंतर समीक्षा

क. सही शब्द चुनकर (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (अ) हंस को देखकर
2. (ब) मैं कैसे उजला-उजा बनू

3. (अ) साबुन

4. (अ) काला ही रहा

ख. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

1. उजला-उजला हंस **एक दिन**
2. उड़ते-उड़ते **आया**
3. हंस देखकर काला **कौआ,**
4. मन ही मन **शरमाया।**
5. मिटा न **उसका कालापन तो,**

ग. उत्तर बताइए–

1. सफेद हंस को देखकर काला कौआ मन ही मन शरमाया।
2. काला कौआ हंस को देखकर सोचने लगा कि मैं कैसे उजला हो सकता हूँ।
3. काला कौआ गुसलखाने से साबुन लेकर भागा।
4. काला कौआ साबुन से नहाकर भी पछताया क्योंकि उसका कालापन नहीं मिटा।
5. अपना कालापन न मिट पाने के कारण कौआ फिर कभी हंस के पास नहीं आया।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. बहुवचन बनाइए–

1. कौआ – **कौए**
2. गुसलखाना – **गुसलखानों**
3. हंस – **हंसवृंद**
4. दिन – **दिनों**

ङ. विलोम शब्द लिखिए–

1. उजला – **मैला**
2. खूब – **कम**
3. काला – **सफेद**
4. घर – **बेघर**

6. शेर और चूहा

अभ्यास

क. सही शब्द चुनकर (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (अ) वृक्ष के नीचे
2. (अ) चूहा उसकी पीठ पर चढ़ गया

ख. रिक्त स्थान भरिए–

1. शेर **गुफा** में रहता है।
2. पक्षी **घोंसलों** में रहते हैं।
3. **चूहा** बिल में रहता है।
4. तितली **फूलों** पर रहती है।

ग. किसने कहा और किससे कहा?

1. चूहे ने शेर से कहा।
2. चूहे ने स्वयं से कहा।

घ. उत्तर बताइए–

1. एक था शेर। एक दिन वह एक वृक्ष के नीचे सो रहा था।।
2. चूहे को भूख लगी थी। वह अपने बिल से बाहर निकला और भोजन की तलाश में इधर-उधर घूमने लगा। घूमते-घूमते वह सोये हुए शेर की पीठ पर चढ़ गया। शेर की नींद खुल गई।
3. शेर को चूहे पर दया आ गई। उसने चूहे को छोड़ दिया।
4. एक दिन वही शेर एक शिकारी के जाल में फँस गया। जाल मोटे रस्सों का बना था। शेर जाल को न काट सका। वह दहाड़ने लगा।

5. चूहे ने अपनी पत्नी को साथ लिया। उसने कुछ और चूहों को भी साथ ल लिया। सब चूहे शेर के पास आ गए। सबने मिलकर जाल कोकाट दिया। शेर जाल से बाहर निकल आया।
6. इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि किसी को भी छोटा नहीं समझना चाहिए।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ङ. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. वृक्ष – शेर **वृक्ष** के नीचे सोया था।
2. दया – शेर को चूहे पर **दया** आ गई।
3. शेर – **शेर** पिंजरे में बंद हो गया।
4. सहायता – चूहे ने शेर की **सहायता** की।

7. परीलोक का हाथी

अभ्यास

क. सही शब्द चुनकर (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (ब) भोजपुर में
2. (अ) हाथी
3. (अ) परी लोक से
4. (अ) गंगिया

ख. उत्तर बताइए–

1. भोजपुर में बब्बन नामक एक किसान रहता था। वह पिछले कुछ दिनों से काफी परेशान रहता था। इस परेशानी का कारण यह था कि उसके खेत से लगातार गन्नों की चोरी हो रही थी।
2. अचानक बब्बन को साँय-साँय की आवाज सुनाई दी। उसने एक हाथी को आकाश से नीचे उतरते देखा। हाथी के पर लगे थे।
3. परी लोक जाने के लिए सभी गन्ने के खेत में पहुँचे।
4. बब्बन ने जब तरबूज का आकार बताने के लिए अपने हाथ फैलाए तो उसके हाथ से हाथी की पूँछ छूट गई और सब नीचे तालाब में गिर गए।
5. घर पहुँचकर बब्बन ने हाथी वाली बात अपनी पत्नी गंगिया को बताई।

भाषा ज्ञान आलोनात्मक सोच

ग. सोचकर उत्तर दीजिए–

1. बड़ा – **बड़े बड़ों**
2. रात – **राते रातों**
3. आँख – **आँखें आँखों**
4. घंटा – **घंटे घंटों**

घ. जोड़े बनाइए–

1. दादा – **दादी**
2. मामा – **मामी**
3. चाची – **चाचा**
4. मौसा – **मौसी**
5. नानी – **नाना**
6. फूआ – **बूआ**

ङ. एकवचन से बहुवचन बनाइए–

1. किसान – **किसानजन**
2. चोर – **चोरों**
3. गन्ना – **गन्ने**
4. खेत – **खेतों**

8. गिलहरी

अभ्यास

क. सही शब्द चुनकर (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (अ) पेड़ों पर
2. (ब) मेहनत से

ख. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

है कितनी चुलबुली **गिलहरी,**
छुओ तो है गुलगुली **गिलहरी।**

ग. उत्तर बताइए–

1. गिलहरी छूने पर गुलगुली लगती है।
2. गिलहरी डालों और बेलों में खेली है। वह पेड़ों पर पली है।
3. गिलहरी जब चीं-चीं करके गाती है तो हमें बहुत अच्छी लगती है।
4. गिलहरी मेहनत और लगन से अपना भोजन ढूँढ़ती है।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. भली – **बुरी**
2. साफ – **गंदा**
3. चुलबुली – **शांत**
4. सुंदर – **कुरूप**
5. गुलगुली – **खुरहुरी**
6. लगन – **आलस**

ङ. इनके वचन बदलिए–

1. बेलों – **बेल**
2. डालों – **डाल**
3. गिलहरी – **गिलहरियाँ**
4. दाने – **दाना**
5. मूँगफली – **मूँगफलियाँ**

9. विक्रमादित्य का न्याय

अभ्यास

क. सही शब्द चुनकर (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (ब) उज्जैन का
2. (अ) दो औरतें आईं

ख. खाली स्थानों को भरिए–

1. राजा विक्रमादित्य **बुद्धिमान और न्यायप्रिय** थे।
2. एक बार राजा के दरबार में दो **औरतें** आईं।
3. दोनों औरतें एक-दूसरे को **झूठा** बता रही थीं।
4. अनुचर **तलवार** लेकर आया।
5. दरबार में बैठे सभी लोगों ने राजा की **जय-जयकार** की।

ग. उत्तर बताइए–

1. उज्जैन के शासक विक्रमादित्य एक बुद्धिमान और न्यायप्रिय राजा थे। वह अपनी बुद्धिमत्ता के कारण प्रसिद्ध थे।
2. एक बार राजदरबार में दो औरतें आईं। वे दोनों आपस में झगड़ रही थीं। झगड़े का कारण एक बच्चा था। दोनों का कहना था कि बच्चा उसका है।

3. राजा ने आदेश दिया कि बच्चे को दो भागों में काट दिया जाए तथा प्रत्येक औरत को एक-एक भाग दे दिया जाए।
4. आँखों में आँसू लाकर वह बोली–"कृपया बच्चा दूसरी औरत को दे दिया जाए। मुझे बच्चा नहीं चाहिए। मैं बच्चे पर से अपना अधिकार छोड़ती हूँ।"
5. राजा विक्रमादित्य को अब पता चल चुका था कि असली माँ कौन है। उसने बच्चा असली माँ यानी पहली औरत को दे दिया।
6. राजा ने झूठा दावा करने वाली दूसरी औरत को जेल में डालने का आदेश दिया।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. वाक्य बनाइए–

1. निर्णय – राजा ने उचित **निर्णय** दिया।
2. समस्या – दो औरतें अपनी **समस्या** लेकर आईं।
3. अधिकार – पहली औरत ने बच्चे पर से **अधिकार** छोड़ दिया।
4. बुद्धिमान – राजा **बुद्धिमान** था।
5. आदेश – राजा ने अनुचर को **आदेश** दिया।

ङ. समझिए और लिखिए–

1. औरत – **आदमी**
2. बहन – **भाई**
3. बच्ची – **बच्चा**
4. बेटी – **बेटा**
5. रानी – **राजा**
6. पुत्री – **पुत्र**
7. लड़की – **लड़का**
8. राजकुमारी – **राजकुमार**

च. एकवचन से बहुवचन बनाइए–

1. राजा – **राजाओं**
2. औरत – **औरतें**
3. अनुचर – **अनुचर वर्ग**
4. झगड़ा – **झगड़े**
5. बच्चा – **बच्चें**
6. भाग – **भागों**

10. अनोखी परीक्षा

अभ्यास निरंतर समीक्षा

क. सही उत्तर चुनकर (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (ब) गुरुकुल में
2. (अ) शाम
3. (ब) गोविल ने
4. (अ) परोपकार

ख. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

1. गुरुकुल में कई छात्रों के साथ तीन **मित्र** भी पढ़ते थे।
2. गुरुदेव ने उन्हें **अंतिम** परीक्षा के लिए बुलाया।
3. गुरुदेव ने उन्हें आशीर्वाद देकर घर जाने को कहा।
4. परोपकार ही **सच्चा** धर्म होता है।
5. रोहित और मोहित तुम दोनों इस **परीक्षा** में असफल रहे।

ग. किसने और किससे कहा?

1. रोहित और मोहित ने गोविल से कहा।
2. गुरुदेव ने तीनों मित्र से कहा।

घ. उत्तर बताइए–

1. रोहित, मोहित और गोविल गुरुकुल में पढ़ते थे।
2. इन तीनों की शिक्षा समाप्त होने पर गुरुदेव ने उन्हें अंतिम परीक्षा के लिए बुलाया। उन तीनों ने गुरुदेव के चरण-स्पर्श किए। गुरुदेव ने उन्हें आशीर्वाद देकर घर जाने को कहा।
3. उसने सोचा यदि कोई यात्री रात को यहाँ से निकला तो ये काँटे उसे चुभ जाएँगे। अतः वह काँटों को वहाँ से हटाने लगा।
4. गुरुदेव ने कहा–''ये काँटे राह में मैंने बिछाए थ। यही तुम लोगों की परीक्षा थी। रोहित और मोहित, तुम दोनों इस परीक्षा में असफल रहे। अतः तुम दोनों वापस नदी मार्ग से मेरे साथ गुरुकुल चलो।
5. गोविल ने परोपकार की भावना से कार्य किया। अतः वह परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

च. विलोम शब्द लिखिए–

1. उत्तीर्ण – **अनुत्तीर्ण**
2. स्पर्श – **अस्पर्श**
3. असफल – **सफल**
4. स्वार्थ – **निस्वार्थ**
5. धर्म – **अधर्म**
6. अनोखी – **सादी**
7. परोपकार – **स्वोपकार**
8. सुबह – **शाम**

छ. वचन बदलिए–

1. छात्रों – **छात्र**
2. झाड़ियाँ – **झाड़ी**
3. राहों – **राह**
4. मित्रों – **मित्र**
5. यात्रियों – **यात्री**
6. नावों – **नाव**

11. बहादुर लड़की

अभ्यास निरंतर समीक्षा

क. सही शब्द चुनकर (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (ब) मनु
2. (अ) मनु
3. (अ) घोड़ा
4. (अ) मनु

ख. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

1. एक लड़की थी **मनु**।
2. **एक दिन की** बात है।
3. **शाम** का समय हो गया था।
4. सूर्य देवता भी धीरे-धीरे **डूबने** लगे थे।
5. उसने अपने **घोड़े** को एड़ लगाई।
6. **घोड़ा** तेज भागा।

ग. उत्तर बताइए–

1. एक लड़की थी मनु। बहुत ही बहादुर और निडर। बचपन से ही उसे तीर चलाना, घोड़े की पीठ पर चढ़ कर घूमना अच्छा लगता था।
2. बड़े बालक से आगे निकलती हुई मनु ने उससे कहा–''है हिम्मत तो निकालो आगे।''

3. वह घोड़े की पीठ से नीचे गिर गया। घोड़ा बालक को छोड़ कर चला गया। बालक ठोकर खाकर घायल हो गया। उसके सिर से खून बहने लगा।
4. लक्ष्मीबाई के बचपन का नाम मनु था।
5. सिर से बहते खून को देखकर छोटा बालक घबरा गया और वहाँ से भाग निकला।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. शाम – **सुबह**
2. आगे – **पीछे**
3. दायाँ – **बायाँ**
4. तेज – **धीमा**
5. बचपन – **बुढ़ापा**
6. बड़ा – **छोटा**

ङ. सोचकर लिखिए–

1. चलना – **चलाना**
2. घूमना – **घूमाना**
3. बचना – **बचाना**
4. डूबना – **डुबाना**
5. भागना – **भगाना**
6. पहुँचना – **पहुँचाना**

च. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. निडर – **निर्भीक, अभय**
2. नदी – **सरिता, तटिनी**
3. सूर्य – **भानू, आदित्य**
4. बालक – **बाल, लड़का**
5. बचपन – **बालपन, बचपन**
6. खून – **रक्त, रुधिर**
7. घर – **गृह, निवास**
8. सिर – **शीश, शिखर**

12. तिनके का कमाल

अभ्यास निरंतर समीक्षा

क. रिक्त स्थान भरिए–

1. सेठ किशोरी लाल की बड़ी **दुकान** थी।
2. सेठ ने **तराजू** पर गुड़ रखा।
3. **तिनका** दीवार से चिपक गया।
4. **दुकान** के बाहर एक कुत्ता बैठा था।
5. सेठ को **क्रोध** आ गया।

ख. उत्तर बताइए–

1. दुकानदार का नाम सेठ किशोरी लाल था।
2. पिशोरी मल का स्वभाव कंजूस था।
3. पिशोरी मल ने तिनका उठाकर सामने की दीवार पर फेंक दिया।
4. तिने पर गुड़ चिपका था इसलिए मक्खियाँ उसके पास भंडारने लगीं।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. विलोम शब्द से वाक्य पूरे कीजिएकीजिए–

1. सेठ किशोरी लाल की दुकान बड़ी थी। मेरी दुकान **छोटी** है।
2. चावल का वजन कम था। गुड़ का वजन **ज्यादा** था।
3. बिल्ली ऊपर कूदी। छिपकली **नीचे** गरी।
4. मेरे पिताजी दानी हैं। उसके पिताजी **कंजूस** हैं।

घ. बहुवचन बनाइए–

1. तिनका – **तिनके**
2. केला – **केले**
4. घोड़ा – **घोड़े**
5. कुत्ता – **कुत्ते**

ङ. पुल्लिंग से स्त्रीलिंग बनाइए–

1. सेठ – सेठानी
2. घोड़ा – घोड़ी
3. कुत्ता – कुतिया
4. पिताजी – माताजी
5. बिलाव – बिल्ली

13. गिलहरी का योगदान

अभ्यास

क. उत्तर बताइए–

1. गिलहरी की पीठ पर धारियाँ बनी होती हैं।
2. सीताजी रामजी की पत्नी थीं।
3. वानर सागर पर पुल बना रहे थे।
4. वह एक गड्ढे के पास जाकर, उस गड्ढे के पानी में डूबकी लगाती और रेत में लोटपोट करती। फिर वह सागर के किनारे पहुँचती। वानरों द्वारा पत्थर डाले जाने वाले स्थान पर गिलहरी अपना शरीर झाड़ती। इससे रेत के कण उन पत्थरों पर गिर कर जमा हो रहे थे।
5. भगवान राम ने प्यार से गिलहरी की पीठ पर हाथ फेरा। गिलहरी फुदकती हुई वहाँ से चली गई।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ख. बहुवचन बनाइए–

1. धारी – **धारियाँ**
2. टोपी – **टोपियाँ**
3. तितली – **तितलियाँ**
4. कहानी – **कहानियाँ**
5. लड़की – **लड़कियाँ**
6. चींटी – **चींटियाँ**
7. मिठाई – **मिठाइयाँ**
8. गिलहरी – **गिलहरियाँ**

ग. निम्नांकित शब्दों को शुद्ध रूप लिखिए–

1. चढ़ाइ – **चढ़ाई**
3. बानर – **वानर**
2. गिल्हरी – **गिलहरी**
4. झारना – **झाड़ना**
1. धारीयाँ – **धारियाँ**
2. शरिर – **शरीर**
3. भगबान – **भगवान**
4. पयार – **प्यार**
5. पूल – **पुल**
6. पतथर – **रेत**
7. रैत – **रेत**
8. कन – **कण**

घ. सम्मिलित वाक्य बनाइए–

1. भगवान राम अयोध्या के राजकुमार थे।
2. गिलहरी रेत के कण झाड़ रही थी।
3. गड्ढे में पानी भरा था।
4. सभी वनर पत्थर डाल रहे थे।

14. दिवाली

अभ्यास निरंतर समीक्षा

क. खाली स्थान भरिए–

1. आकाश में **तारे** टिमटिमाते हैं।
2. दिवाली पर हम **दीपक** जलाते हैं।
3. दिवाली पर हम **पटाखे** छोड़ते हैं।
4. **चाँद** दिन में नहीं चमकता।
5. **अमावस्या** की रात चाँद नहीं दिखाई देता।

ख. उत्तर बताइए–

1. तारे आसमान में टिमटिमा रहे हैं।
2. तारे टिमिटमा कर कहते हैं कि तुम भी धरती को आकाश की तरह सजाओ।
3. दीपक जल कर घर, आँगन व कोने-कोने को चमकाना चाहते हैं।
4. 'रहे न काली रात कहीं पर'–यह दीपक कहता है।
5. हम दीपक दीपावली पर जलाते हैं।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. विलोम शब्द लिखिए–

1. जलाना – **बुझाना**
2. घर – **बेघर**
3. रात – **दिन**
4. ऊपर – **नीचे**
5. काली – **सफेद**
6. एक – **अनेक**

घ. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. दीप – **दीपक**
2. आकाश – **आसमान**
3. धरती – **जमीन**
4. हर – **प्रत्येक**
5. रात – **निशा**
6. दुनिया – **संसार**

15. देव और दानव

अभ्यास

क. सही (✓) का निशान लगाइए–

1. (अ) उन्होंने आपस में सहयोग किया था
2. (अ) हमें आपस में मिल-जुलकर रहना चाहिए

ख. उत्तर बताइए–

1. देव और दानव दोनों में युद्ध चल रहा था। देवता चाहते थे कि सभी दानव स्वर्ग से चले जाएँ। दानव भी देवताओं को स्वर्ग से भगाना चाह रहे थे।
2. देवताओं ने चतुराई से काम किया। वे आमने-सामने बैठ गए और एक-दूसरे को भोजन कराने लगे। इसके लिए उन्हें अपने हाथों को मोड़ना भी नहीं पड़ा।
3. कुछ दानवों ने थालियों में ही मुँह लगा दिया। कुछ दानव हाथों को ऊपर उठाकर भोजन मुँह में डालने लगे। इससे भोजन इधर-उधर गिरने लगा। उनके कपड़े भी खराब हो गए।
4. विष्णु जी ने पुनः देव और दानवों को बुलाया और कहा–''आपस में सहयोग करने के

कारण ही देवताओं की जीत हुई है। इसलिए आप सब लोग आपस में मिल-जुल कर रहा करें।''

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. समानार्थी शब्द बताइए–

1. वस्त्र – **कपड़ा**
2. धरती – **जमीन**
3. देवता – **देव**
4. मुँह – **मुख**
5. दानव – **राक्षस**
6. खाना – **भोजन**

घ. विलोम शब्द बताइए–

1. युद्ध – **शांति**
2. स्वर्ग – **नर्क**
3. पक्ष – **विपक्ष**
4. स्वीकार – **अस्वीकार**

16. सुंदरता का वरदान

अभ्यास

क. सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–

1. (✓) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✗)

ख. सही शब्द की सहायता से वाक्य पूरा कीजिए–

1. परोपकार से तन और मन **सुंदर** बनते हैं।
2. बुढ़िया में **शक्ति** नहीं थी।
3. जीवों पर दया करना सबसे बड़ा **धर्म** है।
4. उसकी बहन विनीता **कुरूप** थी।

ग. किसने, किससे कहा–

1. बुढ़िया ने विनीता से कहा
2. ऋषि ने विनीता से कहा
3. माँ ने विनीता से कहा

घ. उत्तर बताइए–

1. शीतलपुर गाँव में एक वृद्ध महिला रहती थी। उसकी दो बेटियाँ थीं। बड़ी का नाम अनिता और छोटी का नाम विनीता था।
2. अनिता देखने में सुंदर थी और विनीता कुरूप।
3. बरसात आने वाली थी इसलिए चींटियाँ खाना इकट्ठा करने के लिए भाग दौड़ कर रही थी।
4. कमजोरी के कारण बुढ़िया झाड़ू नहीं लगा पा रही थी।
5. उन्होंने कहा–''बेटी! दया, क्षमा, परोपकार और सेवा में बड़ी शक्ति है। इन गुणों से दूसरों का मन जीत लिया जाता है और पवित्र एवं सफल आशीर्वाद की प्राप्ति होती है।''

भाषा ज्ञान आलोनात्मक सोच

ङ. शब्दों को शुद्ध रूप लिखिए–

1. झाड़ु – **झाड़ू**
2. कियारी – **क्यारी**
3. सूंदर – **सुंदर**
4. परबंध – **प्रबंध**
5. महातमा – **महात्मा**
6. दरशन – **दर्शन**

17. जॉर्ज स्टीफेंसन

अभ्यास

क. खाली स्थान भरिए–

1. जार्ज स्टीफेंसन का जन्म **इंग्लैंड** में हुआ था।
2. जार्ज का बचपन बड़ी **कठिनाई** से बीता।
3. नेल ने बहुत देर तक जार्ज की **राह** देखी।
4. नेल की आँखों में **आँसू** आ गए।

ख. उत्तर बताइए–

1. जार्ज स्टीफेंसन का जन्म इंग्लैंड में हुआ था। इन्होंने सर्वप्रथम, भाप से चलने वाले इंजन बनाए थे।
2. जार्ज की एक छोटी बहन थी। उसका नाम थ–नेल।
3. एक दिन नेल अपने भाई जार्ज के साथ बाजार में अपने लिए टोपी खरीदने गई।
4. बहन की टोपी खरीदने के लिए जार्ज ने एक बिगड़ैल घोड़े को काबू किया और उससे प्राप्त धन से टोपी खरीदी।
5. घोड़े के मालिक ने घोड़े को काबू करने के लिए जार्ज को इनाम दिया।

18. स्वतंत्रता दिवस

अभ्यास

क. खाली स्थान भरिए–

1. आज **पंद्रह** अगस्त है।
2. मंच के सामने **तिरंगा** झंडा फहराने का स्थान बना है।
3. मुखिया जी ने एक छोटा-सा **भाषण** दिया।
4. प्रधानाध्यापक जी ने बच्चों में **मिठाइयाँ** बाँटीं।
5. दरबार में बैठे सभी लोगों ने राजा की **जय-जयकार** की।

ख. उत्तर बताइए–

1. भारत को आजादी 15 अगस्त, 1947 को मिली थी।
2. विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने आकर राष्ट्रध्वज फहराया।
3. स्काउटों और गाइडों ने झंडे को सलामी दी।
4. बच्चों को इनाम मुखिया जी ने बाँटे।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. सुलेख लिखिए–

स्वयं कीजिए।

घ. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. देश – **राष्ट्र, वतन**
2. कपड़ा – **वस्त्र, वसन**
3. विद्यालय – **पाठशाला, स्कूल**
4. रात – **रजनी, निशा**

ङ. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

1. स्वतंत्रता – **परतंत्रता**
2. रात – **दिन**
3. गर्मी – **सर्दी**
4. धूप – **छाँव**

1. प्रार्थना

अभ्यास निरंतर समीक्षा

क. रिक्त स्थान भरिए–

1. जब छम-छम बूँदें गिरती हैं,
   बिजली **चम-चम** कर जाती है।
2. हे जग के सिरजनहार **प्रभो!**
   तब याद तुम्हारी आती है।

ख. उत्तर बताइए–

1. खुशी के गीत चिड़ियाँ गाती है।
2. जग के सिरजनहार ईश्वर हैं।
3. मस्ती ढोकर ठंडी-ठंडी हवा लाती है।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. विलोम शब्द लिखिए–

1. सुबह – **शाम**
2. खुशबू – **बदबू**
3. बाहर – **अंदर**
4. ठंडी – **गर्म**

2. सच्चा धर्म

अभ्यास निरंतर समीक्षा

क. किसने, किससे कहा?

1. अन्न बाँटने वाले ने बूढ़े से कहा
2. युवक ने अन्न बाँटने वाले से कहा
3. बूढ़े ने युवक से कहा
4. युवक ने बूढ़े से कहा
5. अशोक ने बूढ़े से कहा

ख. उत्तर बताइए–

1. एक बार मगध राज्य में भीषण अकाल पड़ा। सम्राट अशोक की प्रजा दाने-दाने के लिए मोहताज हो गई। यह दृश्य देखकर सम्राट अशोक ने तत्काल अपने राज्य के अन्न के भंडार जनता के लिए खोल दिए।
2. जवान आदमियों की धक्का-मुक्की ने बूढ़े को खैरात नहीं मिल पाई।
3. बूढ़े व्यक्ति की गठरी उठाने वाला व्यक्ति सम्राट अशोक था।
4. अशोक मगध राज्य के सम्राट थे।

भाषा ज्ञान

ग. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए–

1. गंभिर – **गंभीर**
2. कमचारि – **कर्मचारी**
3. परीचय – **परिचय**
4. आकल – **अकाल**

घ. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. परिचय – इससे ज्यादा **परिचय** व्यर्थ है।
2. अगला – **अगला** दिन रविवार है।
3. घबराना – मुसीबत में **घबराना** नहीं चाहिए।
4. तुच्छ – किसी को **तुच्छ** नहीं समझना चाहिए।
5. कमजोर – बूढ़ा **कमजोर** हो गया था।

3. अपना काम स्वयं करो

अभ्यास

क. किसने, किससे कहा?

1. यात्री ने ईश्वरचंद्र विद्यासागर से कहा
2. ईश्वरचंद्र ने यात्री से कहा
3. ईश्वरचंद्र ने आगंतुक से कहा

ख. सही शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–

1. छुक-छुक करती हुई रेल **स्टेशन** पर आकर रुकी।
2. मैं एक **विशेष** आदमी से मिलने आया हूँ।
3. आदमी ने **सूटकेस** को सिर पर रख लिया।
4. मैंने सूटकेस की धूल आपके **सिर** पर लगाने का अपराध कर डाला।

ग. उत्तर बताइए–

1. रेल के डिब्बे के दरवाजे पर खड़ा व्यक्ति कुली को पुकार रहा था।
2. सामान उठाने वाला व्यक्ति उसे ईश्वरचंद्र विद्यासागर के घर ले गया।।
3. सामान उठाने वाला व्यक्ति ईश्वरचंद्र विद्यासागर थे।
4. वह व्यक्ति उनके चरणों में गिर पड़ा। बोला–''मैं तो आपके चरणों की धूल माथे पर लगाने आया था, परंतु मैंने अपने सूटकेस की धूल आपके सिर पर लगाने का अपराध कर डाला.....।'' वह आँसू बहाने लगा।
5. ''ऐसी कोई बा नही है, बस ,भविष्य में अपना काम करने में कभी संकोच मत करना।'' ऐसा कहकर ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने उसे गले से लगा लिया।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए–

1. स्टेसन – **स्टेशन**
2. धुल – **धूल**
3. भविस्य – **भविष्य**
4. विसेश – **विशेष**

4. भगवान का भरोसा

अभ्यास

क. किसने, किससे कहा?

1. कौओं ने मैना से कहा
2. कौओं ने मैना से कहा
3. कौए ने मैना से कहा

ख. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. आकाश में घने काले **बादल** छाए हुए थे।
2. कौए **काँव-काँव** करके चिल्लाए।
3. उसने भगवान को **प्रणाम** किया और उड़ गई।
4. **पृथ्वी** पर ओलों से घायल पड़े हुए कौओं ने मैना को देखा।

ग. सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–

1. (✓) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✓)

घ. उत्तर बताइए–

1. नीम के एक पेड़ पर बहुत-से कौए बैठे थे।
2. मैना नीम के पेड़ पर बैठ गई और बरसात के मौसम में कौओं से वहाँ रहने देने के लिए प्रार्थना की।
3. कौए झगड़ालू स्वभाव के होते हैं, इसलिए उन्होंने मैना को पेड़ पर बैठने नहीं दिया।
4. आलू जैसे ओले तड़-तड़, भड़-भड़ बंदूक की गोली जेसे पड़ रहे थे। कौए काँव-काँव करके चिल्लाए। इधर-उधर थोड़ा बहुत उड़कर गए परंतु ओलों की मार से सब के सब घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। बहुत-से कौए मर भी गए।
5. मैना जिस आम के पेड़ पर बैठी थी, उसकी एक मोटी डाल आँधी से टूट गई। डाल भीतर से सड़ गई थी और खोखली हो गई थी। डाल टूटने से उसकी जड़ के पास पेड़ में एक खोखला स्थान बन गया था। छोटी मैना उसमें घुस गई। उसे एक भी ओला नहीं लगा।
6. मैना बोली–''मैं आम के पेड़ पर अकेली बैठी थी और भगवान से प्रार्थना करती रही। दुःख में पड़े हुए असहाय जीवों को भगवान के अलावा और कौन बचा सकता है?''

ङ. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए–

1. चीड़िया – **चिड़िया**
2. धुप – **धूप**
3. बेठने – **बैठने**
4. बन्दुक – **बंदूक**
5. बैचारी – **बेचारी**
6. परमाण – **प्रणाम**

5. सुबह कहाँ से

अभ्यास निरंतर समीक्षा

क. सही शब्द की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–

1. रात को **चंद्रमा** अंबर पर छा जाता है।
2. पर्वत जैसे ये **काले** बादल जल बरसाते कहाँ से।
3. सतरंगी **इंद्रधनुष** कैसे मिटता बनता है।

ख. उत्तर बताइए–

1. कविता में सूर्योदय, चंद्रोदय, वर्षा, इंद्रधनुष, नदी और फूलों का वर्णन हुआ है।
2. रात में आकाश चाँद और तारों से भर जाता है।।
3. इंद्रधनुष के संबंध में बालक की यह जिज्ञासा होती है कि वह कैसे बनता और गायब हो जाता है।
4. कविता में बादल को पर्वत के समान बताया गया है।

ग. शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए–

1. सूरज – **सूरज**
2. इन्दर – **इंद्र**
3. पियारी – **प्यारी**
4. फुल – **फूल**
5. परवत – **पर्वत**
6. कीरनों – **किरणों**

घ. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

1. अमृत – **विष**
2. सुंदर – **कुरूप**
3. आकाश – **पाताल**
4. सुगंध – **दुर्गंध**

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ङ. निम्नलिखित शब्दों के लिए एक-एक पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. बादल – **मेघ**
2. पर्वत – **शैल**
3. फूल – **पुष्प**
4. जल – **पानी**

6. भक्त प्रह्लाद

अभ्यास

क. किसने, किससे कहा?

1. हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद से कहा।
2. भगवान नरसिंह ने हिरण्यकश्यप से कहा।

ख. सही शब्द की सहायता से वाक्य पूरा कीजिए–

1. हिरण्यकश्यप के **चार** पुत्र थे।
2. प्रह्लाद तो **विष्णुजी** का ही भक्त बना रहा।
3. अब तो **हिरयण्कश्यप** के क्रोध का ठिकाना न रहा।

ग. सही (✓) तथा गलत (✗) का निशान लगाइए–

1. (✗) 2. (✗) 3. (✓)

घ. उत्तर बताइए–

1. उसने घोर तपस्या करके ब्रह्मा जी से वरदान प्राप्त किया कि उसकी मृत्य न घर में हो, न घर के बाहर हो, न वह दिन में मरे, न रात में और न ही कोई मनुष्य या जानवर उसे मार सके। किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र के द्वारा भी वह मारा न जा सके।
2. होलिका हिरण्यकश्यप की बहन।
3. हिरण्यकश्यप का वध भगवान नरसिंह अवतार ने किया।
4. हिरयण्कश्यप के बाद दानों का राजा प्रह्लाद बना।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ङ. विलोम शबद लिखिए–

1. दिन – **रात**
2. आग – **पानी**
3. अंदर – **बाहर**
4. पुराना – **नया**

7. आत्मसम्मान

अभ्यास

क. सही शब्द चुनकर (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (ब) पोरस
2. (स) मित्र
3. (ब) कायर
4. (ब) पंचनद

ख. किसने, किससे कहा?

1. सिकंदर ने पोरस से कहा
2. पोरस ने सिकंदर से कहा
3. सिकंदर ने पोरस से कहा
4. सिकंदर ने पोरस से

ग. उत्तर बताइए–

1. वह व्यक्ति जिसमें आत्मसम्मान की भावना नहीं होती, वह पशु के समान होता है।

2. जो व्यक्ति अपने आत्मसम्मान के प्रति सचेत नहीं है, वह कायर व मूर्ख कहलाता है।
3. सिकंदर महान् ने राजा पोरस पर आक्रमण किया था।
4. तक्षशिला का हिंदू राजा पोरस के विरुद्ध सिकंदर की मदद कर रहा था।
5. सिकंदर ने पोरस सेपूदा, ''अब तुम्हारे साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए?'' पोरस ने तुरंत जवाब दिया, ''जैसा एक राजा दूसरे राजा के साथ करता है।'' आत्मसममान से भरे इस बहादुरीपूर्ण जवाब से सिकंदर बहुत प्रभावित हुआ और उसने पोरस को तुंरत छोड़ने का आदेश दे दिया।
6. सिकंदर ने पोरस को स्वतंत्र कर दिया और उसके साथ मित्रता कर ली।

भाषा ज्ञान

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. कायर – **वीर**
2. शिक्षित – **अशिक्षित**
3. मूर्ख – **विद्वान**
4. पराजित – **विजेता**

8. मैं तो सो रही थी

अभ्यास

क. उत्तर लिखिए–

1. लड़की को पहले मुर्गे ने लगाया।
2. चिड़िया ने चीं-चीं बोलकर लड़की को जगाया।
3. भौं-भौं करके लड़की को कुत्ते ने जगाया।
4. जब मोटर ने पौं-पौं करके लड़की को जगाया तो वह ऊँघ रही थी।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ख. निम्नलिखित आवाजें किनकी है?

1. कुकड़ूँकूँ – **मुर्गे**
2. भौं-भौं – **कुत्ता**
3. टन-टन – **घंटी**
4. चीं-चीं – **चिड़िया**
5. पौं-पौं – **मोटर**

9. मित्र की सलाह

अभ्यास

क. किसने, किससे कहा?

1. जीवन ज्योति ने राजेश्वर से कहा।
2. राजेश्वर ने जीवन ज्योति से कहा।

ख. सही शब्द की सहायता से वाक्य पूरी कीजिए–

1. जीवन ज्योति को देखकर वह आदमी बड़ा **लज्जित** था।
2. जीवन ज्योति के घर उसका **मित्र** राजेश्वर आया।
3. जीवन ज्योति खलिहान से **घर** लौट आया।
4. गौशाला से **दूध** भी अधिक आने लगी।

ग. सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–

1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✓)

घ. उत्तर बताइए–

1. खरीक बाजार में एक किसान रहता था। उसका नाम जीवन ज्योति था। वह बहुत धनी था। नियमित रूप से काम छोड़ देने के कारण वह बहुत आलसी हो गया था।।
2. एक दिन जीवन ज्योति के घर उसका मित्र राजेश्वर आया।
3. राजेश्वर ने कहा–"मित्र! प्रातः सब जीवों के जागने से पूर्व ही मानसरोवर पर रहने वाला एक सफेद हंस पृथ्वी पर आता है। यह तो मुझे पता नहीं कि वह कब आयेगा? परंतु जो भी उसके दर्शन कर लेता है, उसको कभी किसी बात की कमी नहीं रहती।"
4. सफेद हंस की खोज में जीवन ज्योति प्रतिदिन सवेरे उठने और घूमने लगा।
5. जीवन ज्योति खलिहान से वापस घर लौट आया और गौशाला में गया। वहाँ उसने देखा कि रखवाला गाय का दूध अपनी पत्नी के लोटे में डाल रहा है। जीवन ज्योति ने उसे बहुत डाँटा।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ङ. बहुवचन बनाइए–

1. गाय – **गायें**
2. गाँव – **गाँवों**
3. मित्र – **मित्रों**
4. ढेर – **ढेरों**
5. नौकर – **नौकरों**
6. हंस – **हंसो समूह**

च. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

1. नियमित – **अनियमित**
2. मित्र – **शत्रु**
3. लाभ – **हानि**
4. सुबह – **शाम**

छ. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

1. परिश्रम – **परिश्रम** ही सफेद हंस है।
2. गाय – **गाय** का दूध उत्तम होता है।
3. हंस – **हंस** सुंदर पक्षी है।

10. आत्मनिर्भरता

अभ्यास

क. किसने, किससे कहा?

1. बच्चों ने सारस से कहा।
2. सारस ने बच्चों से कहा।
3. सारस ने बच्चों से कहा।
4. किसान ने अपने बेटों से कहा।

ख. सही शब्द की सहायता से वाक्य पूरी कीजिए–

1. उसके **गाँव** के लोग फसल काटने नहीं आएँगे।
2. दो-तीन दिन तक कोई **फसल** काटने नहीं आया।
3. गाँव के लोग बड़े **स्वार्थी** है।
4. यह किसान हम लोगों को **झूठ-मूठ** डराता रहता है।
5. जो दूसरों के **भरोसे** कोई काम छोड़ता है, उसका **काम** नहीं होता।

ग. सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–

1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓)

घ. उत्तर बताइए–

1. एक गेहूँ के खेत में सारस पक्षी का एक जोड़ा रहता था।
2. सारसों ने बाहर जाने से पहले अपने बच्चों से कहा–"बच्चो, हमारे यहाँ न रहने पर यदि कोई खेत के पास आए तो उसकी बात सुनकर याद रखना।"
3. उसने अपने बेटे से कहा–अब फसल काटने योग्य हो गई है। आज चलकर गाँव के लोगों से कहूँगा कि वे मेरा खेत कटवा दें।"
4. गाँव वालों के बाद किसान ने अपने भाइयों से फसल काटने को कहा।
5. कई दिन बीत गए। सारस के बच्चे उड़ने लगे थे और निर्भय हो गए थे।
6. सारस ने कहा–"बच्चों, किसान जब तक गाँव वालों और भाइयों के भरोसे था, फसल कटने की कहीं कोई आशा नहीं थी। जो दूसरों के भरोसे कोई काम छोड़ता है, उसका काम नहीं होता। लेकिन जब कोई स्वयं अपना काम करने को तैयार होता है तब उसका काम नहीं रुकता। किसान जब स्वयं कल फसल काटने वाला है, तब तो यह फसल अवश्य कटेगी।"

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ङ. बहुवचन बनाइए–

1. गाँव – **गाँवों**
2. फसल – **फसलों**
3. बच्चा – **बच्चें**
4. स्थान – **स्थानों**
5. खेत – **खेतों**
6. पेड़ – **पेड़ों**
7. पक्षी – **पक्षियों**
8. अंडा – **अंडे**

च. शब्दों को शुद्ध रूप लिखिए–

1. परबन्ध – **प्रबंध**
2. जलदी – **जल्दी**
3. निरभय – **निर्भय**
4. योगय – **योग्य**
5. चिनता – **चिंता**
6. बच्चौं – **बच्चों**

छ. विलोम शब्द लिखिए–

1. बड़ी – **छोटी**
2. भय – **अभय**
3. अँधेरा – **प्रकाश**
4. रुकना – **चलना**
5. याद रखना – **भुलाना**
6. सवेरे – **शाम**
7. आशा – **निराशा**
8. बच्चा – **बूढ़ा**

11. हिमालय से सीखो

अभ्यास

क. कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए–

1. खड़ा हिमालय **बता रहा है**।
   डरो न आँधी-पानी में।
2. डिगो **न अपने प्रण से तुम**।
   सब कुछ पा सकते हो प्यार।
3. **खड़ा रहा जो अपने** पथ पर।
   लाख **मुसीबत के आने में**।

ख. सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–

1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓)

ग. उत्तर बताइए–

1. हिमालय में शिक्षा मिलती है कि अपने पथ पर अडिग रहना चाहिए।
2. अपने प्रण पर टिके रहने से ऊँचा उठा जा सकता है।
3. जो अपने निर्णय पर खड़ा रहता ह जग में उसे सफलता मिलती है।
4. इस कविता से शिक्षा मिलती है कि सफल होने के लिए कठिन प्रण करना पड़ता है।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. डर – **निडर**
2. प्यार – **घृणा**
3. जीने – **मारने**
4. नभ – **घरा**
5. सफलता – **असफलता**
6. खड़ा – **लेटा**
7. मरने – **जीने**
8. ऊँचा – **नीचा**

ङ. शब्दों को शुद्ध रूप में लिखिए–

1. तुफानों – **तूफानों**
2. मूसीबत – **मुसीबत**
3. आनधी – **आँधी**
4. पियारे – **प्यारे**
5. मीली – **मिली**
6. छु – **छू**
7. जीनै – **जीने**
8. परण – **प्रण**

च. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. संकट – **मुसीबत व्यथा**
2. घर – **गृह सदन**
3. पानी – **जल नीर**
4. आकाश – **आसमान नभ**
5. दिन – **दिवस वार**
6. उद्यान – **बाग वाटिका**
7. तालाब – **सरोवर जलाशय**
8. शक्ति – **बल ताकत**

छ. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. पथ – अपने **पथ** से विचलित नहीं होना चाहिए।
2. अविचल – हिमालय **अविचल** है।
3. हिमालय – **हिमालय** अत्यंत विशाल है।
4. संकट – **संकट** में घबराना नहीं चाहिए।

12. मेहनत का फल

अभ्यास

क. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. **तेलघी** गाँव में रामफल नामक एक किसान रहता था।
2. जब वह महात्मा जी **ध्यान** तपस्या कर रहे थे।
3. उन्होंने तुम्हारे लिए **सोना** गाड़ रखा है।
4. महात्मा का उपदेश **सुनकर** वापस आ गया।
5. अब मैं समझ गया कि **परिश्रम से सोना चाँदी सब कुछ प्राप्त** हो सकता है।

ख. उत्तर बताइए–

1. तेलघी गाँव में रामफल नामक एक किसान रहता था। वह बहुत गरीब था। बड़ी कठिनाई से वह अपने बच्चों का पालन-पोषण करता था। उसका रामप्रसाद नामक इकलौता पुत्र

था। रामप्रसाद का किसी काम में मन नहीं लगता था। स्वभाव से ही वह आलसी बन गया था। एक दिन गरीब किसान रामफल चल बसा। अब रामप्रसाद अपनी माँ के साथ रहने लगा। उसकी माँ ब तक चल-फिर सकती थी, मेहनत-मजदूरी करके रामप्रसाद को खिलाती रही।

2. घर में जब अनाज का एक भी दाना नहीं बचा तो रामप्रसाद घर से निकला। वह एक महात्मा की कुटिया में पहुँचा।
3. रामप्रसाद की बातें सुनने के बाद महात्मा जी ने कहा–''तुम्हारे माता-पिता तुम्हें बहुत प्यार करते थे। उन्होंने तुम्हारे जीवन के लिए पर्याप्त सोना तुम्हारे खेत में गाड़ रखा है। मरते समय उन्हें याद नहीं आया, नहीं तो वे तुम्हें बता देते। जाओ, तुम अपने खेत की अच्छी तरह खुदाई करो, तुम्हें सोना प्राप्त हो जाएगा।''
4. समय आने पर रामप्रसाद के खेत में खूब अच्छी फसल लगी। फसल को देखकर सभी लोग रामप्रसाद की प्रशंसा करने लगे। अब रामप्रसाद की समझ में महात्मा जी की बात आ गई। फसल को काटने के बाद रामप्रसाद के घर में अनाज का ढेर लग गया।
5. रामप्रसाद ने प्रसन्न होकर मुस्कुराते हुए उनसे कहा–''सोना तो मुझे उसी वर्ष फसलों से प्राप्त हो गया था। अब मैं समझ गया कि परिश्रम से सोना-चाँदी सब प्राप्त हो सकता है।''

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. आलसी – रामप्रसाद बहुत **आलसी** था।
2. मेहनत – **मेहनत** का फल हमेशा मीठा होता है।
3. तपस्या – महात्मा जी कुटिया में **तपस्या** कर रहे थे।
4. अनाज – रामप्रसाद के पास **अनाज** का ढेर लग गया।
5. इकलौता – रामप्रसाद अपने माता-पिता का **इकलौता** पुत्र था।

13. तेनालीराम की बुद्धिमानी

अभ्यास

क. सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–

1. (✓) 2. (✗) 3. (✗)

ख. उत्तर बताइए–

1. दक्षिण भारत के शक्तिशाली राज्य विजयनगर में राजा कृष्णदेव राय शासन करते थे।
2. राजा कृष्णदेव राय का मन कुछ उदास था। फाल्गुन का महीना था, होली का त्योहार नजदीक ही था, लेकिन अपनी उदासी के कारण उन्होंने राज्य में घोषणा करा दी कि इस वर्ष वे होली नहीं खेलेंगे।
3. तेलानीराम ने राजा को वन देवता की मूर्ति भेंट करने की आज्ञा माँगी।
4. राजा ने वन देवता की मूर्ति में बने धनुष को खींचा ही था कि तीर निकलकर ऊपर की ओर चला गया। इसी के साथ ही मूर्ति के चारों ओर से रंगों की फुहार छूटने लगी। देखते ही देखते राजा सहित सभी दरबारी रंग में नहा उठे।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में प्रयोग कीजिए–

1. आसमान टूट पड़ना – पिता के मरते ही रमेश पर **आसमान टूट पड़ा**।
2. अंधे की लाठी – कविता अपने माता-पिता की **अंधे की लाठी** है।
3. आँखों का तारा – सूरज अपनी बहन की **आँखों का तारा** है।
4. कान भरना – कमला पड़ोसियों के **कान भरती** रहती है।
5. पेट में चूहे कूदना – सुबह से कुछ नहीं खाया **पेट में चूहे कूद रहे है**।

14. तिरंगा हमारा

अभ्यास

क. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. राट्रीय ध्वज का ऊपरी भाग **केसरिया** रंग का है।
2. मध्य में स्थित सफेद रंग **शांति** का प्रतीक है।
3. **हरे** रंग की पट्टी संपन्नता और खुशहाली दर्शाती है।

ख. सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–

1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓)

ग. उत्तर बताइए–

1. भारत के राष्ट्रीय ध्वज का नाम तिरंगा है।
2. केसरिया रंग बलिदान, हरा रंग संपन्नता तथा सफेद रंग शांति के परिचायक हैं।
3. अशोक का चक्र झंडे में मध्य में स्थित है।

15. धैर्य

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) तालाब में 2. (ब) सूली पर 3. महर्षि दयानंद धैर्य

ख. कोष्ठक में दिए गए सही शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–

1. क्रोध को वश में रखना **आसान नहीं** है।
2. कछुआ बहुत **भारी** था।
3. कछुआ **तालाब** में रहता था।
4. ईसाई धर्म के संस्थापक **यीशु मसीह** थे।
5. दक्षिण अफ्रीका में **अंग्रेजों** ने गांधी जी को अपमानित किया।

ग. कॉलम 'अ' का कॉलम 'ब' से सही मिलान कीजिए–

'अ'	'ब'
1. यीशु मसीह	(i) ईसाई धर्म
2. महर्षि दयानंद	(ii) आर्य समाज
3. भगवान बुद्ध	(iii) धैर्य की प्रतिमूर्ति
4. राष्ट्रपिता	(iv) महात्मा गांधी

घ. उत्तर बताइए–

1. धैर्य का अर्थ है–शांत रहना एवं अपनी भावनाओं को वश में रखना।
2. एक बार ऐसा हुआ कि उस इलाके में बहुत समय तक वर्षा नहीं हुई। जिस तालाब में कछुआ रहता था, वह भी धीरे-धीरे सूखने लगा। इससे कछुआ बहुत चिंतित हुआ।
3. हंस का जोड़ा जिस तालाब में रहता था वह सूख रहा था इसलिए वे दूसरे स्थान पर जाना चाहते थे।
4. जीसस क्राइस्ट ईसाई धर्म के संस्थापक थे।
5. आर्य समाज के संस्थान महर्षि दयानंद सरस्वती थे।

16. शबरी के बेर

अभ्यास

क. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. **शबरी** की प्रसन्नता का ठिकाना न रहा।
2. शबरी ने अपनी **कुटिया** को साफ किया।
3. शबरी जंगल से बेर **एकत्र** करने लगी।
4. राम-लक्ष्मण शबरी की **कुटिया** में पधारे।

ख. उत्तर बताइए–

1. शबरी तपस्विनी थी। वह प्रभु राम और लक्ष्मण के दर्शन करने के लिए वन में रहती थी।
2. रावण सीताजी को चुराकर ले गया था। राम और लक्ष्मण सीता की खोज में वन-वन भटक रहे थे।
3. शबरी ने सोचा कि कहीं कोई बेर खट्टा न हो–यह सोचकर वह प्रत्येक बेर को चखती और छाँट-छाँटकर मीठे-मीठे बेर रामचंद्र जी को देती।
4. राम बड़े प्रेम से बेट खाने लगे। लक्ष्मण ने यह देखा तो उन्हें आशचर्य हुआ। पिछले कई दिनों से उन्होंने भैया राम को इतना प्रसन्न नहीं देखा था। उन्हें गा कि शबरी के प्रेम के सामने राम अपने कष्ट भूल गए हैं। यदि संसार में सबसे बड़ी कोई चीज है तो वह प्रेम है।
5. श्रीराम ने प्रेम को संसार में सबसे बड़ा बताया।

भाषा ज्ञान

ग. निम्नलिखित शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. स्वागत – शबरी ने श्रीराम के **स्वागत** की तैयारियाँ की।
2. जलपान – श्रीराम और लक्ष्मण ने **जलपान** ग्रहण किया।
3. भक्ति – शबरी श्रीराम की **शक्ति** में लीन थी।
4. कमंडल – साधु के **कमंडल** में गंगाजल था।
5. कुशल-क्षेम – गुरु ने शिष्यों की **कुशल-क्षेम** पूछी।

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. साफ – **गंदा**
2. खट्टा – **मीठा**
5. कभी-कभी – **सदैव**
6. भैया – **बहन**

3. आगे – **पीछे**
4. धनी – **निर्धन**
7. छोटा – **बड़ा**
8. आदर – **अनादर**

ङ. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द लिखिए–

1. वन – **जंगल कानन**
2. मुनि – **ऋषि साधु**
3. दिन – **दिवस वार**
4. खुशी – **प्रसन्नता सुख**
5. मार्ग – **रास्ता पथ**

17. सोने के आँवले

अभ्यास

क. किसने, किससे कहा?

1. बटुक ने ब्राह्मणी से कहा।
2. ब्राह्मणी ने बटुक से कहा।
3. बटुक ने ब्राह्मणी से कहा।
4. बटुक ने धनी व्यक्ति से कहा।

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. बालक **शंकर** ने 12 वर्ष की उम्र में **संन्यास** ग्रहण किया।
2. इन्होंने ही **संपूर्ण** देश को एक सूत्र में पिरोकर **संगठित** किया।
3. **भारत** में तब आज जैसे **विद्यालय** न थे।
4. बटुक अर्थात् **ब्रह्मचारी** भिक्षा माँगने जाते थे।

ग. उत्तर बताइए–

1. केरल के कालड़ी ग्राम में 845 विक्रम संवत् को शंकराचार्य जी ने जन्म लिया।
2. इनके बचपन का नाम शंकर था।
3. शंकर ने धनवान व्यक्ति के माध्यम से निर्धन ब्राह्मणी की सहायता की।
4. भारतीय बौद्धों ने सत्ता के लोभवश विवेकहीन होकर परकीयों का सब प्रकार से सहयोग किया। राष्ट्रीय दृष्टि से यह बड़ा विकट समय था। प्राचीन हिंदू वैदिक धर्म विभाजित होकर दुर्बल होता जा रहा था। उस काल में इसी बालक ने समस्त भारत की परिक्राम कर अपने सनातन हिंदू धर्म की विजय पताका फहराई। इन्होंने ही संपूर्ण देश को एक सूत्र में पिरोकर संगठित किया।
5. बाल ब्रह्मचारी शंकर के जाने के बाद उस सेठ ने स्वर्ण के आँवचले बनवा कर ब्राह्मण को भिजवाए और इस प्रकार उसकी निर्धनता दूर कर संतोष का अनुभव किया।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. बालक –**बालक** शंकर अत्यंत तेजस्वी थे।
2. इंतजार – भिक्षक द्वार पर **इंतजार** करने लगा।
3. धर्म – **धर्म** की पताका पुनः लहराने लगी।
4. प्रचार – शंकराचार्य ने वैदिक धर्म का **प्रचार** किया।
5. आवाज – बटुक ने भिक्षा के लिए **आवाज** दी।
6. दुर्बल – बूढ़ा व्यक्ति **दुर्बल** हो गया था।

18. ईश्वर महान् है

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स) ईश्वर
2. (ब) राजमहल में
3. (ब) प्रशंसक
4. (स) भक्तों

ख. उत्तर लिखिए–

1. सबका रचयिता ईश्वर है।
2. दो अंधे भिखारी थे। वे दोनों राजमहल के द्वार के समीप रहते थे।
3. राजा ने अपने प्रशंसक भिखारी को बुलाव में सोने के सिक्के दिए।
4. पहला भिखारी राज का प्रशंसक और भक्त था। उसका मानना था कि वह राजा की प्रत्येक चीज का ऋणी है। वह सोचता था कि यदि राजा ने उस पर दया नहीं की होती तो वह जीवित नहीं रह सकता था।
5. दूसरा अंधा भिखारी भी राजा की प्रशंसा करने लगा, परंतु उसका विश्वास था कि ईश्वर महान् है। यह ईश्वर ही है जो राजा के मन में दया उत्पन्न करता है। उसका मानना था कि ईशवर की दया से ही वे जीवित हैं।
6. पहले भिखारी को राजा द्वारा दिया गया पुरस्कार नहीं मिला क्योंकि ईशवर की कृपा से वह दूसरे भिाखारी को मिल गया।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. किसने, किससे कहा–

1. पहले भिखारी ने दूसरे भिखारी से कहा।
2. दूसरे भिखारी ने पहले भिखारी से कहा।

घ. असंबद्ध शब्द को रेखांकित कीजिए–

1. ईश्वर – रचयिता रचनाकार दयालु राजमहल
2. राजा – राजमहल प्रशंसक भक्त पशु
3. भिखारी – पुलाव पुरस्कार पक्षी सोने के सिक्के

ङ. विलोम शब्द लिखिए–

1. समीप – **दूर**
2. प्रशंसा – **निंदा**
3. राजा – **रंक**
4. पुरस्कार – **दंड**

19. लाक्षागृह

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) पंचम वेद
2. (ब) पांडु एवं धृतराष्ट्र
3. (अ) वारगावत

ख. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

1. भगवान **श्रीकृष्ण** ने **पृथ्वी** पर जन्म लिया था।
2. शांतनु के बाद उनका पुत्र **पांडु** हस्तिनापुर के राज-सिंहासन पर बैठा।

3. हस्तिनापुर उनकी **राजधानी** थी।
4. **महाभारत** कथाओं का **विशालतम** ग्रंथ है।

ग. उत्तर बताइए–

1. विद्वानों ने महाभारत को पंचम वेद कहकर पुकारा।
2. शांतनु भारत के राजा थे।
3. महाराज पाण्डु के कुंती ओर माद्री नामक दो रानियाँ थीं। कुंती के तीन पुत्र हुए–युधिष्ठिर, भीम और अर्जुन। माद्री ने दो पुत्रों–नकुल और सहदेव को जन्म दिया। पांडु के पुत्र पांडव कहलाए।
4. गांधारी को सौ पुत्र हुए। ये सभी दुष्ट स्वभाव के और ईर्ष्यालु थे। उनमें दुर्योधन सबसे बड़ा था। वह पांडवों के प्रति द्वेष भाव रखता था।
5. योजनानुसार पुरोचन के आदमियों ने मशाल जलाकर बाहर से लाक्षागृह में आग लगा दी। पुरोचन लाक्षागृह में जलकर ढेर हो गया। आग लगते ही पांडव सुरंग के द्वार से बाहर निकल गए। पांडव माता कुंती के साथ सुरक्षित वन में निकल गए।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. अन्याय – **न्याय**
2. विरुद्ध – **समर्थन**
3. दूर – **पास**
4. भला – **बुरा**
5. आदर – **अनादर**
6. स्वागत – **तिरस्कार**

ङ. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

1. अनन्त – महाभारत का ज्ञान **अनंत** है।
2. षड्यंत्र – दुर्योधन ने लाक्षागृह का **षड्यंत्र** रचा।
3. ढेर – लाक्षागृह में कई लोग जलकर ढेर हो गए।
4. ईर्ष्यालु – शकुनि **ईर्ष्यालु** स्वभाव का था।

20. गिद्ध और बिलार की कथा

अभ्यास

क. सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–

1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✗) 5. (✓) 6. (✗)

ख. उत्तर बताइए–

1. गृधकूट पर्वत राजगीर में स्थित है।
2. ज्यादा उम्र होने के कारण गिद्ध की आँखें कमजोर हो गई थीं। उसके नाखून भी घिस गए थे। वह ठीक से उड़ भी नहीं पाता था। उसे देखकर उस पेड़ के पक्षियों को दया आ गई।
3. दिन में जब पक्षी पेड़ पर न होते तो बूढ़ा गिद्ध उनके बच्चों की देखभाल करता था।
4. पक्षियों के बच्चे बिलार ने खाए।
5. बिलार हड्डियों को एक पेड़ के खोखल में डालता था।
6. पक्षियों ने अपने बच्चों की खोज शुरू की तो देखा कि एक खोखल में उनके बच्चों की हड्डियों का ढेर लगा है। पक्षियों ने समझा कि यही वृद्ध गिद्ध रोज हमारे बच्चों का खा

जाता है। यह सोचकर सबने मिलकर उस निरपराध गिद्ध पर हमला कर दिया। सबने चोंचें मार-मारकर और पंजों से नोच-नोचकर उसे मार डाला।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. विलोम शब्द लिखिए–

1. वृद्‌ध – **युवा**
2. प्रातःकाल – **सायंकाल**
3. पाप – **पुण्य**
4. सुख – **दुःख**
5. प्रतिदिन – **यदा-कदा**
6. धर्मात्मा – **दुष्टात्मा**

घ. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

1. पाप – बिलार ने कई **पाप** किए थे।
2. स्नान – वह रोज गंगा में **स्नान** करता था।
3. स्वभाव – गिद्ध का **स्वभाव** अच्छा था।
4. देर – वह **देर** तक घर नहीं लौटा।
5. हमला – पक्षियों ने गिद्ध पर **हमला** कर दिया।

ङ. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द लिखिए–

1. नदी – **सरिता तटिनी**
2. घर – **गृह सदन**
3. फूल – **कुसुम प्रसून**
4. पक्षी – **खग विहग**

च. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए–

1. नीरपराध – **निरपराध**
2. वसं – **वंश**
3. विस्वाश – **विश्वास**
4. शीक्षा – **शिक्षा**

21. सत्यवादी हरिश्चंद्र

अभ्यास

क. रिक्त स्थान भरिए–

1. प्राचीन काल में **हरिश्चंद्र** नाम के एक राजा थे।
2. हरिश्चंद्र तो स्वप्न में ही अपना सर्वस्व **दान** कर चुके थे।
3. हरिश्चंद्र **श्मशान** में आने वाले शव के परिवार वालों से कर वसूल करते थे।
4. मुनि विश्वामित्र के **आशीर्वाद** से रोहिताश्व पुनः जीवित हो गया।
5. तारामती ब्राह्मण के घर में **चूल्हा-चौका** करती थी।

ख. उत्तर बताइए–

1. देवों के राजा इंद्र की प्रेरणा से मुनि विश्वामित्र ने उनकी सत्यवादिता और दानशीलता की परीक्षा लेनी चाहिए।
2. हरिश्चंद्र के दरवाजे से एक मुनि बिना दक्षिणा के चला जाए, यह संभव नहीं था। कोई रास्ता न सूझने पर हरिश्चंद्र ने दक्षिणा चकाने के लिए स्वयं को और पत्नी व बच्चे को बेचने का निशचय कर लिया।
3. एक दिन फुलवारी में फूल तोड़ते समय रोहिताश्व को एक विषैले साँप ने डस लिया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई।

4. मुनि विश्वामित्र के आशीर्वाद से रोहिताश्व पुनः जीवित हो गया। हरिश्चंद्र को उनका राज-पाट वापस मिल गया। हरिश्चंद्र सत्यवादी और दानी राजा के रूप में सदा के लिए अमर हो गए।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. विलोम शब्द लिखिए–

1. प्राचीन – **नवीन**
2. राजा – **रंक**
3. जन्म – **मृत्यु**
4. न्याय – **अन्याय**
5. सत्य – **असत्य**
6. खरीद – **बेचना**
7. प्रशंसा – **निंदा**
8. आधा – **पूरा**

घ. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए–

1. प्रजा – हरिश्चंद्र **प्रजा** का पालन करते थे।
2. स्वप्न – विश्वामित्र ने उन्हें **स्वप्न** में दर्शन दिए।
3. हरिश्चंद्र – **हरिश्चंद्र** सत्यवादी थे।
4. विषैला – **विषैले** साँप ने रोहिताश्व को डस लिया।
5. शमशान – वे **श्मशान** में कर वसूलते थे।

ङ. स्त्रीलिंग अथवा पुल्लिंग बताओ–

1. राजा – **पुल्लिंग**
2. प्रजा – **स्त्रीलिंग**
3. मुद्र – **पुल्लिंग**
4. पुत्र – **पुल्लिंग**
5. दक्षिण – **स्त्रीलिंग**
6. साँप – **पुल्लिंग**

च. उदाहरण के अनुसार तीन-तीन शब्द लिखो–

1. द् + ध = द्ध	**युद्ध**	**प्रसिद्ध**	**शुद्ध**
2. न् + त = न्त	**अन्त**	**कान्ता**	**शान्त**
3. प् + न = प्न	**स्वप्न**	**छप्पन**	**स्वप्नशील**
4. स् + व = स्व	**स्वविवेक**	**स्वप्न**	**स्वाहा**

22. होली का त्योहार

अभ्यास

क. रिक्त स्थान भरिए–

1. हिरण्यकश्यप घोर **नास्तिक** थे।
2. परंतु प्रहलाद तो दिन-रात **श्रीविष्णु** के नाम का ही जाप करता था।
3. **होलिका** को अगा में न जलने का वरदान मिला हुआ था।
4. होलिका-दहन के अगले दिन **धुलेड़ी** का दिन आता है।
5. **ब्रज** की होली का अपना निराला रंग होता है।

ख. उत्तर बताइए–

1. हिण्यकश्यप घोर नास्तिक राजा था। वह भगवान की पूजा नहीं करता था और खुद को ही भगवान समझता था।

2. हिण्यकश्यप का पुत्र प्रहलाद भगवान विष्णु का उपासक था। वह चाहता था कि प्रहलाद विष्णु की नहीं, उसकी पूजा करे। परंतु प्रहलाद तो दिन-रात विष्णु के नाम का ही जाप करता था। इस बात से क्रोधित होकर हिण्यकश्यप ने उसे मारने के अनेक प्रयास किए।
3. होलिका-दहन के अगले दिन 'धुलेड़ी' का दिन आता है। इस दिन सभी लोग एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर, रंगीन पानी में भिगोकर खूब हँसते-गाते हैं ओर आनंद उठाते हैं।'
4. ब्रज की होली का अपना ही निराला रंग होता है। गाँव-गाँव नाच, गान, झांझ, मजीरे की सुमधुर ध्वनि से गूँज उठते हैं। दो दिन की होली तो देश में सभी जगह मनायी जाती है–एक दिन जलाने वाली और दूसरे दिन रंग खेलने वाली होली। ब्रज के चौरासी कोस में होली एक सप्ताह पहले ही शुरू हो जाती है।

ग. उचित मिलान कीजिए–

प्रसन्नता	बेटा, आत्मज
त्योहार	नृप, नरेश
भगवान	खुशी, हर्ष
पुत्र	उत्सव, पर्व
राजा	ईश्वर, परमात्मा

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप शब्द लिखिए–

1. कथा – **कथाएँ**	4. बहन – **बहनें**
2. रात – **रातें**	5. बच्चा – **बच्चें**
3. फसल – **फसलें**	6. गुब्बारा – **गुब्बारें**

ङ. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य में प्रयोग लिखिए–

स्वयं कीजिए।

च. उदाहरण के अनुसार तीन-तीन शब्द लिखो–

1. न् + न = न्न	**प्रसन्न**	**अन्न**	**संपन्न**
2. ल् + ल = ल्ल	**हल्ला**	**मोहल्ला**	**चिल्लाना**
3. ब् + ब = ब्ब	**डिब्बा**	**अब्बा**	**बब्बर**

23. आजाद पक्षी

अभ्यास

क. सही (✓) का निशान लगाइए–

1. पतंग उड़ाया करते थे
2. पिंजरे में बंद पक्षी

ख. रिक्त स्थान भरिए–

1. रंग-बिरंगी **पतंगें** उड़ती हुए बहुत अच्छी लगती है।
2. मेरी **मँझली** भाभी को भी चिड़ियाँ पालने का शौक हुआ।
3. मैं उन दिनों **आठ-नौ** वर्ष का बालक था।

4. भाभी पिंजरा **खाली** देखकर बहुत झल्लाई।
5. सबको मेरा यह काम **अनुचित** लगा।

ग. उत्तर बताइए–

1. लेखक का घर बहुत बड़ा था।
2. आकाश में पक्षियों की डार देखकर लेखक सोचता मानो पक्षी हमारी पतंगों के साथ होड़ लगा रहे हों कि कौन ऊँचा उड़ता है।
3. पिंजरे में बंद पक्षियों को चीखता-चिल्लाता देखकर लेखक का मन बहत दुःखी होता था।
4. परिवार वालों के डाँटने पर भी लेखक खुश था क्योंकि उसे पक्षियों को आजाद कराने की खुशी थी।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. पींजरा – **पिंजरा**
2. मंझली – **मँझली**
3. विनति – **विनती**
4. प्रसंशा – **प्रशंसा**
5. अनुचित – **अनुचित**
6. सिकायत– **शिकायत**

ङ. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

1. बड़ा – **छोटा**
2. शाक – **कार्य**
3. बंद – **खुला**
4. स्वतंत्र – **परतंत्र**
5. प्रशंसा – **निंदा**
6. उचित – **अनुचित**

च. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए–

1. शौक – मुझे घूमने-फिरने का बहुत **शौक** है।
2. पिंजरा – पक्षियों को **पिंजरे** में कैद नहीं करना चाहिए।
3. स्वतंत्रता – हमें 1947 में **स्वतंत्रता** मिली।

छ. चित्र को देखकर उदाहरण के अनुसार एक वाक्य लिखिए–

पक्षी हमारी पतंग से होड़ लगाते हुए लग रहे थे।

24. लालच का परिणाम

अभ्यास

क. सही (✓) का निशान लगाइए–

1. एक
2. घिसी-पिटी

ख. पाठ के आधार पर अधूरे वाक्य पूरे कीजिए–

1. आवाज एक झोपड़ी के **अंदर से आ रही थी**।
2. उसने प्यार से उसकी **पीठ थपथपाई**।
3. ऐसा शानदार महल **जिसके सामने राजा का महल भी फीका पड़ जाए**।
4. चलते-चलते वे **राजा के महल के पास पहुँच गए**।

ग. उत्तर बताइए–

1. बूढ़ा आदमी राजा था।

2. बूढ़ा आदमी किसी गाँव से होकर गुजर रहा था।
3. बूढ़े आदमी ने लड़की के पिता को सौ महरों का लालच दिया।
4. लड़की का पिता सोने की मोहरों से एक महल बनवाना चाहता था।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. समान मिलते जुलते शब्द लिखिए–

1. बात – **सात**
2. मजा – **सजा**
3. मीठी – **सीटी**
4. टोपी – **गोपी**
5. गीत – **मीत**
6. महल – **पहल**

ङ. एकवचन से बहुवचन शब्द बनाकर लिखिए–

1. बात – **बातें**
2. बूढ़ा – **बूढ़ें**
3. मुहर – **मुहरें**
4. झोंपड़ी – **झोंपड़ियाँ**
5. लड़की – **लड़कियाँ**
6. टोपी – **टोपियाँ**

च. निम्नलिखित शब्दों क वाक्य में प्रयोग कीजिए–

1. मीठी आवाज – लड़की की **आवाज बहुत मीठी** थी।
2. प्यारी बेटी – सुमित्रा की बेटी **बहुत प्यारी** है।
3. दयालु राजा – हमारा **राजा दयालु** है।
4. लालची आदमी – **लालची आदमी** पछताता रह गया।

छ. निम्नलिखित शब्दों को तीन-तीन बार लिखिए–

1. गाँव	**गाँव**	**गाँव**	**गाँव**
2. मुहर	**मुहर**	**मुहर**	**मुहर**
2. आशा	**आशा**	**आशा**	**आशा**

1. प्रार्थना

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (स) कर्तव्य मार्ग पर डटे रहने की
2. (ब) ध्यान रखना चाहिए
3. (अ) शुद्ध व सरल
4. (ब) की सेवा करनी चाहिए

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. हमें कर्तव्य मार्ग पर **डटना** चाहिए।
2. हमारा जीवन शुद्‌ध और **सरल** होना चाहिए।
3. हम गरीबों के **सेवक** बनें।
4. परोपकारी का जीवन **सफल** होता है।

ग. उत्तर बताइए–

1. दूसरों की सेवा अैर उपकार करके हम अपना जीवन सफल बना सकते हैं।
2. हमें दीन-दुखियों की सेवा करनी चाहिए।
3. हमें छल, दंभ, द्वेष, घमंड और सरल होना चाहिए।
4. हमारा जीवन शुद्ध और सरल होना चाहिए।
5. हमें अपनी आन, मान और मर्यादा का सदैव ध्यान रखना चाहिए।
6. हमें अपने देश पर बलिदान होने के लिए तत्पर रहतना चाहिए।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. जीवन– **मृत्यु**
2. उपकार – **अपकार**
3. झूठ – **सच**
4. सरल – **कठिन**
5. सफल – **असफल**
6. निबल – **सबल**
7. शुद्‌ध – **अशुद्ध**
8. अभिमान – **कुंठा**

ङ. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. शक्ति – हमें अपनी **शक्ति** का सदुपयोग करना चाहिए।
2. सेवा – गरीबों की **सेवा** करनी चाहिए।
3. सफल – परिश्रम से ही जीवन **सफल** बन सकता है।
4. दुःखी – बूढ़ी औरत **दुःखी** मन से चली गईं।
5. देश – **देश** की रक्षा करनी चाहिए।

2. ईमानदारी का फल

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स) स्वर्णरेखा
2. (द) लोहे की

ख. किसने, किससे कहा?

1. वरुणदेव ने लकड़हारे से कहा।
2. लकड़हारे ने वरुणदेव से कहा।
3. वरुणदेव ने लकड़हारे से कहा।
4. लकड़हारे ने वरुणदेव से कहा।

ग. उत्तर बताइए–

1. प्रतिदिन जंगल में जाता, लकड़ी काटता और उन्हें बाजार ले जाकर बेचता था। लकड़ियों से जो भी धन उसे प्राप्त होता, वह उसी से अपना और अपने परिवार का पालन-पोषण करता था।
2. एक दिन वह लकड़हारा स्वर्णरेखा नदी के किनारे एक पेड़ से लकड़ी काट रहा था। अचानक उसकी कुल्हाड़ी हाथ से छूटकर नदी में जा गिरी। लकड़हारा दुःखी होकर नदी के किनारे बैठ गया।
3. वरुणदेव पानी से बाहर निकले। उन्होंने लकड़हारे की उदासी का कारण पूछा–''उदास क्यों हो भाई?''
4. लकड़हारे की उदासी दूर करने के लिए वरुणदेव ने पानी में डूबकी लगाई और उसे उसकी कुल्हाड़ी लाकर दे दी।
5. वरुणदेव लकड़हारे की ईमानदारी से प्रसन्न हुए।
6. लकड़हारे के पड़ोसी का लालच के कारण अपनी कुल्हाड़ी से हाथ धोना पड़ा।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. सजा – **ईनाम**
2. परिश्रमी – **आलसी**
3. ईमानदार – **बेईमान**
4. गरीबी – **अमीरी**

ङ. असंबद्ध शब्द को रेखांकित कीजिए–

किसान – सिंचाई जुताई घुड़सवारी हल
लकड़हारा – लकड़ी पेड़ कुल्हाड़ी गहने
सुनार – शीशा हीरा सोना चाँदी

च. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. परिश्रमी – लकड़हारा बहुत **परिश्रमी** था।
2. साधन – कुल्हाड़ी ही उसकी आय का **साधन** थी।
3. डुबकी – वरुणदेव ने पानी में **डुबकी** लगाई।
4. प्रबंध – अपने घर का **प्रबंध** गृहिणी कुशलता से करती है।
5. किनारे – नदी **किनारे** एक मंदिर है।

3. शूलपाणि

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) गंडक
2. (स) पीपल

ख. उत्तर बताइए–

1. शाम ढलने लगी थी। भगवान महावीर विहार करते हुए आस्थिक ग्राम के एक चैत्य में पहुँचे।

2. वर्धमान महावीर जिस चैत्य में ठहरे हुए थे, उसी में शूलपाणि नामक एक क्रूर व्यक्ति रहता था। वह सदैव अपने हाथ में शूल सरीखा एक नुकीला हथियार रखता था, इसी वजह से उसका नाम 'शूलपाणि' पड़ गया था।
3. गाँव वाले एक साथ बोल पड़े–''प्रभु! इस चैत्य में एक यक्ष रहता है। वह बहुत निर्दयी है। जो भी रात्रि बेला में यहाँ ठहरता है या इधर से गुजरता है, उसे वह मार डालता है।''
4. थोड़ी देर बाद अँधेरा छा गया। शूलपाणि बाहर से लौटा। उपवन के अंदर एक व्यक्ति को निर्भीक मुद्रा में समाधि लगाए बैठे देखकर वह चौंका। क्रोध से उसकी आँखें लाल हो उठीं।
5. भगवान महावीर ने शूलपाणि के साथ सद्व्यवहार किया।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. विलोम शब्द लिखिए–

1. हित – **अहित**
2. ज्ञान – **अज्ञान**
3. न्याय – **अन्याय**
4. समय – **असमय**

घ. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. सूर्य – **भानू**	**आदित्य**	**अदितीपुत्र**
2. नाग – **साँप**	**सर्प**	**भुजंग**
3. वृक्ष – **पेड़**	**विटप**	**पादप**

ङ. मिलाकर लिखिए–

1. धर्म + उपदेश – **धर्मोपदेश**
2. शूल + पाणि – **शूलपाणि**
3. पर + उपकार – **परोपकार**
4. उप + वन – **उपवन**

4. तीन सहेलियाँ

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) जल
2. (स) तीसरी
3. (स) चिंता

ख. उत्तर बताइए–

1. मछलियाँ सरोवर में रहती थी।
2. दूसरी मछली भी सूझ-बूझ वाली थीं, किंतु उसे ज्यादा सोच-विचार करना अच्छा नहीं लगता। वह अपनी सूझ-बूझ से तुरंत निर्णय लेती थी।
3. पहली मछली ने स्थिति पर गंभीरता से विचार किया और कहा, ''हमें शीघ्र ही नहर के रास्ते दूसरे सरोवर में चले जाना चाहिए।
4. दूसरी मछली सूझ-बूझ वाली थी। उसने तुरंत एक उपाय सोच लिया। उसने अपने शरीर को ऐसा बना लिया जैसे वह मर गई हो। मछुआरे ने दूसरी मरी हुई मछलियों के साथ उसे भी निकालकर एक ओर फेंक दिया। वह मछुआरों की नजर बचाकर धीरे-धीरे खिसकती हुई फिर से सरोवर में पहुँच गई। पानी का स्पर्श पाते ही उसकी जान में जान आ गई। वह तेजी से तैरती हुई सरोवर के दूसरे कोने में चली गई।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. चित्र देखकर दो-दो विशेषण शब्द लिखो–

विशाल सरोवर — सुंदर मछली

गहरा सरोवर — रंग-बिरंगी मछली

ऊँचे पर्वत — हरा पेड़

बर्फीले पर्वत — ऊँचा पेड़

घ. दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो–

1. मछली – **मीन, मत्स्य**
2. पानी – **जल, वारि**
3. सरोवर – **ताल, तालाब**
4. घर – **गृह , आलय**

ङ. सही स्थान पर अनुस्वार (ं) का प्रयोग कर शब्दों को दोबारा लिखो–

1. आनद – **आनंद**
4. गभीर – **गंभीर**
2. मगल – **मंगल** 5. परतु – **परंतु**
3. जगल – **जंगल** 6. सगत – **संगत**

5. बालक हूँ मैं वीर निराला

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) हौवे से डरना सिखाती है
2. (ब) डटकर मुकाबला करता है

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. बालक **हूँ मैं वीर निराला,**
   नहीं किसी से डरने वाला
2. उस माई **का लाल नहीं**
   जो हौवे से डरना सिखलाती।

ग. उत्तर बताइए–

1. इस कविता में बालक अपने को वीर बता रहा है।
2. 'मैं दुष्टों से भिड़ने वाला' का अर्थ है कि बालक दुष्ट लोगों का प्रतिरोध करता है।
3. पानी के तेज बहाव के कारण नदी का किनारा कर जाता है।
4. 'आसमान दहलाने वाले' का अर्थ है जो आसमान की ऊँचाइयों में भी नहीं डरता है।

घ. निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. निराला – **(अनोखा)** उसका नृत्य **निराला** है।
2. कोमल – **(मुलायम)** उसका बिस्तर फूलों सा **कोमल** है।
3. सरिता – **(नदी) सरिता** में नहाना अच्छा है।
4. हौवा – **(कल्पित नाम)** तुम मुझे **हौवा** का भय न दिखाओ।

6. परंपरा

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) बहुत उत्साहित हैं
2. (स) अपने पौत्र
3. (स) वृद्धा के चरण स्पर्श करते हैं

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. नवयुवकों में बड़ा **उत्साह** है।

2. उसे आपसे कुछ **निवेदन** करना है।
3. मैं आपके पास एक **प्रार्थना** लेकर आई हूँ।
4. मेरी एक मात्रा **आकांक्षा** यही है।
5. आपकी **आज्ञा** का **तुरंत** पालन किया जाएगा।

ग. उत्तर बताइए–

1. पेशवा बाजीराव ने सरदारों से जानना चाहा कि सेना भर्ती और युद्ध की कैसी तैयारियाँ चल रही हैं?
2. पटेलों और सरदारों ने पेशवा को बताया कि नवयुवकों में सेना में भर्ती होने के लिए अत्यंत उत्साह है। भर्ती की ताकि प्रतिदिन लंबी होती जा रही है।
3. द्धारपाल ने पेशवा को बताया कि एक वृद्धा उनके दर्शन करना चाहती है। उसे उनसे कुछ निवेदन करना है।
4. वृद्धा अपने बोध पोते को लेकर आई थी, वह चाहती है कि वह किसी तरह पेशवा की सेना में भर्ती हो जाए।
5. पेशवा ने वृद्धा से कहा कि यह तो अभी अबोध बालक है और आप इसे अभी से युद्ध में भेजना चाहती हैं।
6. वृद्धा ने बताया कि उसके पति और पुत्र दोनों युद्ध में वीरगति को प्राप्त हुए हैं और अब वह पौत्र को भी सेना में भेजना चाहती है। यह सुनकर पेशवा उस वृद्धा के चरणों में झुके गए।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. निम्नलिखित शब्दों को मिलाकर उचित शब्द बनाइए–

1. नव – दिन **नवदिन**
2. प्रति – गति **प्रतिगति**
3. अस्त्र – रग
4. यथा – युवकों **यथायुवकों**
5. रंग – संभव

ङ. नीचे लिखे शब्दों का अर्थ बताकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. विनती – (निवेदन) वृद्धा ने पौत्र को सेनामें भर्ती के लिए **विनती** की।
2. नवयुवक – (तरुण) **नवयुवकों** को अनुशासित रहना चाहिए।
3. वीरगति – () युद्ध में वीरों ने **वीरगति** प्राप्त की।
4. उत्सुक – त्योहार के लिए सभी **उत्सुक** हैं।
5. उत्साह – बच्चों ने **उत्साह** से खेल खेला।

7. परमवीर अब्दुल हमीद

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (द) परमवीर चक्र
2. (स) 1962

ख. किसने, किससे कहा?

1. बालक हमीद ने दादी से कहा।
2. दादी ने हमीद से कहा।
3. दादी ने हमीद से कहा।
4. हवलदार ने हमीद से कहा।

ग. सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–

1. (✓) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓)

घ. उत्तर बताइए–

1. गाजीपुर से आजमगढ़ की ओर जाने वाली सड़क से दस-बारह मील चलकर फिर आगे दो मील भीतर जाकर एक गाँव है। नाम है उसका धामूपुर। इस गाँव में उस्मान खाँ दर्जी रहता था। उसके घर में 1 जुलाई 1937 को एक बालक ने जन्म लिया। इस बालक की माँ का नाम सकीना था। इन्होंने बालक का नाम अब्दुल हमीद रखा।
2. हमीद के पिता का नाम उस्मान खाँ और माता का नाम सकीना था।
3. बालक हमीद जब थोड़ा बड़ा हुआ, तो वह अपनी दादी से कहने लगा–''मैं फोज में भर्ती होऊँगा।''
4. हमीद को कबड्डी और कुश्ती बहुत प्रिय थी।
5. 17 सितंबर, 1965 के दिन कसूर क्षेत्र में घमासान युद्ध छिड़ा था। पाकिस्तान पैटन टैंकों के बल पर भारत की सीमा में प्रवेश करने का दिवास्वप्न संजोए थ। उधर हमीद गरजा–''बहादुरो, आगे बढ़ो!'' उसने देखा शत्रु सिर से पैर तक लोहे से ढका है। उसकी एंटी टैंक राइफल ने आग उगलनी शुरू कर दी। निशाना अचूक था ही। उसने उन लौह दैत्यों को एक-एक कर धराशायी कर दिया। एक के बाद दूसरा और फिर तीसरा टैंक नष्ट हुआ।

भाषा ज्ञान

ङ. विलोम शब्द बताइए–

1. आगे – **पीछे**
2. खुश – **नाखुश**
3. घुसना – **निकलना**
4. बालक – **बालिका**
5. तेज – **धीमा**
6. बहादुरी – **कायरता**

च. नीचे लिखे शब्दों का अर्थ बताकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. खुशी का ठिकाना न रहा – **(बहुत प्रसन्न)** पुरस्कार पाकर मेरी **खुशी का ठिकाना न रहा**।
2. मुग्ध – **(लट्टू होना)** सविता अपने नए घर पर **मुग्ध** है।
3. छक्के छुड़ा देना – **(हरा देना)** भारत ने पाकिस्तान के **छक्के छुड़ा दिए**।
4. दाँव-पेंच – **(तरकीबें)** उसे कुश्ती के सारे **दाँव-पेंच** आते हैं।
5. सपूत – **(अच्छा पुत्र) सपूत** ही माता-पिता की सेवा करते हैं।

8. स्वावलंबन

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) रक्षक दल का
2. (ब) स्वावलंबी बनाने के लिए

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. हमीरगढ़ के राजा बड़े वीर ओर **प्रजापालक** थे।
2. राजा ने मंत्री को बुलाकर डाकू के **आतंक** को समाप्त करने की आज्ञा दी।

3. मंत्री ने गाँव-गाँव में **रक्षक** दल बना दिया।
4. गाँव वालों ने डाकुओं को रस्सियों से **जकड़** दिया।
5. महाराज! मंत्री ने देश से **विश्वासघात** किया।
6. अब हमीरगढ़ की ओर **आँख** उठाकर देखने का साहस कोई न करेगा।

ग. उत्तर लिखिए–

1. मंत्री को चिंता रहती थी कि बिना सैनिकों को प्रजाजन अपनी रक्षा कैसे कर पाएँगे।
2. डाकू का उत्पात रोकने के लिए मंत्री ने प्रत्येक जगह-जगह सैनिक तैनात कर दिए। राजधानी में भी सैनिकों की चरों और तैनाती कर दी। गाँव-गाँव में रक्षक दल बनाए गए। युवकों को सैन्य प्रशिक्षण दिया गया।
3. प्रारंभ में केवल सैनिकों की तैनाती की गई थी इसलिए डाकू पकड़ा ना जा सका।
4. मंत्री चाहता था कि प्रजा अपनी रक्षा स्वयं करना सीखे। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए ही उसने डाकू बनने का नाटक किया।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. अपने शब्दों में कहिए–

स्वयं कीजिए।

ङ. विलोम शब्द लिखिए–

1. वीरता – **कायरता**
2. क्रोध – **प्रसन्नता**
3. बुद्धिमान – **बुद्धिहीन**
4. दूरदर्शी – **अदूरदर्शी**
5. सावधान – **असावधान**
6. संभावना – **पुष्टि**
7. संतोष – **असंतोष**
8. रक्षक – **भक्षक**

9. शिक्षाप्रद दोहे

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स) मधुर
2. (अ) हाय लगती है
3. (अ) गुरु की शरण में

ग. उत्तर बताइए–

1. सज्जन समाज की भलाई के लिए शरीर को धारण करते हैं।
2. हमें मधुर वाणी बोलनी चाहिए।
3. संतोषी व्यक्ति ही सुखी होता है।
4. दुर्बल सताने से उसकी हाय लगती है। इससे मनुष्य को कठिनाइयाँ आती हैं।
5. मातृभाषा की उन्नति से ही समाज की व स्वयं की उन्नति होती है।
6. कबीरदास जी के अनुसार भगवान से भी बढ़कर गुरु है, जो रूठे हुए ईश्वर को भी मना सकता है।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. विलोम शब्द लिखिए–

1. साधु – **डाकू**
2. शीतल – **गर्म**
3. दुर्बल – **सबल**
4. ठंडा – **गर्म**
5. रूठना – **मनाना**
6. टूटना – **जुड़ना**
7. उन्नति – **अवनति**
8. लोभ – **संतोष**

घ. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द बताइए–

1. पर्वत – **पहाड़**	**गिरि**	**नग**
2. गुरु – **आचार्य**	**शिक्षक**	**अध्यापक**
3. वृक्ष – **पेड़**	**विटप**	**तरु**
4. नीर – **पानी**	**जल**	**वारि**
5. हरि – **विष्णु**	**श्रीमंत**	**नारायण**

ङ. निम्नलिखित शब्दों से वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. संचय – वृक्ष फलों का **संचय** नहीं करता है।
2. पर्वत – हिमालय **पर्वत** विशाल है।
3. वाणी – वह मधुर **वाणी** में बोलती है।
4. हरि – **हरि** का नाम लेने से संकट दूर होते हैं।
5. दुर्बल – **दुर्बल** को सताना नहीं चाहिए।

च. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए–

1. परमारथ – **परमार्थ**
2. सरीर – **शरीर**
3. धरा – **धारण**
4. सरने – **शरण**
5. नहिं – **नहीं**
6. बानी – **वाणी**
7. सीतल – **शीतल**
8. हिय – **हृदय**

10. अक्ल बड़ी की भैंस

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (द) मीठे फल
2. (द) बंदर का दिल

ख. किसने कहा, किससे कहा?

1. मगरमच्छ की पत्नी ने मगरमच्छ से कहा।
2. मगरमच्छ ने बंदर से कहा।
3. बंदर ने मगरमच्छ से कहा।
4. बंदर ने मगरमच्छ से कहा।

ग. उत्तर बताइए–

1. बंदर पेड़ पर रहता था।

2. एक पेड़ पर एक बंदर रहता था। वह पेड़ नदी के किनारे पर स्थित था। बंदर प्रतिदिन उस पेड़ के फल खाता था। एक दिन जब मगरमच्छ उस नदी के किनारे आया। बंदर ने उस मगरमच्छ को भी कुछ मीठे फल खाने को दिए। मगरमच्छ ने वह मीठे फल खाए और बंदर को धन्यवाद दिया। फिर वे दोनों मित्र बन गए।
3. मगरमच्छ की पत्नी ने मगरमच्छ से बंदर का दिल लाने को कहा।
4. बंदर तैरना नहीं जानता था, इसलिए वह मगरमच्छ की पीठ पर बैठ गया।
5. मगरमच्छ ने बंदर से कहा–''मित्र, मेरी पत्नी बीमार है। अतः डॉक्टर ने उसे बंदर का दिल खाने का परामर्श दिया है और वह दिल उसे तुम दे सकते हो?''
6. उसने मगरमच्छ से कहा, ''मित्र, तुमने मुझे यह बात नदी किनारे क्यों नहीं बताई। मैं अपना दिल तो पेड़ पर रखकर आया हूँ ताकि वह सुरक्षित रहे। चलो, मुझे वापस ले चलो ताकि मैं तुम्हारी पत्नी के लिए अपना दिल जा सकूँ।''

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. असंबद्ध शब्द को रेखांकित कीजिए–

1. बंदर – पेड़	शाखा	शेर	फल	
2. मगरमच्छ – नदी	किनारा	मीठे	पुल	कुल्हाड़ी
3. नदी – जल	आग	पेड़	मगरमच्छ	

ङ. विलोम शब्द लिखिए–

1. मित्र – **शत्रु**
2. प्रतिदिन – **यदा-कदा**
3. मूर्ख – **ज्ञानी**
4. भविष्य – **भूत**

11. काम की बातें

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (द) (अ) तथा (स) दोनों
2. (स) जाति-पाति का
3. (द) सबका सम्मान करना चाहिए

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. जो हैं पिछड़े **हमसे बिछुड़े**।
   उनको झट से **गले लगाना**।
2. आपस में मत **करो लड़ाई**।
   लड़ने में है **नहीं बड़ाई**।।
3. पहले मन में **बातें तोलो**।
   फिर तुम उनको **मुख से बोलो**।
4. कष्टों से मत **तुम घबराना**।
   ताल ठोक उससे भिड़ जाना।

ग. उत्तर बताइए–

1. सबसे मित्रता रखने से ही हम समाज में सम्मान और प्यार पाते हैं।
2. सबसे मीठा बोलने से हर कोई हमारा मित्र बन जाता है।
3. 'जाति-पाति' का भूत भगाओ' का आशय है कि जाति-पाति का भेदभव मिटाओ।
4. कष्टों से घबराना नहीं चाहिए क्योंकि घबराने से कष्ट दूर नहीं होते। कष्टों का डटकर सामना करना चाहिए।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. झूठ – **सच**
2. विजय – **पराजय**
3. प्रेम – **घृणा**
4. मित्रता – **शत्रुता**
5. पढ़ा-लिखा – **अनपढ़**
6. शत्रु – **मित्र**
7. मान – **अपमान**
8. कष्ट – **सुख**
9. कड़वे – **मीठे**
10. पहले – **बाद में**

ङ. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. हृदय के द्वार खोलना – उसने शत्रुता भुलाकर अपने **हृदय के द्वार खोल दिए**।
2. गले लगाना – राम जी ने हनुमान जी को **गले से लगा लिया**।
3. ध्यान लगाना – संत **ध्यान लगाकर** बैठे हैं।
4. बातें तोलना – **बातें तोलकर** ही बोलना चाहिए।

12. दवा भेद

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स) पीलिया
2. (द) दस सहस्त्र रजत मुद्राएँ
3. (स) मूली

ख. किसने और किससे कहा?

1. भिखारी ने वैद्यराज से कहा
2. वैद्यराज ने भिखारी से कहा
3. वैद्यराज ने भिखारी से कहा
4. वैद्यराज ने राजा से कहा

ग. उत्तर बताइए–

1. एक बार सुंदर नगर का राजा आनंद वर्मा पीलिया रोग से ग्रस्त हो गया। उसने राजवैद्य को बुलाकर उपचार करने को कहा।
2. उसने महाराज को दवा बनाने में दस दिन का समय लगने और दस सहस्त्र रजत मुद्राओं के व्यय होने की बात कही।
3. राजा ने सोचा कि निर्धन व्यक्ति को पांडु रोग होने पर धन के अभाव में निश्चित रूप से मृत्य को प्राप्त हो जाएगा।
4. भिखारी राजा थे। वैद्यराज ने कुछ देर गंभीरता धारण कर कहा–''अच्छा, तू नित्य सायंकाल सब्जी मंडी चला जाया कर। वहाँ से मूली के पीले पत्ते बटोर कर, घर लाकर उन्हें अच्छी प्रकार पानी से धोकर, फिर कूटपीस कर उनका रस निकाल के पी लिया कर। अगर प्रभु ने चाहा तो तू शीघ्र ही भला-चंगा हो जायेगा।''
5. वैद्यराज ने नत मस्तक होकर कहा–''अगर मैं आपको यह सस्ती दवा बताता तो हो सकता था कि आप मेरी योग्यता पर ही विश्वास न करते। राजा-महाराजाओं को बहुमूल्य दवा ही लाभ पहुँचाती है। सस्ती दवाएँ तो वे सेवन ही नहीं करते। सस्ती दवाएँ तो निर्धन, असहाय लोगों के लिए ही होती हैं। अतः मैंने आपको बहुमूल्य दवा ही बताई। आप मुझे क्षमा करें।''

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. असहाय – हमें **असहाय** लोगों की सहायता करनी चाहिए।
2. उपचार– **उपचार** के दौरान सादा भोजन ही करना चाहिए।
3. मनोयोग – वैद्यराज ने **मनोयोग** में दवा बनाई।
4. व्यय – हमें आय के अनुसार ही **व्यय** करना चाहिए।
5. विचित्र – **विचित्र** जीव को देखकर गाँव वाले भयभीत हो गए।
6. बहुमूल्य – सोना एक **बहुमूल्य** धातु है।

ङ. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

1. निर्धन – **धनी**
2. विद्वान – **मूर्ख**
3. बीमार – **स्वस्थ**
4. व्यय – **आय**
5. राजा – **रंक**
6. मृत्यु – **जीवन**
7. शीघ्र – **देर**

च. निम्नलिखित शब्दों के सार्थक जोड़े बनाकर लिखिए–

1. मनो	(अ) वृत्ति
2. भली	(ब) भाँति
3. छोटी	(स) मोटी
4. राज	(द) वैद्य
5. सब्जी	(य) मंडी
6. माँगते	(र) माँगते

13. भारत का गौरवशाली अतीत

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) मध्य प्रदेश में
2. (ब) 32
3. (द) जैनियों का
4. (अ) अशोक ने

ख. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

1. भारत की सभ्यता संसार की सबसे सभ्यताओं से **प्राचीन** है।
2. मध्य प्रदेश की राजधानी **भोपाल** है।
3. बुद्ध भगवान ने **पवित्र** पीतवर्ण के पेड़ को लगाया था।
4. एलोरा के सब मंदिरों में **कैलाश** मंदिर प्रधान है।

ग. उत्तर बताइए–

1. भारतीय सभ्यता विश्व में सबसे प्राचीन है।
2. अजंता की गुफाएँ महाराष्ट्र प्रदेश में स्थिति हैं। जलगाँव स्टेशन से 48 किलोमीटर की दूरी पर अजंता नामक एक गाँव है। उस गाँव के पास 100 मीटर ऊँची चट्टान को काटकर गुफाओं का निर्माण किया गया है।
   कुल मिलाकर गुफाओं की संख्या 32 है। उनमें से 29 विहार हैं, जहाँ बौद्ध संन्यासी

परमार्थ-चिंतन किया करते थे। शेष तीन गुफाएँ उपासना के लिए थीं। उनको 'चैत्य' कहते थे।

3. एलोरा में हिंदू, बौद्ध और जैन धर्म के मंदिर बने हुए हैं।
4. मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के समीप साँची नामक एक गाँव है। भोपाल से 31 किमी0 दूर साँची रेलवे स्टेशन है। साँची का सबसे बड़ा स्तूप भी अन्य स्तूपों की तरह पानी के बुलबुले के आकार का है। पानी के बुलबुले की रह ये स्तूप जीवन की नश्वरता का स्मरण कराते हैं। गौतम बुद्ध की किसी विशिष्ट वस्तु को रक्षित रखन अथवा किसी पवित्र घटना या स्थान का स्मरण कराने के लिए बौद्ध धर्म में ये स्तूप बनाए जाते थे। चीनी यात्री फाह्यान ने लिखा है कि साँची वह स्थान है जहाँ पर बुद्ध भगवान ने पवित्र पीतवर्ण के पेड़ को लगाया था।
5. नालदा, तक्षशिला, विक्रमशिला आदि भारत के कुछ प्राचीन विश्वविद्यालय थे।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. शब्दों का सही मिलान कीजिए–

1. चीनी यात्री	फाह्यान
2. महाराष्ट्र में स्थित है	अजंता की गुफाएँ
3. प्रसिद्ध जैन मंदिर	इंद्र सभा मंदिर
4. मध्य प्रदेश में स्थिति है	साँची स्तूप

ङ. विलोम शब्द लिखिए–

1. सभ्यता – **असभ्यता**
2. अधिक – **न्यून**
3. उन्नति – **अवनति**
4. भारतीय – **विदेशी**
5. उत्कर्ष – **अपकर्ष**
6. सुंदर – **कुरूप**

14. सच्चा शिष्य

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) धन
2. (द) वह ईमानदार था
3. (ब) ईमानदार व सच्चरित्र

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. उसके **विवाह** के लिए पर्याप्त धन नहीं है।
2. आप उसे **गुरु-दक्षिणा** समझकर रख लीजिएगा।
3. सभी **शिष्यों** ने यह बात मान ली।
4. मैं स्वयं को **असमर्थ** अनुभव कर रहा हूँ।
5. तुम ही मेरी **कन्या** के लिए योग्य वर हो।

ग. उत्तर बताइए–

1. एक दिन आचार्य ने अपनी सभी शिष्यों को गुरुकुल के प्रांगण में बुलाया ओर उनसे कहा, ''प्रिय शिष्यो! मैंने तुम्हें एक विशेष प्रयोजन से बुलाया है। मेरे सामने एक गंभीर समस्या है। मेरा कन्या विवाह-योग हो गई है, किंतु उसके विवाह के लिए मेरे पास पर्याप्त धन नहीं है। मेरी समझ में नहीं आ रहा कि क्या करूँ?''

2. गुरु बोले, ''एक उपाय है, तुम लोग धन-आभूषण आदि तो ले आओ, किंतु माँगकर नहीं। तुम धन-आभूषण आदि इस तरह लाओ कि किसी को कुछ भी पता न चले। इस प्रकार हमारा कार्य भी हो जाएगा और मेरी लाज भी रह जाएगी।''
3. आचार्य एक विद्यार्थी की ईमानदारी से प्रसन्न थे।
4. शिष्यों ने गुरु को धन, आभूषण तथा मूल्यवान वस्तुएँ लाकर दीं।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. प्राचीन – **नवीन**
2. अशुभ – **शुभ**
3. पाप – **पुण्य**
4. निर्धन – **धनी**
5. सदाचार – **दुराचार**
6. स्वीकार – **अस्वीकार**
7. शिष्य – **गुरु**
8. प्रसिद्ध – **कुख्यात**

ङ. इन शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

1. गुरूकुल – **गुरुकुल**
2. परमाण – **प्रमाण**
3. शिषय – **शिष्य**
4. निरधन – **निर्धन**
5. अचार्य – **आचार्य**
6. आभुषण – **आभूषण**
7. कूकरम – **कुकर्म**
8. शूभ – **शुभ**

15. भारत कोकिला : सरोजनी नायडू

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) 13 फरवरी, 1879
2. (ब) 12 वर्ष की आयु में
3. (अ) इंग्लैंड

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. बालिका सरोजिनी ने **1300** पंक्तियों की लंबी कविता लिखी।
2. उनका विवाह **गोविंद राजलु नायडू** के साथ हुआ।
3. वे एक कुशल **वक्ता** भी थीं।
4. देश के स्वतंत्र होने पर सरोजिनी नायडू को **उत्तर प्रदेश** का राज्यपाल बनाया गया।
5. सरोजिनी नायडू की मृत्यु **2 मार्च, 1949** को हुई।

ग. उत्तर बताइए–

1. सरोजिनी नायडू का जन्म 13 फरवरी 1879 ई0 को हुआ।
2. बालिका सरोजिनी को बचपन से ही पुस्तकों से विशेष लगाव था। उन्होंने केवल 12 वर्ष की उम्र में ही हाई स्कूल की परीक्षा में उत्तीर्णता प्राप्त कर ली।

   बचपन से ही कविता पढ़ने में उनकी विशेष रुचि थी। वे गायन कला में भी निपुण थी। मात्र ग्यारह वर्ष की उम्र में ही उन्होंने अपनी पहली कविता लिखी थी, जिसकी अत्यधिक प्रशंसा हुई। प्रोत्साहित होकर सरोजिनी ने 1300 पंक्तियों की एक लंबी कविता 'द लेडी ऑफ द लेक' लिख डाली।

3. एक कम उम्र की बालिका द्वारा अंग्रेजी में कविता लिखे जाने से लोग बहुत आशचर्यचकित हुए। हैदराबाद के निजाम ने इससे प्रसन्न होकर सरोजिनी को छात्रवृत्ति देकर इंग्लैंड पढ़ने भेज दिया।
4. 1916 ई0 में उनकी भेंट नेहरू जी से हुई और सरोजिनी नायडू पूरी स्वाधीनता संग्राम आंदोलन में कूद पड़ीं। उन्होंने अन्य नारियों को भी आंदोन में भाग लेने के लिए प्रोतसाहित किया। गांधीजी उनकी योग्यता से बहुत प्रभावित हुए। धीरे-धीरे सरोजिनी की गिनती देश के बड़े नेताओं में होने लगी। उनके गीतों ने देशवासियों को झिंझोड़कर रख दिया। उन्हें 'भारत कोकिला' की उपाधि से विभूषित किया गया।
5. सरोजिनी नायडू अपनी मधुर वाणी, कविताओं और गीतों के कारण भारत कोकिला कही जाती हैं।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. निम्नलिखित का सत्रीलिंग रूप लिखिए–

1. नर – **नारी**
2. पिता – **माता**
3. पति – **पत्नी**
4. हाथी – **हथिनी**
5. कवि – **कवयित्री**
6. बालक – **बालिका**
7. बूढ़ा – **बुढ़िया**
8. विदुषी – **विद्वान**

16. स्वामी विवेकानंद

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (द) 12 जनवरी, 1863
2. (अ) भगवान श्रीकृष्ण के
3. (अ) भारत

ख. नीचे दिए गए शब्द-समूहों में से उपयुक्त शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. स्वामी विवेकानंद का जन्म **1863** में हुआ था।
2. स्वामी जी के पिता का नाम **विश्वनाथ दत्त** था।
3. स्वामी जी के गुरु का नाम **रामकृष्ण परम हंस** था।
4. विशव धार्मिक सम्मेलन **1893 ई0** में अमेरिका के शिकागो शहर में हुआ था।
5. स्वामी जी की मृत्यु **1902 ई0** में हुई।

ग. सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–

1. (✓) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✗) 5. (✓)

घ. उत्तर बताइए–

1. उनके बचपन का नाम नरेंद्र था।
2. स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 को बंगाल में हुआ था।
3. विश्व धार्मिक सम्मेलन 1893 ई0 में अमेरिका के शिकागो शहर में हुआ था।
4. एक बार एक अमेरिकी व्यक्ति ने स्वामी विवेकानंद से प्रश्न पूछा–''क्या भगवान कृष्ण पेंगबर थे''?
5. स्वामी जी ने उत्तर दिया–''इसमें संदेह नहीं कि वे एक महान् आतमा ीि। उन्होंने क्रूरता

(निर्दयता) ओर अत्याचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी ओर बुरे कर्म करने वालों का दमन किया।''

6. विवेकानंद के जीवनवृत्त से हमें देशभक्ति एवं मानव कल्याण की प्रेरणा लेनी चाहिए। हमें जाति, धर्म एवं स्वार्थपरता से ऊपर उठकर मानवता एवं मातृभूमि की सेवा करने का प्रण लेना चाहिए।

17. ईश्वर से प्रेम कीजिए

अभ्यास

क. नीचे लिखे शब्द-समूहों में से उपयुक्त शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. एक बार चार अंधे व्यक्तियों को **हाथी** देखने की इच्छा हुई।
2. तीसरे अंधे व्यक्ति को हाथ **ढोल** के समान प्रतीत हुई।
3. ईश्वर को हम **अल्लाह** के नाम से भी पुकारते हैं।
4. सूर्य और चंद्रमा को **ईश्वर** ने बनाया है।

ख. उत्तर बताइए–

1. कई बार विचारों में भिन्नता होने के कारण हम लोग एक-दूसरे के साथ बहस करते हैं।
2. पहला अंधा व्यक्ति जिसने हाथी के सूँड़ को छुआ था, कहा–''हाथी एक बड़ा और भारी ट्यूब (नलिका) की तरह है जिसमें दो छिद्र हैं।'' हाथी के पैर को छूने वाले अंधे व्यक्ति ने कहा–''नहीं, तुम दोनों गलत हो। तुम्हें हाथी के बारे में कुछ भी समझ नहीं है। हाथी एक बड़ा ढोल (मृदंग) के समान है।'' चौथा अंधा व्यक्ति जिसने हाथी के पूँछ को छुआ था, उसने कहा–''तुम सभी गलत हो। हाथी एक छोटी रस्सी के समान है।''
3. चारों अंधे व्यक्ति एक-दूसरे के विचारों से असहमत थे क्योंकि उन्होंने हाथी को संपूर्णता में नहीं छुआ था बल्कि उसके शरीर के केवल अलग-अलग हिस्सों को छुआ था।
4. हम प्रार्थना और पूजा एक-ही ईश्वर की करते हैं यद्यपि हम उसे विभिन्न नामों (यथा–ईश्वर, अल्लाह, गॉड, वाहेगुरु इत्यादि) से पुकारते हैं।
5. हम ईश्वर को उसकी रचनाओं द्वारा उसे देख और सुन सकते हैं।

ग. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द लिखिए–

1. हाथी – **गज, हस्ती**
2. शरीर – **काया, बदन**
3. ईश्वर – **प्रभु, भगवान**
4. पक्षी – **खग, विहग**

18. इतने ऊँचे उठो

अभ्यास

क. उत्तर लिखिए–

1. प्रस्तुत कविता में ऊँचा उठने से तात्पर्य है अपने विचारों और कार्यों में उच्चता लाना।
2. दुनिया को एक दृष्टि से देखने से कवि का तात्पर्य है कि सब को एक समान समझना चाहिए।
3. 'शीतल बहने' का तात्पर्य है कि अपने व्यवहार और वाणी में मधुरता व सरलता लाना।
4. हम भेदभाव, हिंसा, गरीबी मिटाकर और प्रेम व प्रकृति के संरक्षण द्वारा इस धरती को स्वर्ग बना सकते हैं।

5. आकर्षण के समान सुंदर बनने का अभिप्राय है कि अपनी मानसिक स्थिति को उतना सुंदर बना लेना जितना कि भौतिक आकर्षण होता है।
6. 'अगर कहीं हो स्वर्ग' वाक्यांश में स्वर्ग के होने की संभावना प्रकट की गई है।

भाषा ज्ञान

ख. विलोम शब्द लिखिए–

1. पोषक – **कुपोषक**
2. बंधन – **मुक्ति**
3. धर्म – **अधर्म**
4. धरती – **आकाश**
5. प्रवाह – **बाधा**
6. अतीत – **वर्तमान**
7. मृत्यु – **जीवन**
8. स्वर्ग – **नर्क**

ग. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. गगन – **नभ**
2. सिंचित – **इकट्ठा**
3. वृष्टि – **वर्षा**
4. सूरज – **सूर्य**
5. दुनिया – **संसार**
6. धरा – **वसुधा**
7. प्रवाह – **गति**
8. जग – **जगत**

घ. इन शब्दों के वाक्य बनाइए–

1. भाव-वृष्टि : भगवद्गीता की **भाव-वृष्टि** से श्रोताओं का मन भीग गया।
2. शीतल : सर्दियों में **शीतल** पेय नहीं पीने चाहिए।
3. शाखत : इस **शाखा** पर कई आम हैं।
4. गतिमय : गगा नदी सदा **गतिमय** रहती है।
5. जीर्ण-शीर्ण : महल अब **जीर्णा-शीर्ष** हो चुका है।

ङ. इन शब्दों को भाववाचक संज्ञा में बदलिए–

1. शीतल – **शीलता**
2. जीवन – **जीवटता**
3. गतिमय – **गतिमान**
4. पोषक – **पोषण**
5. शाखत – **शाश्वतता**
6. द्वेष – **द्वेषपूर्ण**

19. समानता और सौहार्द

अभ्यास

क. निम्नलिखित शब्द-समूहों में से उपयुक्त शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. हम सभी एक ही **मातृभूमि** की संतान हैं।
2. संत कबीर **गंगा** नदी में स्नान कर रहे थे।
3. संत कबीर **जुलाहे** के पुत्र थे।
4. सभी धर्मों का संदेश **एक** ही है।

ख. उत्तर बताइए–

1. ब्राह्मण कबीर जैसे छोटी जाति के व्यक्ति के मग का उपयोग नहीं करना चाहते थे।
2. कबीर एक संत और कवि थे।
3. कबीर कुछ क्षण शांत रहे, फिर मुस्कराए और बोले–''तब तो गंगा का यह जल भी अपवित्र हो गया है क्योंकि मैंने इसमें स्नान किया है। चूँकि आप लोग गंगा के अपवित्र

जल में स्नान नहीं कर सकते, इसलिए आप लोगों को दूसरी गंगा ढूँढ़नी होगी। ब्राह्मण निरुत्तर हो गए और उन्होंने बहुत शर्मिंदगी महसूस की।

4. इस संसार को विभिन्न धर्मों और जातियों में मानव ने विभाजित किया है।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

1. आकाश **– पाताल**
2. पवित्र **– अपवित्र**
3. एकता **– अनेकता**
4. बड़ा **– छोटा**
5. नीच **– उच्च**
6. समान **– असमान**

घ. निम्नलिखित धर्मों के मुख्य संदेश लिखिए–

1. **हिंदू धर्म–**''जो लोग अच्छा कर्म करते हैं ईश्वर भी उन्हें प्रेम करता है।''
2. **ईसाई धर्म–**''दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करना चाहिए, जैसा हम दूसरों से अपने लिए चाहते हैं।''
3. **जैन धर्म–**''प्रत्येक जीव में आत्मा होती है। अतः हमें सभी जीवों से प्रेम करना चाहिए। हिंसा से हमें सदा दूर रहना चाहिए।''
4. **बौद्ध धर्म–**''सभी को प्यार करना चाहिए और जब लोग दुःख में हों तो उनकी तन और मन से सहायता करनी चाहिए।''
5. **सिख धर्म–**''अपने जीवन को अच्छे कार्य करने के लिए समर्पित कर देना चाहिए।''

20. श्रम की महिमा

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) चाँदी के गिलास में
2. (ब) कोमल
3. (ब) पानी

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें–

1. गुरु के इस वचन को **प्रशंसा** मानकर शिष्य को बड़ी प्रसन्नता हुई।
2. एक शिष्य **तत्काल** चाँदी के गिलास में **निर्मल** जल ले आया।
3. गुरु गोबिंद सिंह ने बड़े गंभीर **स्वर** में कहा।

ग. किसने कहा, किससे कहा?

1. गुरुगोबिंद सिंह जी ने शिष्यों से कहा
2. एक शिष्य ने गुरु गोबिंद जी से कहा
3. शिष्य ने गुरुगोबिंद जी से कहा
4. गुरुगोबिंद जी ने शिष्य से कहा
5. गुरु गोबिंद जी ने शिष्य से कहा

घ. उत्तर बताइए–

1. शिष्य धर्म-चर्चा को मंत्र-मुग्ध होकर सुन रहे थे।
2. चर्चा समाप्त होने पर गुरु गोबिंद सिंह को प्यास लगी। उन्होंने अपने शिष्यों से कहा–''कोई पवित्र हाथों से मेरे लिए पानी ले आए।''

3. एक शिष्य दौड़ता हुआ गया और तत्काल चाँदी के गिलास में निर्मल जल ले आया।
4. गोबिंद सिंह ने देखा कि शिष्य ने कभी श्रम व सेवा नहीं की है, उनकी दृष्टि में उसके हाथ इसलिए अपवित्र थे। इस कारण उन्होंने उसके हाथ का पानी नहीं पिया।
5. इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि श्रम व सेवा करके ही मनुष्य पवित्र बनता है।

21. परिश्रम : सफलता का मंत्र

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) भाग्यशाली
2. (ब) बैल को कसाई को बेच दो
3. (ब) गधे और बैल की

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें–

1. गधे को **मूर्ख** कहा जाता है।
2. **बैल** ने गधे को धन्यवाद दिया।
3. बैल हल जोतते समय **जमीन** पर गिर पड़ा।
4. मित्र गधे उठो! तुम तो **खरोंट** भर रहे हो।
5. **किसान** मुस्कुराता हुआ चला जाता है।

ग. किसने कहा, किससे कहा?

1. बैल ने गधे से कहा
2. गधे ने बैल से कहा
3. किसान ने बैल से कहा

घ. उत्तर बताइए–

1. शिष्य धर्म-चर्चा को मंत्र-मुग्ध होकर सुन रहे थे।
2. गधे की सलाह मानकर बैल बीमार होने का नाटक करता है। इससे किसान उसे आराम करने देता है और खेत पर नहीं ले जाता।
3. किसान बैल और गधे को समझता है कि परिश्रम करने की आदत ही ठीक होती है।
4. जीवन में परिश्रम करना जरूरी है। इससे ही हम सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ङ. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्दों पर गोला (O) लगाइए–

1.	(गधा)	–	खर	कोकिल	(गर्दभ)	वनराज
2.	किसान	–	कृषि	(कृषक)	श्रमिक	(हलधर)
3.	जमीन	–	(धरती)	(भूमि)	अंबर	गज
4.	दिन	–	दिनकर	(दिवस)	(वार)	वारि
5.	खुश	–	नाखुश	अधीर	(प्रसन्न)	(हर्षित)

च. निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया शब्दों को रेखांकित कीजिए–

1. गधा घास <u>चर रहा</u> है।
2. किसान ने उनकी सारी <u>बातें सुनीं</u>।
3. खेत पर अब गधा <u>आएगा</u>।
4. तुमने अच्छा उपाय <u>सुझाया</u>।

छ. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. मूर्ख – गधे को **मूर्ख** समझा जाता है।
2. स्वामी – हमें ईश्वर को ही अपना **स्वामी** मानना चाहिए।
3. भाग्यशाली – बैल गधे को **भाग्यशाली** समझता था।
4. परिश्रम – **परिश्रम** करने से ही शरीर स्वस्थ रहता है।
5. चिंता – उसे **चिंता** नहीं करनी चाहिए।

ज. निम्नलिखित शब्दों का सही मिलान कीजिए–

मूर्ख	स्वस्थ
भीतर	शौक
स्वामी	मरण
जीवन	सयाना
बीमार	बाहर
आदत	सेवक

22. चिंटू की नादानी

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) नटखट
2. (ब) नानी
3. (अ) गमलों
4. (द) शक्तिमान

ख. किसने कहा, किससे कहा?

1. चिंटू ने माँ से कहा
2. एक बच्चे ने चिंटू से कहा
3. नानी ने चिंटू से कहा
4. नानी ने चिंटू से कहा

ग. उत्तर बताइए–

1. चिंटू नटखट बालक था।
2. गर्मी की छुट्टियों में चिंटू नानी के घर गया हुआ था।
3. ''शक्तिमान बनोगे?''–एक बच्चे ने पूछा। फिर तरीका बताया–''पहले एक हाथ की अँगली उठाओ, फिर दूसरा हाथ पीछे ले जाओ और फिर तेजी से घूम जाओ, इस तरह!''
   चिंटू ने ऐसा करना चाहा, पर खुद को संभाल न पाने की वजह से वह गमलों पर गिर पड़ा। उसके हाथ, पैर और ठोड़ी से खून बहने लगा।
4. नानी ने चिंटू को समझाया कि हमें टी0वी0 के कार्यक्रमों की नकल नहीं करनी चाहिए। इससे हमें चोट लगने का खतरा होता है।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. अपनी – **परायी**
2. खुश – **नाखुश**
3. नकल – **मौलिक**
4. बाहर – **अंदर**
5. गर्मी – **सर्दी**
6. गलत – **सही**

ङ. चित्र देखकर बताओ कि तुम कौन-सा काम कब तक करते हो–

स्वयं कीजिए।

च. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. शक्तिमान – **शक्तिमान** एक लोकप्रिय टी0वी0 कार्यक्रम था।
2. इशारा – हमें बड़ों का **इशारा** समझना चाहिए।
3. मनोरंजन – टी0वी0 **मनोरंजन** का एक साधन है।
4. आँचल – वह नानी के **आँचल** में मुँह ढककर रोने लगा।
5. चिंता – उसे **चिंता** नहीं करनी चाहिए।

23. शिष्टाचार

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) अच्छा
2. (ब) अनुशासन
3. (स) समय

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें–

1. **विनम्रता** शिष्टाचार की पहली शर्त है।
2. यदि कोई हमारे लिए कुछ काम करे तो हमें उसका **आभार** प्रकट करना चाहिए।
3. किसी व्यक्ति से उसका वेतन या **आय** पूछना अशिष्टता है।
4. पीठ पीछे किसी की **निंदा** करना भी अशिष्टता है।
5. **शिष्टाचार** और **सहनशीलता** का चोली-दामन का साथ है।

ग. उत्तर बताइए–

1. शिष्टाचार का अर्थ है–शिष्ट आचरण। शिष्ट का अर्थ है अच्छा, आचरण का अर्थ है–काम करने का ढंग या व्यवहार। अच्छे व्यवहार को शिष्टाचार कहते हैं।
2. विनम्रता शिष्टाचार की पहली शर्त है।
3. किसी का नाम लेते या लिखते समय उसके पहले 'श्रीमान' 'श्रीमती' या 'कुमारी' लगाना चाहिए। नाम के अंत में 'जी' लगाकर भी दूसरों के प्रति सम्मान प्रकट किया जा सकता है।
4. 'अनुशासन' शिष्टाचार की तीसरी शर्त है। हमें समाज के नियमों और कानूनों का पान करना चाहिए। सड़क के बीचोंबीच चलना या पूजा-स्थल में जूते पहनकर प्रवेश करना अनुचित है। जहाँ कहीं पंक्ति लगी हो, वहाँ पंक्ति में खड़े होकर अपनी बारी की प्रतीक्षा करनी चाहिए।

   हमें समय का पाबंद होना चाहिए और हर जगह ठीक समय पर पहुँचना चाहिए। किसी को दो बजे का समय देकर वहाँ चार बजे पहुँचना या बिल्कुल ही न पहुँचना अशिष्टता है।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. इनके विपरीतार्थक शब्द लिखो–

1. शिष्ट – **अशिष्ट**
5. आदर – **अनादर**

2. सम्मान – **अपमान**
3. उचित – **अनुचित**
4. सहनशील – **असहनशील**
6. जीवन – **मृत्यु**
7. निंदा – **प्रशंसा**
8. योग्य – **अयोग्य**

ङ. वचन बदलो–

1. शर्त – **शर्तें**
2. सड़क – **सड़कें**
3. दरवाजा – **दरवाजें**
4. महिला – **महिलाएँ**
5. जूता – **जूतें**
6. आँख – **आँखें**
7. पंक्ति – **पंक्तियाँ**
8. पुस्तक – **पुस्तकें**

च. उदाहरण के अनुसार वर्ण-विच्छेद करो–

1. शिष्टाचार – **श् + इ + ष् + ट् + आ + च् + आ + र् + अ**
2. अभिवादन – **अ + भ् + इ + व् + आ + द् + अ + न् + अ**
3. धन्यवाद – **ध् + अ + न् + य् + अ + व् + आ + द् + अ**
4. सहनशीलता – **स् + अ + ह् + अ + न् + अ + श् + ई + ल् + अ + त् + आ**
5. परेशानी – **प् + अ + र् + ए + श् + आ + न् + ई**

1. भारत-वंदना

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (स) राम-कृष्ण
2. (अ) जननी

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. हम सब **बालक** हैं नादान।
2. गांधी और **जवाहर** जैसे इसके पूत महान।
3. लहराकर **झरने-नदियाँ** करते इसका गुणगान।
4. रक्षा में हे जननी तेरे **अर्पित** तन-मन-प्राण।

ग. उत्तर बताइए–

1. सभी बालक भारत-माता का गुणगान कर रहे हैं।
2. भारत-माता के मस्तक पर रजत मुकुट सुशोभित है।
3. नदियाँ और झरने भारत माता का गुणगान करते हैं।
4. कविता में गांधी, नेहरू, लाल, बाल और पाल जैसे महान सपूतों के नाम दिए गए हैं।
5. कविता में लाला लाजपतराय, बाल गंगाधर तिलक और विपिनचंद्र पाल (लाल, बाल, पाल) के बलिदान की चर्चा की गई है।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. बहुवचन बनाइए–

1. सागर – **सागरों**
2. बालक – **बालकों**
3. नदी – **नदियाँ**
4. वीर – **वीरों**
5. मुकुट – **मुकुटों**
6. नादान – **नादानों**
7. पूत – **पूतों**
8. प्राण – **प्राणों**

ङ. विलोम शब्द लिखिए–

1. बालक – **बालिका**
2. दुष्ट – **सज्जन**
3. पद – **हस्त**
4. मंद – **तीव्र**
5. माता – **पिता**
6. धरती – **आकाश**
7. नया – **पुराना**
8. पूत – **पुत्री**

2. शरणागत की रक्षा

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (द) प्रजापालक

ख. उत्तर बताइए–

1. महाराज शिवि बहुत धर्मात्मा, दयालु और प्रजापालक शासक थे।
2. देवराज इंद्रदेव और अग्निदेव राजा शिवि की परीक्षा लेने आए थे।

3. राजा ने कबूतर के बदले अपने आपको दान करके बाज से कबूतर की रक्षा की।
4. बाज ने राजा के सामने शर्त रखी कि कबूतर के भार के बराबर मांस देने पर वह कबूतर को छोड़ देगा।

भाषा ज्ञान

ग. इन शब्दों को एकवचन/बहुवचन में बदलिए–

1. देश – **देश**
2. राजाओं – **राजा**
3. कबूतरों – **कबूतर**
4. हाथों – **हाथ**
5. राज्य – **राज्यों**
6. पुरुष – **पुरुषों**
7. बाज – **बाजों**
8. प्राणी – **प्राणियों**

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. देव – **दानव**
2. न्याय – **अन्याय**
3. राजा – **रंक**
4. दयालु – **निर्दयी**
5. शांत – **अशांत**
6. रक्षा – **आक्रमण**
7. देवी – **राक्षसी**
8. प्रकाश – **अंधकार**

ङ. इन शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

1. भुमि – **भूमि**
2. कबुतर – **कबूतर**
3. धरमत्मा – **धर्मात्मा**
4. कीरति – **कीर्ति**
5. प्रानी – **प्राणी**
6. दिजीए – **दीजिए**
7. साशक – **शासक**
8. अगनि – **अग्नि**

च. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

	शब्द		**अर्थ**	**वाक्य**
1.	प्रजापालक	–	**प्रजा का पालन करने वाला**	अशोक **प्रजापालक** राजा था।
2.	ख्याति	–	**प्रसिद्धि**	उसकी **ख्याति** दूर-दूर तक फैली है।
3.	सम्राट	–	**राजा**	अकबर एक मुगल **सम्राट** था।
4.	महाराज	–	**राजाओं का राजा**	सिकंदर विश्व का **महाराज** बनना चाहता था।

3. झाँसी की रानी की समाधि पर

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स) लक्ष्मीबाई

ख. उत्तर बताइए–

1. झाँसी की रानी प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अपनी वीरता और बलिदान के लिए प्रसिद्ध हैं।
2. झाँसी की रानी की अंतिम लीला सथली उनकी समाधि थी।
3. कवयित्री ने ओजपूर्ण तरीके से लक्ष्मीबाई के संघर्ष का वर्णन किया है।
4. रानी की समाधि आज भी लोगों की प्रेरणा देती है, वहीं अन्य समाधियों पर कीट-पतंगे ही मँडारते रहते हैं।

भाषा ज्ञान

ग. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए–

	शब्द		अर्थ	वाक्य
1.	स्वतंत्रता	–	**आजादी**	लक्ष्मीबाई **स्वतंत्रता** की चिंगारी थीं।
2.	अंतिम	–	**आखिरी**	यह समाधि उनकी **अंतिम** लीला स्थली है।
3.	स्मृति	–	**याद**	मुझे आज भी तुम्हारी **स्मृति** है।
4.	निहित	–	**अर्थ**	इसका **निहित** तुम नहीं जानते।
5.	अमर	–	**जो कभी न मरे**	लक्ष्मीबाई की गाथ **अमर** है।

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. स्वतंत्रता – **परतंत्रता**
2. रानी – **नौकरानी**
3. मान – **अपमान**
4. आशा – **निराशा**
5. अंत – **आरंभ**
6. बाल – **बालिका**
7. वीर – **कायर**
8. अधिक – **न्यून**

ङ. इन शब्दों को बहुवचन में बदलिए–

1. समाधि – **समाधियाँ**
2. रानी – **रानियाँ**
3. वीर – **वीरों**
4. आशा – **आशाएँ**
5. आरती – **आरतियाँ**
6. फूल – **फूलों**
7. ज्वाला – **ज्वालाएँ**
8. जन्तु – **जंतुओं**

4. तीर्थनदी ब्रह्मपुत्र

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) मानसरोवर
2. (अ) 2900 किमी0

ख. निम्नलिखित कथनों का आशय स्पष्ट कीजिए–

1. ब्रह्म प्राचीन और अर्वाचीन (नवीन) को जोड़ने वाला सेतु है। क्योंकि एक ओर इसके तटों पर प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं को निभाया जाता है, वहीं दूसरी ओर इसकी मदद से नवीन उद्योग धंधों का विकास भी हुआ है।
2. ब्रह्मपुत्र स्वयं दुर्बंध्य है परंतु इसके जल द्वारा सिंचित धान और चाय के खेत लोगों को आपस में जोड़ते हैं। इसके किनारे लगने वाले तीर्थस्थल भी लोगों को आपस में जोड़ते हैं।
3. ब्रह्मपुत्र उत्तर-पूर्व के लोगों के लिए नौकायन, कृषि, और उद्योग-धंधों का आधार है। वहीं यह उनके लिए देवता के समान पूजनीय है। इसलिए ब्रह्मपुत्र अपनी प्रजा का सखा, स्रष्टा और देवता है।

ग. उत्तर बताइए–

1. ब्रह्मपुत्र नदी मानसरोवर के पास निकलकर, तिब्बत के पठार को सींचते हुए, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश में प्रविष्ट होता है। इसका प्रवाह अरुणाचल प्रदेश को पार करके सदिया के पास असम की सीमा में आ जाता है और क्रमशः बढ़ता हुआ धुबरी

नगर को पार करके बंग्लादेश में प्रवेश कर जाता है। बंग्लादेश में इसके साथ पद्मा नदी मिलती है जो गंगा की ही एक शाखा है। फिर आगे चलकर यह गंगासागर में विलीन हो जाता है। उद्गम से सागर तक ब्रह्मपुत्र का प्रवाह 2900 किलोमीटर लंबा है।

2. ब्रह्मपुत्र की विकास-यात्रा की तरह ही इसके नामों की विकास-यात्रा भी काफी मनोरंजक तथा ज्ञानवर्धक है। तिब्बत में इसकी विशालता को देखकर ही इसे 'सांग पो' अर्थात् विशाल नदी कहा गया। भारत में प्रवेश करते ही इसका नाम 'दिहांग' हो जाता है। दिहांग का अर्थ है–बड़ी नदी।

   वस्तुतः इस क्षेत्र में नदियों की औसत सिंचाई काफी कम पाई जाती है। ऐसी स्थिति में किसी बड़ी नदी का उपर्युक्त नाम रखा जाना स्वाभाविक है। मिश्मी लोग ब्रह्मपुत्र को 'लुइत' कहते हैं। मिश्मी बोली में लुइत का अर्थ है–'तारों की राजकुमारी।' ब्रह्मपुत्र का एक नाम लौहित्य भी है। संस्कृत के शब्द लौहित्य का अर्थ है लाल। पहाडों की मिट्टी के लाल कणों को इसकी धारा बहाती आई है। कदाचित् इसीलिए इसका नाम लौहित्य पड़ा।

3. ब्रह्मपुत्र के कारण ही गुवाहाटी नगर असम का केंद्र बना और इसने प्रगति की, इसलिए गुवाहाटी नगर ब्रह्मपुत्र का कृता है।

4. जोरहाट के निकट 'माजुली द्वीप' है। एक समय यह 90 किमी0 लंबे तथा 20 किमी0 चौड़े भू-भाग में फैला थ। आज इसका एक बड़ा भाग ब्रह्मपुत्र के गोद में चला गया। जैसे गजद्गुरु आदि शकराचार्य द्वारा हमारे देश की चारों दिशाओं में चार मठों की स्थापना की गई थी, वैसे ही श्रीमंत शंकरदेव के महान कार्यों को गतिशील रखने के लिए माजुली द्वीप में भी कमलाबाड़ी, औनियाटी, गडमूड़ तथा दक्षिणपाट नामक चार सत्र स्थापित किए गए। इन सत्रों को असमिया संस्कृति का केंद्र कहा जा सकता है।

   इस अचंल में सभ्यता और संस्कृति का उत्थान-पतन इसके किनारे ही हुआ।

   ब्रह्मपुत्र भारत पर अत्यंत कृपालु रहा है। तिब्बत के पठार पर जहाँ ब्रह्मपुत्र नैगम्य नहीं है, वहीं भारत में यह नौगम्य हो जाता है। तिब्बत के पठार पर ब्रह्मपुत्र में चमड़े की नोका चलती है। इस नौका को 'क्वा' कहते हैं। क्वा धारा के विपरीत नहीं चल सकती। पर भारत में ब्रह्मपुत्र असमवासियों के लिए सहज और उदार हो सकता है। ब्रह्मपुत्र की धारा के बावजूद तिब्बत का पठार धान की उपज का वरदान नहीं पा सक। असमवासियों को ब्रह्मपुत्र ने धान की श्रेष्ठ फसलों का वरदान दिया है।

   असम में ब्रह्मपुत्र बाढ़ से चाहे जो भी जुल्म क्यों न करे, यह धान की फसलों का वरदान कभी वापस नहीं लेता। धान की खेती के लिए ही नहीं, चाय के सुरम्य बागानों के लिए भी असम की प्रजा उसकी आभारी है। चाय ही क्यों, तेल के भंडारों का होना भी इस क्षेत्र में संभव नहीं होता यदि ब्रह्मपुत्र न होता। भूगर्भशासत्रियों की राय में परतदार चट्टानों की संरचना में ब्रह्मपुत्र का महत्वपूर्ण योगदान है। उन परतदार चट्टानों के बीच से आज खनिज तेल निकाला जा रहा है।

   ब्रह्मपुत्र की विशाल धारा के अंदर यदि अगणित जल-जीव निवास करते हैं तो उसके वक्ष पर दिलेर नावरिए (नाविक) नावों में बैठ अपनी जीविका के लिए मछली पकड़ते हैं।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए–

1. स्मृद्धि – **समृद्धि**
2. एनक – **ऐनक**
3. नैर्सगिक – **नैसर्गिक**
4. पोराणिक – **पौराणिक**
5. उर्जा – **ऊर्जा**
6. एतिहासिक – **ऐतिहासिक**

ङ. विलोम शब्द लिखिए–

1. संहार – **संरक्षण**
2. वरदान – **शाप**
3. आगमन – **गमन**
4. कृत्रिम – **प्राकृतिक**
5. अर्वाचीन – **प्राचीन**
6. उत्थान – **पतन**

च. निम्नलिखित शब्द-समूहों का वाक्य में प्रयोग कीजिए–

1. औसत लंबाई – ब्रह्मपुत्र की **औसत लंबाई** 2900 किमी है।
2. सुरम्य प्रदेश – कश्मीर एक **सुरम्य प्रदेश** है।
3. विशिष्ट अवसर – **विशिष्ट अवसर** पर यहाँ मेला लगता है।
4. अमूल्य संपदा – वन हमारी **अमूल्य संपदा** है।

5. चाणक्य और चंद्रगुप्त

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) बिहार को
2. (ब) मुरा

ख. उत्तर बताइए–

1. पटना का प्राचीन नाम पाटलिपुत्र था।
2. चाणक्य तक्षशिला विश्वविद्यालय के आचार्य थे।
3. चंद्रगुप्त को राजा का अभिनय करते देखकर चाणक्य ने पता लगा लिया कि यह बालक महान गुणों वाला है।
4. पिंजरे में रखा हुआ शेर मोम का बना हुआ था।
5. चाणक्य की सहायता से चंद्रगुप्त मगध का राजा बना।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. विलोम शब्द लिखिए–

1. विद्वान – **मूर्ख**
2. तीव्र – **मंद**
3. निडर – **डरपोक**
4. प्राचीन – **नवीन**
5. श्रेष्ठ – **तुच्छ**
6. स्थिर – **अस्थिर**
7. बालक – **बालिका**
8. कष्ट – **सुख**

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

	शब्द		अर्थ	वाक्य
1.	प्राचीन	–	**पुराना**	भारत एक **प्राचीन** राष्ट्र है।
2.	पुरस्कार	–	**इनाम**	आचार्य ने छात्र को **पुरस्कार** दिया।
3.	आदेश	–	**आज्ञा**	माता जी ने पुत्र को घर आने का **आदेश** दिया।

4. अत्याचार	–	**जुल्म**	राजा ने प्रजा पर **अत्याचार** किए।
5. महान्	–	**श्रेष्ठ**	चंद्रगुप्त **महान्** राजा थे।

ङ. इन शब्दों को बहुवचन में बदलिए–

1. प्रदेश – **प्रदेशों**
2. अत्याचार – **अत्याचारों**
3. शासक – **शासकों**
4. आचार्य – **आचार्यों**
5. राजधानी – **राजधानियाँ**
6. पुरस्कार – **पुरस्कारों**
7. कष्ट – **कष्टों**
8. शिष्य – **शिष्यों**

6. शिक्षाप्रद दोहे

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) गुरु
2. (ब) परोपकारी पुरुष को

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. दुःख में **सुमिरन** सब करैं,
   सुख में करै न कोय।
2. काँकर **पाथर** जोरि के,
   मस्जिद लियो बनाय।
3. रात **गँवाई** सोय कर,
   दिवस गवाँया खाय।

ग. इन पंक्तियों की व्याख्या कीजिए–

1. कवि कहता है कि मेरे सामने गुरु और ईशवर हों तो मुझे पहले किसके चरण स्पर्श करने चाहिए? फिर वह स्वयं उत्तर देते हैं कि गुरु द्वारा ही हमें ईश्वर का ज्ञान होता है, अतः गुरु ईश्वर से श्रेष्ठ है, हमें गुरु को पहले नमन करना चाहिए।
2. ऐसे व्यक्ति जो पूरी रात सोते हैं और पूरे दिन खाने और मौज-मस्ती में बिताते हैं, वे हीरे जैसे अपने अमूल्य जीवन को कौड़ी के समान व्यर्थ बना लेते हैं।

घ. उत्तर बताइए–

1. कवि गुरु और गोविंद में से गुरु को श्रेष्ठ मानते हैं।
2. व्यक्ति किसी भी प्रकार दुःख से छुटकारा पाना चाहता है, इसलिए वह दुःख में ही ईश्वर को याद करता है।
3. हम परिश्रम और अच्छे आचरण से इस जीवन को सफल बना सकते हैं।
4. धर्म मानव को अच्छे कार्य करने की प्रेरणा देता है, इसलिए कवि ने धर्म को सुंदर आचरण कहा है।
5. अपने बारे में तो हर कोई सोचता है, परंतु दूसरों पर उपकार करने वो कम ही होते हैं। इसलिए ऐसे लोग महान कहलाते हैं।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ङ. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

शब्द		अर्थ	वाक्य
1. गोविंद	–	**ईश्वर**	गोविंद का नाम लेकर कार्य कीजिए।
2. बहिरा	–	**बहरा**	यह गधा **बहिरा** है।

3. विनती – **प्रार्थना** हम आपसे वापस आने की **विनती** करते हैं।
4. आचरण – **व्यवहार** मीता का **आचरण** अच्छा है।
5. लज्जा – **शर्म** चोरी करने से पहले तुम्हें **लज्जा** नहीं आई।

च. विलोम शब्द लिखिए–

1. गुरु – **शिष्य**
2. विचार – **विचारहीन**
3. अनमोल – **मूल्यहीन**
4. दुःख – **सुख**
5. रात – **दिन**
6. सत्य – **असत्य**

छ. भावाचक संज्ञा बनाइए–

1. देव – **देवत्व**
2. सज्जन – **सज्जनता**
3. लघु – **लघुता**
4. मानव – **मनुष्यता**
5. मित्र – **मित्रता**
6. अनमोल – **अमूल्य**

ज. इन शब्दों को एकवचन और बहुवचन में बदलिए–

1. गुरुओं – **गुरु**
2. पैरों – **पैर**
3. दुःखों – **दुःख**
4. सुख – **सुखों**
5. दिवस – **दिवसों**
6. हीरा – **हीरें**

7. शहीद बकरी

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) हरे-भरे पहाड़ पर
2. (ब) बकरी की मौत
3. (स) बकवास

ख. उत्तर बताइए–

1. हरे-भरे पहाड़ पर बकरियाँ चरने जातीं, तो दूसरे-तीसरे रोज एक न एक बकरी कम हो जाती। भेड़िए की इस धूर्तता से तंग आकर चरवाहे ने वहाँ बकरियाँ चराना बंद कर दिया और बकरियों ने भी मौत से बचने के लिए बाड़े में कैद हरक जुगाली करते रहना ही श्रेष्ठ समझा। लेकिन न जाने क्यों एक युवा नई बकरी को यह बंधन पसंद नहीं आया।
2. साथियों ने उसे आँखों-आँखों में समझाने का प्रयत्न किया कि वह ऐसे मूर्खतापूर्ण विचारों को मन में न लाए। योग्य सदैव से भोगने के लिए ही उत्पन्न होते रहे हैं। भेड़िए के मुँह हमारा खून लग चुका है, वह अपनी आदत से कभी बाज नहीं आएगा।
3. ''भोग्य सदैव से भोगने के लिए ही उत्पन्न होते रहे हैं''–इस कथन का आशय है कि शक्तिशाली सदैव भोगने (सुख प्राप्त करने) के लिए ही उत्पन्न होते हैं।
4. भेड़िया बकरी को अपनी बातों में उलझाकर उस पर झपटना चाहता था।
5. बकरी के भेड़िए को जान लेवा चोट पहुँचाकर उसके आतंक का खात्मा कर दिया।
6. बकरी न अपने समाज के लिए अपनों प्राणों का बलिदान किया। अतः उसके लिए शहीद शब्द उपयुक्त है।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग अलग कीजिए–

1. विचरती – **चरती**
4. अकर्मण्यता – **कर्मण्यता**

2. सगर्व – **गर्व**

3. अनावश्यक – **आवश्यक**

5. निःशंक – **शंक**

घ. निम्नलिखित विशेषणों में ता, ई, पन प्रत्यय लगाकर भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए–

1. बीमार – **बीमारी**
2. उत्सुक – **उत्सुकता**
3. अकेला – **अकेलापन**
4. वीर – **वीरता**
5. असावधान – **असावधानी**
6. पागल – **पागलपन**

ङ. निम्नलिखित मुहावरों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. आँखों-आँखों में समझना – सुमित ने अमित को **आँखों-आँखों में सब समझा दिया**।
2. खून मुँह लगना – भेड़िए के **मुँह खून लग गया है**।
3. दबे पाँव आना – बिल्ली **दबे पाँव आती** है।
4. पाँव उखड़ना – दुश्मन के **पाँव उखड़ गए हैं**।
5. लहू में उबाल आना – पाकिस्तानी सेना को देख भारतीयों का **लहू में उबाल आ गया**।

8. मित्रता

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) मित्र
2. (ख) हेल-मेल
3. (क) मित्रता
4. (क) कुसंग
5. (ग) बहुत दिनों

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. यही **हेल-मेल** बढ़ते-बढ़ते मित्रता के रूप में परिणत हो जाता है।
2. मित्रों के चुनाव की **उपयुक्तता** पर युवा पुरुष के जीवन की सफलता निर्भर हो जाती है।
3. संगति का गुप्त प्रभाव हमारे **आचरण** पर पड़ता है।
4. हम लोग कच्ची मिट्टी की **खिलौने** के समान रहते हैं।
5. लोग एक घोड़ा लेते हैं तो उसके गौ **गुण-दोष** को परख कर लेते हैं।
6. हम लोग यह नहीं सोचते कि मैत्री का **उद्देश्य** क्या है।

ग. उत्तर बताइए–

1. जब कोई युवा पुरुष अपने घर से बाहर निकलकर बाहरी संसार में अपनी स्थिति जमाता है, तब पहली कठिनता उसे मित्र चुनने में पड़ती है।
2. मित्र का कर्तव्य इस प्रकार बताया गया है, ''उच्च और महान कार्यों में इस प्रकार सहायता देन, मन बढ़ाना अैर साहस दिलाना कि तुम अपने-अपने सामर्थ्य से बार काम कर जाओ।'' यह कर्तव्य उसी से पूरा होगा, जो दृढ़ चित्त और सत्य-संकल्प का हो। इससे हमें ऐसे ही मित्रों की खोज में रहना चाहिए जिनमें हमसे अधिक आतमबल हो। हमें उनका पल्ला उसी तरह पकड़ना चाहिए, जिस तरह सुग्रीव ने राम का पल्ला पकड़ा था। मित्र प्रतिष्ठित और शुद्ध हृदय के हों, मृदुल और पुरुषार्थी हों, शिष्ट ओर सत्यनिष्ठ हों, जिससे हम अपने को उनके भरोसे छोड़ सकें और यह विशवास कर सकें कि उनसे किसी प्रकार का धोखा न होगा।

3. हम लोग यह नहीं सोचते कि मैत्री का उद्देश्य क्या है, क्या जीवन के व्यवहार में इसका कोई मूल्य भी है। यह बात हमें नहीं सूझती कि यह ऐसा साधन है, जिससे आत्मशिक्षा का कार्य बहुत सुगम हो जाता है। एक प्राचीन विद्वान का वचन है, ''विश्वासपात्र मित्र से बड़ी भारी रक्षा रहती है। जिसे ऐसा मित्र मिल जाए उसे समझना चाहिए कि खजाना मिल गया। विश्वासपात्र मित्र जीवन की एक औषध है। हमें अपने मित्रों से यह आशा रखनी चाहिए कि वे उत्तम संकल्पों से हमें दृढ़ करेंगे, दोषों और त्रुटियों से हमें बचाएँगे, हमारे सत्य, पवित्रता औ मर्यादा के प्रेम को पुष्ट करेंगे, जब हम कुमार्ग पर पैर रखेंगे, तब वे हमें सचेत करेंगे, ब हम हतोत्साहित होंगे, तब हमें उत्साहित करेंगे। सारांश यह है कि हमें उत्तमतापूर्वक जीवन-निर्वाह करने में हर तरह से सहायता देंगे। सच्ची मित्रता में उत्तम वैद्य की-सी निपुणता और परख होती है, अच्छी-से-अच्छी माता की-सी धैर्य और कोमलता होती है। ऐसी ही मित्रता करने का प्रयत्न प्रत्येक व्यक्ति को करना चाहिए।
4. छात्रावस्था की मित्रता की धुन सवार रहती है। मित्रता हृदय से उमड़ी पड़ती है। पीछे के जो स्नह-बंधन होते हैं, उनमें ने तो उतनी उमंग रहती है, न उतनी खिन्नता। बाल-मैत्री में जो मग्न करने वाला आनंद होता है, वह और कहाँ? कैसी मधुरता और कैसी अनुरक्ति होती है, कैसा अपार विश्वास होता है! हृदय से कैसे-कैसे उद्गार निकलते हें? वर्तमान कैसा आनंदमय दिखाई पड़ता है और भविष्य के संबंध में कैसी लुभानेवाली कल्पनाएँ मन में रहती हैं। कितनी बातें लगती हैं और कितनी जल्दी मानना होता है।
5. हमारा विवेक कुठित न हो, इसके लिए हम अच्छी संगति में रहे और अच्छी बातों पर ध्यान लगाएँ।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ङ. विलोम शब्द बताइए–

1. अपरिभाषित – **परिभाषित**
2. मित्रता – **शत्रुता**
3. विरोध – **समर्थन**
4. बुरा – **अच्छा**
5. अपरिपक्व – **परिपक्व**
6. औषध – **विष**

9. बुद्धिमान बीरबल

अभ्यास

क. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. अकबर **विद्वानों** का बहुत आदर करते थे।
2. वे **सर्दी** के दिन थे।
3. सेवक ने **आज्ञा** का पालन कर दिया।
4. मैं **एकटक** उस दीपक को निहारता रहा था।
5. ऊपरी सिरे पर एक **हांडी** टंगी है।

ख. उत्तर लिखिए–

1. बीरबल विद्वान थे और सत्य के समर्थक थे।
2. ब्राह्मण ने नौकरी और मुहरों के लिए ठंडे पानी में रात गुजारी।

3. बीरबल ने उत्तर दिया–''हुजूर, अगर ब्राह्मण राजमहल के दीपक की गर्मी के सहारे सारी रात ठंडे पानी में खड़ा रह सकता है तो इस आग से मेरी खिचड़ी क्यों नहीं पक सकती?''
4. अकबर समझ गया कि ब्राह्मण ने बिना किसी सहारे के पूरी रात नदी में गुजारी है। अतः उसनेब्राह्मण को इनाम दिया।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. विलोम शब्द लिखिए–

1. आदर – **अनादर**
2. असत्य – **असत्य**
3. कठिन – **सरल**
4. ठंड – **गर्मी**
5. ऊँचा – **नीचा**
6. विद्वान – **मूर्ख**
7. उपस्थित – **अनुपस्थित**
8. मान – **अपमान**
9. प्रकाश – **अंधकार**
10. सम्मान – **अपमान**

घ. इन शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

1. बिरबल – **बीरबल**
2. जिविका – **जीविका**
3. मोहरें – **मोहरे**
4. नोकरी – **नौकरी**
5. खिचडी – **खिचड़ी**
6. न्यायप्रीयता – **न्यायप्रियता**
7. दिपक – **दीपक**
8. नीहारता – **निहारता**
9. संदेस – **संदेश**
10. हेरान – **हैरान**

ङ. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए–

	शब्द		**अर्थ**	**वाक्य**
1.	आश्चर्य	–	**हैरान**	साँप को देखकर सब **आश्चर्य** करने गे।
2.	पुरस्कार	–	**इनाम**	राजा ने सेवक को **इनाम** दिया।
3.	प्रकाश	–	**रोशनी**	सूर्य के **प्रकाश** में सब जीव बाहर निकले।
4.	जहाँपनाह	–	**महाराज**	**जहाँपनाह** ने युद्ध की घोषणा की।
5.	एकटक	–	**ध्यानपूर्वक**	अर्जुन **एकटक** चिड़िया को देखता रहा।

10. प्रियतम

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स) किसान की
2. (द) रामजी का
3. (ब) बैकुंठ

ख. उत्तर बताइए–

1. नारद जी जानना चाहते थे कि किसान कैसे विष्णु जी का परम भक्त है?
2. विष्णुजी ने नारदजी को एक तेल-पात्र देकर विशव-भ्रमण करने का काम सौंपा था।
3. विष्णु जी के आज्ञानुसार पात्र से एक बूँद भी ते नहीं गिरा थ। इसलिए नारदजी उल्लास से भकर लौअ रहे थे।

4. नारदजी ने कहा कि तेल के ऊपर ध्यान देने के कारण उन्हें और कुछ स्मरण नहीं रहा, इसलिए वे भगवान का नाम नहीं ले पाए। हाँ हम उनसे सहमत हैं।
5. किसान ने अपना कर्तव्य करते हुए भी ईश्वर का नाम नहीं छोड़ा, इसलिए उनकी भक्ति को नारद जी की भक्ति से भी श्रेष्ठ बताया गया है।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. विलोम शब्द लिखिए–

1. सज्जन – **दुर्जन**
2. प्रातः – **सायं**
3. दिन – **रात**
4. हँसना – **रोना**
5. मधुर – **कटु**
6. गिरना – **उठना**

घ. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. किसान – **कृषक**
2. आवश्यक – **जरूरी**
3. इष्ट – **ईश्वर**
4. केवल – **सिर्फ**
5. बैकुंठ – **विष्णु लोक**

11. अपनी कमाई

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (स) माइके
2. (द) पेटी
3. (स) कुएँ

ख. उत्तर बताइए–

1. पहले दिन लड़का सोने की मोहरे अपनी माँ से माँग के लाया।
2. पिता ने अपनी पत्नी को माइके भेज दिया जिससे वह बेटे की सहायता न कर सके।
3. पिता ने पुत्र को एक रुपए का सिक्का कुएँ में फेंकने के लिए कहा क्योंकि वह जानना चाहता था कि यह उसके स्वयं कमाए हैं या नहीं।
4. लड़के ने पचास पैसे का सिक्का कुएँ में नहीं फेंका क्योंकि उसने वह मेहनत से कमाया था।

ग. निम्नांकित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करें–

			अर्थ	वाक्य
1.	अभ्यास	–	**कसरत**	निरंतर **अभ्यास** से ही हम सफल होते हैं।
2.	उदास	–	**दुःखी**	गरीब किसान **उदास** बैठा था।
3.	आज्ञा	–	**आदेश**	**आज्ञा** पाकर शिष्य चला गया।
4.	अनुभवी	–	**तजुर्बे**	**वाला** मेरे दादा जी बहुत **अनुभवी** हैं।
5.	तत्परता	–	**शीघ्रता**	वह **तत्परता** से लौट गया।
6.	क्रोध	–	**गुस्सा**	बिल्ली को देखकर पंडित जी **क्रोध** से भर गए।
7.	विवश	–	**लाचार**	वह किसान विवश होकर गाँव से चला गया।

12. जैसी करनी वैसी भरनी

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स) दुकान
2. (स) साँप
3. (ब) वैद्य

ख. रिक्त स्थान की पूर्ति करें–

1. किसी **गाँव** में एक वैद्य रहता था।
2. वैद्य ने वृक्ष के **कोटर** में एक साँप देखा।
3. इससे मुझे अच्छा **धन** मिल जाएगा।
4. एक **बालक** उसकी चाल में फँस गया।

ग. सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–

1. (✗) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✓)

घ. उत्तर बताइए–

1. वैद्य दुष्ट और स्वार्थी व्यक्ति था।
2. वैद्य दुकान चलती ही नहीं थी। उसके घर की स्थिति बहुत खराब थी। खाने तक के लाले पड़े रहते थे। यही कारण है कि वह रोगियों की तलाश में दर-दर मारा फिरता था।
3. एक दिन की बात है। वैद्य गाँव में इधर-उधर चक्कर काट रहा था। उसे कोई रोगी नही मिला। वह उदास होकर गाँव से बाहर निकल गया। वहाँ उसने एक वृक्ष के कोटर में एक साँप को साते देखा। वैद्य के दिमाग में एक बात सूझी।
   उस पेड़ से कुछ दूरी पर गाँव के कुछ लड़के खेल रहे थे। वैद्य ने मन ही मन सोचा–यदि इनमें से किसी लड़के को साँप से डसवा दूँ तो मुझे उस लड़के के इलाज का अवसर मिल जाएगा। इससे मुझे अच्छा धन प्राप्त हो जाएगा।
4. बालक के बजाए साँप ने वैद्य पर हमला कर दिया। इससे वैद्य की मृत्यु हो गई।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ङ. विलोम शब्द लिखिए–

1. दूर – **निकट**
2. बाहर – **भीतर**
3. उदास – **प्रसन्न**
4. दुष्ट – **सज्जन**
5. अच्छा – **बुरा**
6. मृत्यु – **जीवन**

13. हम होंगे कामयाब एक दिन

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (द) गिरिजा कुमार माथुर

ख. उत्तर बताइए–

1. इस कविता में कवि सबकी कामयाबी की बात करता है।
2. मन में पूरा विश्वास है कि हम एक दिन जरूर कामयाब होंगे।
3. इस कविता का भाव है कि हम यदि मन में ठन लें तो एक दिन अवश्य कामयाब होते हैं।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. विलोम शब्द लिखिए–

1. आँख – **कान**
2. विश्वास – **अविश्वास**
3. पूरा – **अधूरा**
4. एक – **अनेक**
5. नहीं – **हाँ**
6. डर – **निडर**
7. कामयाब – **नाकामयाब**
8. दिन – **रात**

14. अनोखी दावत

अभ्यास

क. रिक्त स्थान की पूर्ति करें–

1. संजय ने भेद-भरी **निगाहों** से दादा के चेहरे कीनाप-जोख की।
2. अरे, इस तरह स्वयं याद कराना तो **अशिष्टता** होगी।
3. सभी उन्हें स्नेह और आदर से **शरत दा** कहते थे।

ख. किसने और किससे कहा?

1. दादा ने संजय से कहा
2. संजय ने दादा से कहा
3. दादा ने संजय से कहा

ग. उत्तर बताइए–

1. दादा ने संजय को निमंत्रण दिया था।
2. दादा संजय को अपने साथ कंपनी बाग में होने वाली एक पिकनि के लिए ले गए।
3. दादा कंपनी बाग में होने वाली पिकनिक का दिन भूल गए थे और संजय को भोजन पर आमंत्रण देकर भी भूल गए थे।
4. दादा का पूरा नाम शरतचंद्र चट्‌टोपाध्याय था।

भाषा ज्ञान

घ. नीचे कुछ संज्ञा और विशेषण शब्द मिले-जुले हैं, उन्हें अलग-अलग लिखिए–

विशेषण	संज्ञा	विशेषण	संज्ञा
किस्म	मनमौजी	दर्जा	अव्वल
दिन	एक	काम	खास
मूड	अच्छा	भूल	दूसरी
गलती	भारी	दावत	बढ़िया

ङ. निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखकर वाक्य-प्रयोग करें–

			अर्थ	वाक्य
1.	संयोग	–	**अच्छा**	**अवसर** आज **संयोग** से वह जल्दी आया था।
2.	आग्रह	–	**निवेदन**	नेता जी ने छात्रों से शांत रहन का आग्रह किया।
3.	प्रस्ताव	–	**मौका**	यह **प्रस्ताव** देकर आपने मुझ पर उपकार किया।
4.	अमर	–	**जो कभी न मरे**	दानव **अमर** होने की चाह रखते थे।
5.	प्रतिशोध	–	**बदला**	चीन ने भारत से **प्रतिशोष** के लिए उस पर आक्रमण किया था।

15. मीठे बोल

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स) तीन
2. (स) एक सूखा पकवान
3. (स) बड़ा भाई

ख. किसने कहा, और किससे कहा?

1. बड़े बेटा ने व्यापारी से कहा
2. व्यापारी ने तीसरे बेटे से कहा
3. पिता ने बेटों से कहा
4. तीसरे बेटे ने व्यापारी से कहा
5. पिता ने बेटों से कहा

ग. सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–

1. (✓) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✗)

घ. उत्तर बताइए–

1. तीनों बेटों का आचरण और बोलचाल भिन्न-भिन्न प्रकार का था। पिता ने उन्हें कई बार समझने का प्रयत्न किया, पर उन्होंने कभी पिता की बातों पर गौर नहीं किया।
2. यात्रा में तय सीमा से अधिक समय लगने के कारण उनकी सामग्री समाप्त हो गई।
3. व्यापारी मेले में जा रहा था।
4. व्यापारी की बैलगाड़ी में पकवान और मिठाइयाँ थीं।
5. पहले बेटे ने अशिष्टता से बा की इसलिए उसे सूखा पकवान मिला।
6. तीसरे बेटे ने प्रेम व याचना के स्वर में व्यापारी से सहायता माँगी इसलिए व्यापारी ने उसे सारा सामान देने को तैयार हो गया।
7. इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि अच्छी वाणी बोलने से ही हम लोगों पर अच्छा प्रभाव डाल सकते हैं।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ङ. विशेषण शब्द के नीचे रेखा खींचिए–

1. <u>मीठे</u> पकवान भरे थे।
2. <u>छोटा</u> भाई गया।
3. <u>सच्चा</u> मित्र आ गया।
4. <u>लंबी</u> यात्रा पर गए।

16. विक्रमादित्य का सिंहासन

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स) हाथी
2. (स) टीला
3. (स) विक्रमादित्य का

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. उस टीले पर बैठकर किसान पक्षियों को उड़ाता था ताकि **पक्षी** शाक-सब्जियों को खराब न करें।
2. राजा भोज **हाथी** पर सवार होते थे।
3. उनके पीछे खाद्य-सामग्री से भरी हुई बड़ी-बड़ी **बैलगाड़ियाँ** चलती थीं।

4. महाराज भोज के मन में ऐसे **विचार** उत्पन्न हुए।
5. उस सिंहासन पर विक्रमादित्य का **नाम** खुदा था।

ग. उत्तर बताइए–

1. राजा भोज भ्रमण और शिकार के शौकीन थे।
2. उस टीले पर आरूढ़ होते ही महाराज के मन में ऐसे विचार उत्पन्न हुए–संसार के कष्ट दूर करने चाहिए, सभी निर्धनों की दरिद्रता दूर करनी चाहिए, दुष्टों को दंड देना चाहिए, सज्जनों की सेवा करनी चाहिए और प्रजा की धर्मपूर्वक रक्षा करनी चाहिए। इस समय यदि मेरा शरीर भी कोई माँगे तो मैं देने को तत्पर हूँ।
3. मंत्री की सम्मति से राजा भोज ने वहीं पर महान् यज्ञ किया, खूब दान-पुण्य किया। ब्राह्मणों से पूजा-पाठ कराया और उन्हें पर्याप्त दक्षिणा देकर प्रसन्न किया। तब उस समय आकाशवाणी हुई–''अब आप मुझे निकाल सकते हैं।''
   आकाशवाणी सुनते ही सभी सेवकों ने और राजा भोज ने स्वयं भी उसे स्पर्श किया। धर्म-कार्यों से वह सिंहासन हल्का हो चुका था। थोड़ा-सा जोर लगाने पर ही वह बाहर निकल आया।
4. राजा भोज ने इस सिंहासन को अपने दरबार में ऊँचे स्थान पर रखवा दिया। और उस पर महाराज विक्रमादित्य का एक भव्य चित्र बनाकर स्थापित करा दिया। राजा भोज उस पर कभी नहीं बैठे। वे समझते थे कि इस सिंहासन का वही अधिकारी है जो महाराज विक्रमादित्य के समान धर्मशील, तेजस्वी, प्रतापी, प्रजाप्रिय और न्यायप्रिय हो। वह नित्य उस सिंहासन पर पुष्पमाला चढ़कर उसकी पूजा करते थे और महाराज विक्रमादित्य को श्रद्धा से स्मरण करते थे।
5. राजा भोज ने सिंहासन पर महाराज विक्रमादित्य का चित्र बनवाया।
6. राजा भोज उस पर कभी नहीं बैठे। वे समझते थे कि इस सिंहासन का वही अधिकारी है जो महाराज विक्रमादित्य के समान धर्मशील, तेजस्वी, प्रतापी, प्रजाप्रिय और न्यायप्रिय हो।

भाषा ज्ञान

घ. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करें–

1. अनर्थ – बिल्ली ने सारा दूध पीकर **अनर्थ** कर दिया।
2. परामर्थ – वैद्य के **परामर्श** से वह चाय छोड़ चुका है।
3. अंगरक्षक – राजा के **अंगरक्षक** टीले को खोदने लगे।
4. लाव-लश्कर – राजा **लाव-लश्कर** लेकर खेत में आ गए।
5. श्रद्धा – सबने **श्रद्धा** से सुमन अर्पित किए।

17. वैराग्य

अभ्यास

क. उत्तर बताइए–

1. मुंशी शालिग्राम बनारस के पुराने रईस थे। उनका व्यवसाय वकालत थी।

2. मुंशी शालिग्राम प्रयाग कुंभ की यात्रा पर गए। संभवतः संन्यास लेने के कारण वे वापस नहीं लौटे।
3. सुवामा मुंशी शालिग्राम की पत्नी थी। अपने पति की अनुपस्थिति में उसे ऋणदाताओं का ऋण चकाने के लिए बहुत सी कठिनाइयाँ झेलनी पड़ी।
4. इलाका नीलामी पर चढ़ा। पचास सहस्र रुपए प्राप्त हुए। कुल ऋण चका दिया गया। घर का अनावश्यक सामान बेच दिया गया। मकान में भी सुवामा ने भीतर से उुँची-ऊँची दीवारें खिंचवाकर दो अलग-अलग खंड कर दिए। एक में स्वयं रहने लगी और दूसरा भाड़े पर उठा दिया।

ग. विलोम शब्द लिखिए–

1. प्रेम – **घृणा**
2. अल्प – **अधिक**
3. दुर्भाग्य – **सौभाग्य**
4. सुंदर – **कुरूप**
5. अपरिचित – **परिचित**
6. कठिन – **सरल**

घ. निम्नलिखित शब्दों के एक-एक पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. आकाश – **नभ**
2. ईश्वर – **भगवान**
3. रईस – **धनी**
4. मुग्ध – **मोहित**
5. बंदोबस्त – **प्रबंध**
6. सूर्य – **सूरज**

18. जग जीवन में जो चिर महान्

अभ्यास

क. उत्तर लिखिए–

1. कवि ने प्रभु से ईशवर भक्ति, ज्ञान का प्रकाश, हृदय में प्रेम और मानव कल्याण की शक्ति माँगी है।
2. वह मानव के हित हेतु चिर महान को पाना चाहता है।
3. कवि उस प्रकाश को पाना चाहता है, जिससे जीवन में शक्ति मिले तथा भय, संशय और अंध भक्ति छूट जाए।
4. आपसी भेदभाव और अज्ञान के कारण मनुष्य के हृदय के स्वर्ग का द्वार चिरकाल से बंद है।

ख. विलोम शब्द लिखिए–

1. जीवन – **मरण**
2. प्रकाश – **अंधकार**
3. सत्य – **असत्य**
4. हित – **अहित**

ग. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. जग – **संसार, जगत**
2. मानव – **मनुज, मनुष्य**
3. उर – **हृदय, दिल**
4. चिर – **सदा, सदैव**
5. हर – **प्रत्येक, सब**
6. विहान – **सवेरा, सुबह**

19. सौ सुनार की एक लुहार की

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) बोर्डिंग का दल
2. (स) सात बजे तक
3. (ब) काली पालिश
4. (अ) सिविल सर्जन के बंगले पर

ख. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. खाने के पहले वह हाथ-पाँव धोने नदी के किनारे गया था। लौटकर देखता है कि उसकी पत्तल से चूरमे के लड्डू गायब हैं और दही-बड़ों के नाम पर सकोरे में थोड़ा मट्ठा बच रहा है। उसने एक लंबी साँस ली और खाने बेठ गया। खाने के बाद लोगों ने उसकी कमीज से, जो उसने उतारकर टाँग दी थी, हाथ पोंछे। वह लेटा ही था कि उसकी नाक पर सूँघनी भुरकी जाने लगी। अपनी नाराजगी प्रकट करने के लिए वह उनकी ओर पीठ फेककर बैठा तो उसकी पीठ पर तबला बजाया जाने लगा। वह सबसे अलग एक पत्थर पर जा बैठा। उसका मन खट्टा हो गया था।
2. बोर्डिंग में उसका पहला दिन भी खैरियत से न बीता था। उसने अपने बादामी जूतों पर काली पालिश की हुई पाई थी।
   फिर तो वह राज ही ऐसी हरकतों का शिकार बनता। बाहर से साँकल चढ़ाकर वह घंटों अपने कमरे में कैद कर दिया जाता। बोर्डिंग-भर में जितने केले और संतरे खर्च होते, उनके छिलके उसके दरवाजे पर फेंके जाते। एक बार उसका आधा टीन घी गायब हो गया और उसके स्थान पर उसमें चावल का माँड़ भरा मिला। एक रोज पानी पीने के लिए वह मुँह के पास लोटा ले गया कि उसमें से एक जीता-जागता मेंढक उछल पड़ा। जिसे पीछे मालूम हुआ मुरारी ने कहीं से पकड़कर उसमें बंद कर दिया था। लोटा उसके हाथ से छूटकर पैर के अँगूठे पर गिरा और वह अरसे तक लंगड़ाता रहा। इन सब परिस्थितियों ने उसे बदला लेने पर मजबूर किया।
3. यह कथन संकेत करता है कि राधे की सहनशक्ति अब खत्म हो गई थी।
4. राधे ने साँप द्वारा काटा जाने का बहाना किया। इससे डरकर सब लड़के उसे खाट पर उठाकर दौड़ते हुए शहर ले आए। डाूक्टर के पास पहुँचकर राधे ने किसी साँप के काटे जाने से इंकार कर दिया। इससे लड़कों को डाक्टर की डाँट पड़ी

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. इन शब्दों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

	शब्द	अर्थ	वाक्य
1.	हाथ-पाँव फूलना	**घबरा जाना**	साँप को देखकर आशीष के **हाथ-पाँव फूल गए**।
2.	काठ मार जाना	**स्तब्ध रह जाना**	समुद्र को देखकर उसे **काठ मार गया**।
3.	आँख लगना	**सो जाना**	थककर उसकी **आँख लग गई**।
4.	मन खट्टा होना	**मन दुःखी होना**	अध्यापक के तानों से मेरा **मन खट्टा हो गया**।
5.	रंग में भंग पड़ना	**कार्य में बाधा पड़ना**	बारिश होने से शादी के **रंग में भंग पड़ गया**।

घ. निम्नलिखित शब्दों में 'दुर्' उपसर्ग लगाकर लिखिए–

1. बल – **दुर्बल**
2. भाग्य – **दुर्भाग्य**
3. दशा – **दुर्दशा**
4. बुद्धि – **दुर्बुद्धि**
5. दिन – **दुर्दिन**
6. भिक्ष – **दुर्भिक्ष**

20. तीर्थ का पुण्य

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (द) अकाल
2. (द) तीर्थ यात्रा पर
3. (ब) स्वागत

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें–

1. एक गाँव में दो **समवयस्क** बूढ़े थे।
2. उन्होंने **तीर्थयात्रा** पर जाने का निशचय किया।
3. घर से **क्षीण** कराह सुनाई दी।
4. बूढ़े को कोई **समाधान** न मिला।

ग. उत्तर बताइए–

1. बुर्जुग व्यक्तियों को तीर्थयात्रा करने की इच्छा थी।
2. पहले व्यक्ति ने अपनी कुछ जायदाद–पच्चीस गायें बेच दीं, इससे राह-खर्च जुट गया। दूसरे ने अपनी जमीन को चार भागों में बाँटा। और संचित अर्थ लेकर चल दिया।
3. पहला व्यक्ति कराहने की आवाज सुनकर समझ गया कि कोई संकट में है। अकाल पीड़ितों की सहायता के लिए वह रुक गया।
4. तीर्थ में पहुँचा दूसरा व्यक्ति देव-दर्शन के लिए मंदिर में जा रहा था। अपार भीड़ में देह से देह छिल रही थी। इतने में उसने देखा–देवप्रतिमा के स्थान पर उसके मित्र की मूर्ति है। वह चकित, विस्मित देखता रहा। भला, यह यहाँ कब पहुँच गया? और पहुँचा भी तो यह क्या? तो भगवान ने इसे स्वयं अपने में लीन कर लिया?

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. अर्थ – **अनर्थ**
2. करुणा – **घृणा**
3. देव – **दानव**
4. भूख – **तृप्ति**
5. विस्मित – **अविस्मित**
6. सम्मान – **अपमान**
7. मेहनती – **कामचोर**
8. अपार – **अल्प**

ङ. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. नेत्र – **नयन**
2. प्रीतिभोज – **सहभोज**
3. दुर्भिक्ष – **अकाल**
4. संचित – **इकट्ठा**
5. विस्मित – **हैरान**
6. समाधान – **हल**
7. चकित – **अचंभित**
8. भाग्यशाली – **नसीबवाला**

21. पानी और धूप

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) सूरज
2. (स) काका
3. (अ) तलवार

ख. दिए गए पद्यांशों का भावार्थ स्पष्ट करो–

1. **भावार्थ–**यहाँ बालक अपनी बालमन की समझ के अनुसार अपनी माँ से कहता है कि माँ बिजली के आँगन अर्थात् आकाश में कितनी सारी तलवारें अर्थात् बिजली चमक रही हैं फिर भी उसके वार खाली जाते हैं। बिजली को कहीं पर भी गिरते या कोई नुसान न पहुँचाता देखकर वह समझता है कि बिजली रूपी तलवार के वार खाली जा रहे हैं। यहाँ बालमन की कल्पनाओं का सजीव चित्र हुआ है।
2. **भावार्थ–**बालक जब माँ से कहता है कि वह बिजली के घर जाकर तलवार लाएगा और काका को जेल नहीं जाने देगा, तो माँ उसे समझाकर कहती है कि वह उसे तलवार मँगाकर देगी और काका फिर जेल नहीं जाएँगे। इसलिए अब उसे बिजली के घर जाने की बात सोचनी भी नहीं चाहिए।

ग. इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–

1. बादल घिर आने से एकाएक धूप समाप्त हो जाती है।
2. बिजली रूपी तलवार के वार खाली जाते हैं।
3. बच्चा बिल्ली से तलवार लेने के लिए उसके घर जाना चाहता है।
4. बिजली जैसी चमकती तलवार मिलने पर अत्याचार समाप्त हो जाएँगे।
5. माँ बच्चे को कहती है कि वह उसे तलवार लाकर देगी परंतु उसे बिजली के घर जान की जिद छोड़नी होगी।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. इनके दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो–

1. सूरज – **भानू, रवि**
2. अम्मा – **माँ, माता**
3. बच्चा – **बालक, शिशु**
4. तलवार – **समशीर, करवाल**
5. बादल – **मेघ, धन**
6. डर – **भय, खौफ**

ङ. वर्णों को उदाहरण के अनुसार लिखो–

1. शैतानी – **श् + ऐ + त् + आ + न् + ई**
2. दरवाजा – **द् + अ + र् + अ + व् + आ + ज् + आ**
3. आसमान – **आ + स् + अ + म् + आ + न् + अ**
4. अत्याचार – **अ + त् + य् + आ + च् + आ + र् + अ**

च. विपरीत अर्थ वाले शब्द लिखो–

1. धूप – **छाँव**
2. बंद – **खुला**
3. जमीन – **आसमान**
4. खुश – **नाखुश**

22. रंग-बिरंगे पक्षी

अभ्यास

क. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें–

1. भारत भी **पक्षियों** का देश है।
2. संसार की सबसे छोटी चिड़िया **बीहमिंगबर्ड** है।
3. **शुतरमुर्ग** जमीन पर सबसे तेज दौड़ने वाला पक्षी है।
4. **नीलकंठ** एक सुंदर पक्षी है।
5. **चक्रवा-चक्रवी** रात को एक-दूसरे से पृथक् हो जाते हैं और **क्रंदन** करते हैं।

ख. इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–

1. भारत भी पक्षियों का देश है। हमारे यहाँ 1200 से भी अधिक जातियों के पक्षी पाए जाते हैं।
   भारतीय चिड़ियों में सबसे छोटी चिड़िया 'फुलचुही' है। यह कोले-नीले रंग की लंबी पतली चोंच वाली होती है। इसका आकार केवल अँगूठे के बराबर होता हे। 'खकरखोरा' भी छोटी चिड़ियों में गिनी जाती है।
   नीलकंठ एक सुंदर पक्षी है। स्वभाव से झगड़ालू होने के कारण नीलकंठ प्रायः आपस में ही लड़ते रहते हैं। इनके दिखाई देने को हिंदू शुभ शकुन मानते हैं।
   कुछ प्रवासी-पक्षी भी होते हैं, जो शीतकाल में अपने स्थान स हजारों मील दूर चले जाते हैं। साइबेरिया व हिमालय में अधिक ठंड हो जाने पर राजस्थान के घाना पक्षी-विहार में पक्षी आया करते हैं। ये झुंडों में रात-दिन उड़ते हुए अपना सफर तय करते हैं। ये पक्षी हर वर्ष सर्दियों में आते हैं और गर्मियों में पुनः अपने प्रदेशों को चले जाते हैं।
2. लगभग साठ-सत्तर लाख वर्ष पहले एक ऐसा पक्षी जीवित था, जिसका भार 150 पौंड और पंखों का फैलाव 25 फुट था। चोंच से पूँछ तक इसकी लंबाई 11 फुट और बैठने पर वह छह फुट ऊँचा रहता था। इस पक्षी के जीवावशेष आज भी लॉस एंजेल्स के म्यूजियम में देखे जा सकते हैं।
3. शुतुरमुर्ग जमीन पर सबसे तेज दौड़ने वाला पक्षी है। यह 45 मील प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकता हे। यह एक कदम में 25 फुट की दूरी तय करता है। शक्तिशाली शुतुरमुर्ग दो आदमियों को अपनी पीठ पर बैठा कर ले जा सकता है। एक शुतुरमुर्ग की ऊँचाई 8-9 फुट तक होती है। इसके एक अंडे का भार 1.36 किलोग्राम तक होता है।
4. बाज छोटी चिड़ियों को ही नहीं, अपितु तोत, कबूतर, वनमुर्गी जैसे पक्षियों का भी शिकार कर लेता है।
5. काले रंग की भुजंगा पक्षी छोटी चिड़ियों में सबसे बहादुर होता है। यह बड़ी वीरता से अपनी संतान की रक्षा करता है। शिशु-पालन के दिनों में इनका मिजाज जरा गर्म रहता हे। चील और कौवे ही नहीं, बंदर भी इसके घोंसले के आसपास नहीं फटकते।

ख. स्वयं कीजिए।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. इनके तीन-तीन नाम लिखो–

1. वर्षा – **बारिश, बरखा, पावस**
2. पक्षी – **खग, अंडज, पंछी**

3. मोर – **मयूर, केका, नीलकंठ**

4. वृक्ष – **पेड़, विटप, पादप**

5. रात – **रात्रि, निशा, रजनी**

घ. सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (अ) प्रस्थान
2. (स) विफल
3. (ब) नग

ङ. दिए गए वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाकर दोबारा लिखो–

1. मनुष्य के साथ पक्षियों का अटूट संबंध है।
2. मेंढक, चूह, छिपकली, साँप आदि अनोखे जीव हैं।
3. क्या आपने शुतुरमुर्ग को देखा है?
4. वाह! कितना सुंदर पक्षी है।
5. पिता जी बोले, ''पक्षी हमारे मित्र हैं।''

23. सेनापति का चुनाव

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) भाई
2. (ब) लकड़ी का
3. (स) पत्थर
4. (ब) शत्रुघन

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें–

1. **युद्ध** की आशंका बढ़ती जा रही है।
2. सरोवर के बीचोंबीच लकड़ी का एक **स्तंभ** खड़ा था।
3. **निर्णायक** युवक को दूसरे परीक्षा-स्थल पर ले गए।
4. मैं आपके राज्य के सीमावर्ती ग्राम **पुष्पपुर** का रहने वाला हूँ।
5. यही नहीं, महाराज ने उससे अपनी **पुत्री** का विवाह भी कर दिया।

ग. उत्तर बताइए–

1. महाराज रिपुदमन को आशंका थी कि पड़ोसी राज्य उन पर हमले की योजना बना रहे हैं।
2. उपसेनापति के कारण सेना में गुटबाजी बढ़ गई थी इससे सेनानायक रुष्ट हो गए थे।
3. शत्रुघ्न सिंह नामक युवक ने तीनों परीक्षाएँ उत्तीर्ण कर लीं। इस प्रकार महाराज रिपुदमन को सुयोग्य सेनापति मिल गया।
4. उसने महाराज से कुछ दिनों की मोहलत (छूट) माँगी। उसने एक यंत्र के निर्माण के लिए कुछ धन और कारीगर भी माँगे। महराज ने युवक को सारी सुविधाएँ उपलब्ध करवा दीं। एक सप्ताह बाद युवक ने अपना यंत्र किले की दीवार के नीचे लगा दिया। युवक की सफलता का समाचार पहले ही सारे राज्य में आग की तरफ फैल गया था। राज्य के कोने-कोने से आकर लोग परीक्षा-स्थल पर एकत्र हो गए। महाराज भी सपरिवार उपस्थित थे।

   युवक ने शिला प्रक्षेपक नाम का यंत्र बनाया था। वह कुछ-कुछ ढेंकुली की तरह का यंत्र था। युवक ने यंत्र में लगे तख्ते को झुकाकर उसके एक सिरे पर पत्थर को टिका दिया।

फिर उसे उठे हुए दूसरे सिरे पर तीन-चार बलिष्ठ युवकों के साथ चढ़कर जोर से झटका दिया। झटका लगते ही पत्थर क्षणभर में ही किले की दीवार के उस पार धड़ाम से जा गिरा।

5. सेनापति के चुनाव का समाचार सीमा पार के राज्यों में भी पहुँच गया। उन राज्यों के राजाओं ने ऐसे सुयोग्य सेनापति के बारे में सुनकर महराज रिपुदमन सिंह के राज्य पर आक्रमण का विचार त्याग दिया।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

1. सम – **विषम**
2. सहजता – **असहजता**
3. गुण – **अवगुण**
4. अपना – **पराया**
5. संतोष – **असंतोष**
6. प्रिय – **अप्रिय**
7. लंबी – **नाटी**
8. निर्माण – **विनाश**

ङ. वर्णों को उदाहरण के अनुसार लिखो–

1. चिंतामग्न – महाराज **चिंतामग्न** लग रहे थे।
2. आत्मघात – यह निर्णय **आत्मघात** होगा।
3. संतोष – उसने **संतोष** की साँस लीं।
4. तेजस्वी – वह एक **तेजस्वी** युवक है।

च. दिए गए शब्दों के वर्ण विच्छेद करो–

1. बादशाह – **ब् + आ + द् + श् + आ + द् + अ**
2. बुद्धिमान – **ब् + उ + द् + ध् + इ + म् + आ + न् + अ**
3. मौसम – **म् + ओ + स् + अ + म् + अ**
4. विश्वास – **व् + इ + श् + व् + आ + स् + अ**
5. खिचड़ी – **ख् + इ + च् + अ + ड़ + ई**

छ. दिए गए शब्दों में सही वर्ण पर अनुस्वार (ं) और चंद्रबिंदु (ँ) लगाकर शब्दों को दोबारा लिखो–

1. चाद – **चाँद**
2. नाव – **नाँव**
3. कितु – **किंतु**
4. हू – **हूँ**
5. गाव – **गाँव**
6. जग – **जंग**
7. बदर – **बंदर**
8. माग – **माँग**

ज. वि और निर उपसर्ग नए शब्द बनाइए–

जो शब्दांश मूल शब्द के प्रारंभ में जुड़कर उनके अर्थ में विशेषता अथवा परिवर्तन कर देते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं। जैसे–अ + धर्म = अधर्म, वि + योग = वियोग।

1.	वि + भाग	**विभाग**	5.	निर् + जन	**निर्जन**
2.	वि + शेष	**विशेष**	6.	निर् + बल	**निर्बल**
3.	वि + शिष्ट	**विशिष्ट**	7.	निर् + गुण	**निर्गुण**
4.	वि + जय	**विजय**	8.	निर् + धन	**निर्धन**

1. भारत माता के चरणों में

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (अ) भारत माता की
2. (ब) भारतीय

ख. कोष्ठक में दिए सही शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. तुम्हे अपना **कर्तव्य** निभाना है।
2. हमें अपना **शीश** नवाना है।
3. जो **दुनिया** सारी बनाता है।
4. जो हमें **लक्ष्य** तक पहुँचाता है।

ग. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. इस कविता में भारत माता को धन्यवाद देने की बात की गई है।
2. हमें ईश्वर की कृपा से जीवन प्राप्त हुआ है।
3. हमें शत्-शत् बार ईशवर का धन्यवाद करना चाहिए।
4. हम अपना लक्ष्य निर्धारित करके जीवन की राों को आसान बना सकते हैं।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

	शब्द		अर्थ	वाक्य
1.	कर्तव्य	–	**जिम्मेदारी**	हमें अपना **कर्तव्य** स्मरण रखना चाहिए।
2.	नवाना	–	**झुकाना**	हमें ईश्वर के सम्मुख शीश **नवाना** चाहिए।
3.	धन्यवाद	–	**शुक्रिया**	हमें अपने गुरुओं का **धन्यवाद** करना चाहिए।
4.	प्रणाम	–	**नमस्कार**	हमें सबसे **प्रणाम** करना चाहिए।
5.	लक्ष्य	–	**मंजिल**	अपना **लक्ष्य** कभी नहीं भूलना चाहिए।

ङ. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग कीजिए–

1. जो भारत में रहता हो – **भारतीय**
2. जो ईशवर में विशवास रखता हो – **आस्तिक**
3. जो संसार का निर्माण करता हो। – **विधाता**
4. राह में चलने वाला – **तीव्र**

च. इन शब्दों के वचन बदलिए–

1. जनों – **जन**
2. अपनों – **अपना**
3. चरणों – **चरण**
4. शीशों – **शीश**
5. लक्ष्य – **लक्ष्यों**
6. हम – **हम सभी**
7. राह – **राहें**
8. निशाना – **निशानें**

छ. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. भारत – **आर्यावर्त**
2. शीश – **सिर**
3. राह – **पथ**
4. दुनिया – **संसार**
5. धन्य – **सौभाग्यशाली**
6. लक्ष्य – **मंजिल**
7. फूल – **पुष्प**
8. जीवन – **जिंदगी**

2. परिश्रम का फल

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स) खजाँची
2. (अ) संतुष्ट
3. (अ) बाजार की ओर

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. राजधानी के **निकट** लकड़हारे की झोंपड़ी थी।
2. उसकी काम में पूरी **निष्ठा** थी।
3. लकड़हारे की पत्नी बड़ी **समझदार** थी।
4. लकड़हारा अपने काम से **संतुष्ट** था।
5. आप प्रजा **वत्सल** हैं।

ग. उत्तर बताइए–

1. लकड़हारे ने राजधानी के निकट झोंपड़ी बना रखी थी।
2. लकड़हारे की पत्नी बड़ी समझदार थी। वह अपने पति की सेवा करती थी। वह अपने घर के कामकाज में लगी रहती थी। लकड़हारे की पत्नी लगातार कुछ बचत करती। वह कुछ पैसे गुल्लक में डाल देती थी।
3. लकड़हारा बहुत गरीब होते हुए भी बड़ा ईमानदार था। वह कठोर परिश्रम करता था और अपने कार्य को बहुत निष्ठा और मान देता था।
4. राजा ने सब कुछ सुनकर लकड़हारे से कहा, ''अब तुम चिंता मत करो। मैं तुम्हें बीस रुपए और दे दूँगा। अपनी पत्नी के लिए साड़ी और अपने लिए भी धोती ले लेना।''
5. राजा लकड़हारे की निष्ठा से प्रसन्न हआ और बोला–''तुम ईमानदार, मेहनती और समझदार हो। चलो, मैं तुम्हें काम देता हूँ।'' राजा लकड़हारे को साथ ले गया और अपने खजाने को सबसे बड़ा अधिकारी बना दिया।

भाषा ज्ञान

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. सुशील – **घृष्ट**
2. राजा – **रंक**
3. ईमानदार – **बेईमान**
4. संतुष्ट – **असंतुष्ट**
5. तृप्ति – **अतृप्ति**
6. सुंदर – **कुरूप**
7. प्रातः – **सायं**
8. प्रसन्न – **अप्रसन्न**

घ. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. दीनदयालु – **दानव**
2. निर्वाह – **गुजर**
3. वत्सल – **ममतामयी**
4. सुंदर – **अशांत**
5. संतुष्ट – **संतोषी**
6. तृप्त – **संतुष्ट**

3. अपराजिता

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स) कार
2. (ब) इलाहाबाद
3. (अ) फैलोशिप

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. हममें से कौन ऐसा मानव है जो अपनी विपत्ति के क्षणों में **विधाता** को दोषी नहीं ठहराता।
2. धीरे-धीरे मेरा उससे **परिचय** हुआ।
3. यह डॉक्टरेट भी संयुक्त रूप से मिलनी चाहिए, डा0 चंद्रा और उनकी अद्‌भुत साहसी जननी **श्रीमती सुब्रह्मण्यम** को।
4. **1976** में चंद्रा को डॉक्टरेट मिली माइक्रो बायोलॉजी में नोबेल पुरस्कार मिला।

ग. उत्तर बताइए–

1. अभिशप्त काया से लेखिक का आशय है शापित काया। अर्थात् ऐसा शरीर जिसमें कोई कमी है।
2. कभी-कभी अचानक ही विधाता हमें ऐसे विलक्षण व्यक्तित्व से मिला देता है, जिसे देख स्वयं अपने जीवन की रिक्तता बहुत छोटी लगने लगती है।
3. डा0 चंद्रा की कार्यकुशलता के पीछे उनका कठिन अभ्यास और कई दिन की परेशानियाँ थीं। इन कठिन स्थितियों से गुजर कर ही वे अपने सामानय कार्य आसानी से कर पाने में सक्षम हुई थीं। इसलिए लेखिका ने उनकी कार्यकुशलता को सदीर्घ कठिन अभ्यास की यातनाप्रद भूमिका कहा।
4. अपनी शारीरिक अपंगता के कारण डॉ0 चंद्रा को चिकित्सक बनने से वंचित होना पड़ा। परंतु उन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में कदम रखा व अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस प्रकार उनका चिकित्सा क्षेत्र में न जाना विज्ञान-क्षेत्र का लाभ बन गया।
5. डॉ0 चंद्रा की माता बचपन से ही उनकी साथी बनकर हर समय उनके साथ खड़ी रहीं। उनके कारण ही चंदा पढ़ पाई; स्नातक हो पाईं, अपने दैनिक कार्य स्वयं करने लगीं और एक सफल वैज्ञानिक बनीं। इस अपूर्व साहस और त्याग भरे संघर्ष के लिए डॉ0 चंद्रा की माता वास्तव में 'वीर जननी पुरस्कार' की हकदार थीं।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित अंशों पर ध्यान देते हुए कारक बताइए–

1. मेरी माँ को कार चलानी पड़ती है। – **कर्म कारक**
2. 1976 में चंद्रा को डॉक्टरेट मिली माइक्रोबायोलॉजी में। – **संप्रदान कारक**
3. राष्ट्रपति को सलामी देती चंद्रा। – **कर्म कारक**
4. रात को मैं सो नहीं पाया। – **कर्म कारक**

घ. निम्नांकित शब्दों का अर्थ बताकर वाक्य में प्रयोग कीजिए–

			अर्थ	**वाक्य**
1.	तटस्थ	–	**निरपेक्ष**	भारत ईरान-सऊदी संघर्ष में **तटस्थ** है।
2.	महत्वाकांक्षा	–	**उच्च आकांक्षा**	जहाँगीर एक **महत्वाकांक्षी** राजा था।

3. अभिशप्त – **शापित** यह वन **अभिशप्त** है।
4. सुदीर्घ – **बहुत लंबा** यह संघर्ष **सुदीर्घ** होगा।
5. सहिष्णु – **सहनशील** भारत एक **सहिष्णु** देश है।
6. आभामंडित – **तेजस्वी** रानी का मुख **आभामंजित** है।
7. निष्प्राण – **निर्जीव** उसका शरीर **निष्प्राण** हो गया।

ङ. विलोम शब्द–

1. जीवन – **मरण**
2. कठोरतम – **सरलतम**
3. मानव – **दानव**
4. पिछली – **अगली**
5. दोषी – **निर्दोष**
6. निर्जीव – **सजीव**

4. कदंब का पेड़

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स) कदंब
2. (ब) यमुना
3. (अ) माखन, मिसरी

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. मैं भी उस पर बैठ **कन्हैया** बनता धीरे-धीरे।
2. कहीं बैठ फिर बड़े **मजे से** मैं बाँसुरी बजाता।
3. माँ का हृदय तुम्हारा **बहुत** विकल हो जाता।
4. जब अपने मुन्ने राजा को **गोदी** में ही पातीं।

ग. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. प्रस्तुत कविता में बालक कदंब के पेड़ पर चढ़कर कन्हैया बनने की इच्छा व्यक्त करता है।
2. बालक की माता उसकी वंशी सनकर खुश हो जाती थीं।
3. गुस्से में आकर माँ बालक को डाँटकर कहती है कि नीचे आजा।
4. पेड़ पर बालक को न पाकर माँ बेचैन हो जाती है।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. पेड़ – **वृक्ष**
2. गुस्सा – **खुशी**
3. मुन्ना – **मुन्नी**
4. बाहर – **भीतर**
5. नीची – **ऊँची**
6. राजा – **रानी**
7. फूल – **काँटा**
8. धीरे – **तेज**

ङ. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. पेड़ – **वृक्ष**
2. कन्हैया – **कृष्ण**
3. हृदय – **उर**
4. स्वर – **सुर**
5. तीर – **शर**
6. अम्मा – **माँ**
7. आँख – **नैन**
8. बंसी – **बाँसुरी**

च. इन शब्दों को भाववाचक संज्ञा में बदलिए–

1. हृदय – **सहृदय**
2. आँचल – **अँचल**
3. मिठाई – **मीठा**
4. नीचे – **नीचा**
5. विकल – **विकलता**
6. माँ – **मातृत्व**
7. ऊँचा – **ऊँचाई**
8. स्वर – **सुस्वर**

5. दानव और बच्चें

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) दोपहर

ख. सही कथन पर सही (✓✗) तथा गलत कथन का गलत (✗) का निशान लगाइए–

1. (✓) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✗) 5. (✓)

ग. इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–

1. दानव का बगीचा बहुत ही बड़ा और सुंदर था। जहाँ-तहाँ नरम-नरम घास का गलीचा बिछा हुआ था। जहाँ-तहाँ क्यारियों में रंग-बिरंगे फूल खिले थे। बगीचे में आड़ू के पेड़ थे, जिनमें गर्मियों में सफेद और गुलाबी फूल खिलते थे। कुछ ही दिनों में आड़ू के वे पेड़ फलों से लद जाते। इन पेड़ों पर बैठकर पक्षी मधुर संगीत सुनाते और कई बार अपने खेल को भूलकर बच्चे भी उनके संगीत में खो जाते।
2. दानव का बगीचा बहुत सुंदर था इसलिए बच्चे वहाँ खेलने जाते थे।
3. दानव स्वार्थी था, वह नहीं चाहता था कोई और उसके बगीचे में आए। इसलिए उसने बच्चों को वहाँ आने से रोक दिया।
4. दानव ने उन बच्चों के साथ बुरा व्यवहार किया।
5. दानव द्वारा बच्चों को बगीचे में न आने देने के कारण वहाँ बसंत नहीं आया।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. बसंत – **पतझड़**
2. दृश्य – **अदृश्य**
3. व्यवहार – **दुर्व्यवहार**
4. फूल – **काँटा**
5. दानव – **मानव**
6. रंग – **बेरंग**

ङ. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. पक्षी – **खग**
5. मधुर – **मीठा**
2. आज्ञा – **आदेश**
6. अकस्मात् – **अचानक**
3. प्रसन्न – **खुश**
7. अनुपम – **अद्‌वितीय**
4. नैसर्गिक – **स्वाभाविक**
8. स्वागत – **अभिनंदन**

6. समझदार लोमड़ी

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स) तीस वर्ष
2. (स) तीन दिन
3. (स) लकवा

ख. सही कथन पर सही (✓) तथा गलत कथन का गलत (✗) का निशान लगाइए–

1. (✓) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✗)

ग. इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–

1. उसके पिछले दोनों पैर लकवे के कारण सूख गए। वह चल नहीं सकता था।
2. शेर मरने से पहले अपनी गुफा लोमड़ी को देना चाहता था।
3. खरगोश ने निश्चय किया कि वह शेर की अंतिम इच्छा पूरी करेगा। वह शेर के पास गया। उसने घास के तिनके इकट्ठे किए। उसके शरीर को घस के तिनकों से ढक कर वह उस पहाड़ी की ओर चला। खरगोश लोमड़ी के पास पहुँचा। लोमड़ी ने खरगोश को खाने के लिए पकड़ लिया। खरगोश ने लोमड़ी को उसके लाभ की बात बताई। तब लोमड़ी ने खरगोश को छोड़ दिया और अपने बच्चों के साथ उसके साथ चल दी।
4. शेर शिकार करने में असमर्थ था। इसलिए शिकार के लिए उसे मरने का नाटक करना पड़ा।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. शेर – **शेरनी**
2. भला – **बुरा**
3. नम्रता – **कठोरता**
4. खुशी – **दुख**
5. अंतिम – **आरंभिक**
6. विशवास – **अविश्वास**
7. बाढ़ – **सूखा**
8. बलशाली – **निर्बल**

ङ. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. बलशाली – **शक्तिशाली**
2. इच्छा – **आकांक्षा**
3. खुशी – **प्रसन्नता**
4. महाराज – **सम्राट**
5. आश्चर्य – **हैरानी**
6. शरीर – **बदन**
7. विश्वास – **भरोसा**
8. अंतिम – **आखिरी**

7. अंधेर नगरी चौपट राजा

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) टके सेरे
2. (स) कोतवाल

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. इस **खाजा** की मिठाई का क्या मूल्य है?
2. यह **कहकर** गुरु चलने को तैयार हो गए।
3. वहाँ **अन्याय** का वास होता है।
4. गुरु आँखों से **ओझल** भी न हुए थे।
5. उसने **सफाई** दी कि उसका कसूर नहीं है।

ग. इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. गोवर्धनदास खाने का शौकीन था। वह इस सस्ते नगर में रहकर खूब खाना चाहता था।
2. गुरु जी समझ गए कि इस नगर में अव्यवस्था का राज है। अतः वे गोवर्धनदास को छोड़कर चले गए।
3. अंधेर नगरी का राजा महामूर्ख था।
4. फाँसी का फंदा गोवर्धनदास के गले में ठीक आ रहा था इसलिए उसे फाँसी लगाई जा रही थी।
5. गुरु कहते थे कि फाँसी पर हम चढ़ेंगे। चेला कहता था कि मैं चढ़ूँगा। हुक्म के मुताबिक फाँसी तो एक को ही होनी थी। अब सिपाही राजा के पास पहुँचे। राजा को मजा आया तो वह उन सिरफिरे साधुओं को देखने पैदल ही फाँसी स्थल पर जा पहुँचा।
   गुरु-चेले में झगड़ा चल रहा था। राजा ने पूछा, ''क्या बात है? क्या झगड़ा है? फाँसी एक को लगेगी। यही हमारा न्याय है।''
   चेले को एक ओर हटाते हुए गुरु बोले, ''बात यह है महाराज, आप से क्या छिपाना, आज इस घड़ी में जो फाँसी पर चढ़ेगा, वही अगले जन्म में इस राज्य का राजा बनेगा। सो ....''
   ''सो, तुम दोनों के मुँह में पानी भर आया, यही बात है न! सिपाहियो, हटाओं इन दोनों को। हमारा राज्य है, हम ही राजा बनेंगे। हमारे होते कोई और राजा नहीं बन सकता। हमारा हुक्म है कि इन दोनों साधुओं को यहाँ से भगा दो और हमें अभी इसी घड़ी फाँसी पर चढ़ा दो। हम ही अगले जन्म में अपने राज्य के राजा बनेंगे।'' राजा ने फाँसीघर की ओर बढ़ते हुए उतावली से सिपाहियों को हुक्म दिया।
   गुरु की चतुराई काम कर गई और इस प्रकार उस राज्य के निवासियों को मूर्ख राजा से छुटकारा प्राप्त हुआ।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए–

	शब्द		अर्थ	वाक्य
1.	फरियाद	–	**विनती**	प्रजा ने राजा के सामने **फरियाद** की।
2.	कोतवाल	–	**थानाध्यक्ष कोतवाल**	ने चोर को सबक सिखाया।
3.	विपत्ति	–	**मुसीबत**	गरीबी एक **विपत्ति** है।
4.	हड़बड़ी	–	**जल्दबाजी**	**हड़बड़ी** में काम बिगड़ जाता है।

ङ. विलोम शब्द लिखिए–

1. नगर – **ग्राम**
2. मूर्ख – **विद्वान**
3. विरोध – **समर्थन**
4. स्वस्थ – **अस्वस्थ**
5. राजा – **रंक**
6. अन्याय – **न्याय**
7. रुकना – **चलना**
8. बकरी – **बकरा**

च. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. आशचर्य – **हैरानी**
2. ठहर – **रुक**
3. विपत्ति – **परेशानी**
4. पानी – **जल**
5. स्पष्ट – **साफ**
6. रुकना – **ठहरना**

8. खिलौना

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) दीना का
2. (ब) मिट्टी का खिलौना
3. (ब) सियाराम शरण गुप्त

ख. इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–

1. इस कविता में शिशु खिलौने के लिए हठ करता है।
2. माँ बच्चे के सोने का खिलौना माँगने से व्यथित हो गई थीं।
3. माँ शिशु को यह कहकर बहकाती है कि तेरा खिलौनों तो राजा के पास भी नहीं होगा।
4. कवि ने राजकुमार व सामान्य गरीब शिशु में अंतर करने के लिए अलग-अलग संबोधनों का प्रयोग किया।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. विलोम शब्द लिखिए–

1. **व्यथित – प्रसन्न**
2. राजा **– रंक**
3. शिशु – **वृद्ध**
4. निर्मित – **नष्ट**
5. राजपुत्र – **दरिद्रपुत्र**
6. बालक – **बालिका**

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

	शब्द		अर्थ	वाक्य
1.	व्यथित	–	**परेशान**	माँ बच्चे की हठ से **व्यथित** थी।
2.	सुवर्ण	–	**सोना सुवर्ण**	का हार बहुत महँगा था।
3.	पुचकार	–	**दुलार**	उसने बिल्ली को **पुचकार** कर बुलाया।
4.	तत्काल	–	**तुरंत**	ट्रेन **तत्काल** ही स्टेशन से चल गई।

ङ. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. राजकुमार **– राजपुत्र**
2. व्यथित **– परेशान**
3. निर्मित **– रचित**
4. लाल **– सुर्ख**
5. सुवर्ण **– सोना**
6. राजपुत्र **– शहजादा**

9. सत्य का साथी सुकरात

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) एथेंस
2. (ब) संगतराशी
3. (स) सुकरात

ख. सही कथन का सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–

1. (✗) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✓)

ग. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. वह भी एक महामानव था। यूनान का रहने वाला था। लोगों को सुमार्ग पर लाने के लिए वह दिन-रात नंगे पाँव घूमा करता था। उसे सत्य से असीम प्यार था। सत्य की रक्षा के लिए उसने जहर का प्याला तक पी लिया था। उस महामानव का नाम सुकरात था।

आज से लगभग ढाई हजार साल पहले एथेंस में उसका जन्म हुआ था।

2. वह लोगों के लिए सत्य क संदेश लेकर आया था। उसकी वाणी में जादू था। वह पते की बातें कहता था। वह गलियों और बाजारों में खड़ा रहता। आते-जाते लोगों को रोक कर उनसे बातें करने लगता। उनसे छोटे-छोटे प्रश्न करता। उन प्रश्नों के उत्तर भी वह स्वयं देता। अज्ञान के अंधकार में वह ज्ञान की किरणें बिखेरा करता था।
3. कुछ लोग उससे ईर्ष्या करते थे। उन्होंने सुकरात पर आरोप लगाया कि वह यूनान के देवताओं में विशवास नहीं रखता और देश के नवयुवकों के कुमार्ग पर ले जा रहा है। उस पर अभियोग चलाया गया। अपने आपको इस अभियोग से मुक्त करने के लिए उसने एक ऐतिहासिक भाषण दिया। संसार में शायद ही कोई वक्ता ऐसी निर्भीकता से बोला होगा।

   यह एक विचित्र अभियोग था। न्यायाधीश बड़े असमंजस में थे। तो भी उन्होंने उसे मृत्युदंड सुना दिया। विधान के अनुसार कहा गया कि वह अपने लिए मृत्यु के बदले किसी और दंड का प्रस्ताव रखे। वे नहीं जानते थे कि सत्य का साथी दया की भीख नहीं माँगता। सुकरात बोला, "तुम्हें तो मेरे लिए एक भोज का आयोजन करना चाहिए। मैं सत्य की वेदी पर बलिदान होने जा रहा हूँ। क्या यह मेरी जीत नहीं है? क्या ओलंपिक खेलों के विजेता के समान सहभोज द्वारा मेरा सम्मान नहीं होना चाहिए?"
4. सुकरात तार्किक ज्ञान में विश्वास करता था। इसलिए वह यूनान के देवताओं में विश्वास नहीं करता था।
5. सुकरात को न्यायालय द्वारा मृत्युदंड दिया गया। उसे विषपान कराकर मृत्यु दे दी गई।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए–

	शब्द		अर्थ	वाक्य
1.	सुमार्ग	–	**अच्छा मार्ग**	हमेशा **सुमार्ग** पर चलना चाहिए।
2.	विषपान	–	**जहर पीना**	सुकरात ने **विषपान** कर लिया।
3.	मृत्युदंड	–	**प्राणदंड**	सुकरात को मृत्युदंड दिया गया।
4.	आरोप	–	**दोष**	उस पर चोरी का **आरोप** लगाया गया।

ङ. विलोम शब्द लिखिए–

1. सुमार्ग – **कुमार्ग**
2. जहर – **अमृत**
3. वीरता – **कायरता**
4. अज्ञान – **ज्ञान**
5. आचरण – **दुराचरण**
6. समृद्ध – **विपन्न**
7. अंधकार – **प्रकाश**
8. अन्याय – **न्याय**

च. इन शब्दों को भाववाचक संज्ञा में बदलिए–

1. मानव – **मानवता**
2. विधाान – **विधाता**
3. अज्ञान – **असमानता**
4. नैतिक – **नैतिकता**
5. समृद्ध – **समृद्धि**
6. अपूर्व – **अपूर्वता**
7. सदस्य – **सदस्यता**
8. शत्रु – **शत्रुता**

10. बस की यात्रा

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स) पाँच
2. (द) सतना

ख. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. लेखक ने देखा कि हिस्सेदार साहब बस के टायरों की हालत जानते हुए भी उसमें सफर कर रहे हैं। उन्हें लगा कि यह व्यक्ति श्रद्धा का पात्र है जो अपनी वस्तु के लिए ऐसा अतिविश्वासी है।
2. लोगों ने शाम वाली बस से सफर नहीं करने की सलाह इसलिए दी क्योंकि बस की हालत बहुत खराब थी।
3. इंजन के स्टार्ट होने पर खस्ताहाल बस जोर-जोर से काँपने लगी। पूरी बस जब हिलने लगी तो लेखक को लगा कि सारी बस ही इंजन है और हम सब इंजन के भीतर बैठे हैं।
4. लेखक को डर लग रहा था कि कहीं बस पेड़ों से न टकरा जाए, इसलिए वह पेड़ों को दुश्मन समझ रहा था।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. विलोम शब्द लिखिए–

1. शाम – **सुबह**
2. समझदार – **बेवकूफ**
3. ज्यादा – **कम**
4. मित्र – **शत्रु**
5. नई – **पुरानी**
6. विश्वसनीय – **अविश्वसनीय**

घ. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. मित्र – **सखा, दोस्त, संगी**
2. राजा – **नृप, भूपति, नरेश**
3. जवान – **युवक, तरुण, युवा**
4. आँख – **नेत्र, नयन, लोचन**

11. भक्त ध्रुव

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ब) दो
2. (द) ध्रुव
3. (ब) ब्रह्मर्षि नारद
4. (स) तारा

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. बहुत **समय** पूर्व की बात है।
2. सुरूचि का बेटा **उत्तम** उनकी गोद में खेल रहा था।
3. यदि राजा की **गोद** में बैठना है।
4. जो **उपदेश** दिया है वह बहुत अच्छा है।

ग. उत्तर बताइए–

1. राजा उत्तानपाद की दो रानियाँ थीं।
2. राजा उत्तम से अधिक स्नेह करता था व ध्रुव की उपेक्षा करता थ।
3. ध्रुव राजा उत्तानपाद का पुत्र था। वह ईशवर के दर्शन करना चाहता था।

4. बालक ध्रुव को जंगल में नारदजी मिले थे। उन्होंने ध्रुव को मंत्र दिया–"ॐ नमो भगवते वासुदेवाम्"।
5. ईश्वर की कृपा और ध्रुव के संस्कारों के कारण सुरुचि का बालक ध्रुव के प्रति व्यवहार बदल गया।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए–

	शब्द		अर्थ	वाक्य
1.	रुचिकर	–	**पसंदीदा**	उसे अपना **रुचिकर** खाना ही पसंद है।
2.	विराजमान	–	**बैठना**	राजा सिंहासन पर **विराजमान** हैं।
3.	उपेक्षा	–	**अनदेखा**	विमाता ने उसकी **उपेक्षा** कर दी है।
4.	दरिद्र	–	**गरीब दरिद्र**	भिखारियों की मदद करनी चाहिए।
5.	विनम्र	–	**सौम्य**	वह लड़की अत्यंत **विनम्र** है।

ङ. विलोम शब्द लिखिए–

1. अधिक – **कम**
2. हमेशा – **कभी-कभी**
3. आशा – **निराशा**
4. कायर – **निडर**
5. हित – **अहित**
6. अप्रिय – **प्रिय**
7. निंदा – **प्रशंसा**
8. प्रसन्न – **अप्रसन्न**

च. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. लगाव – **प्रेम**
2. बेटा – **पुत्र**
3. तप – **तपस्या**
4. संपत्ति – **जायदाद**
5. विराजमान – **बैठना**
6. कोख – **गर्भ**
7. आशा – **उम्मीद**
8. घृणा – **नफरत**

12. यक्ष और पांडव

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) अज्ञातवस दिया
2. (अ) यमराज

ख. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. युधिष्ठिर ने सबसे पहले सहदेव को पानी लाने के लिए भेजा।
2. पांडवों ने तालाब की ध्वनि की चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया थ। इसलिए वे मूर्च्छित हो गए थे।
3. अपने सभी प्रश्नों का सही उत्तर पाकर ध्वनि ने कहा–'मैं तुम्हारा पिता धर्मराज हूँ। मैं यक्ष का रूप धारण करके तुम्हारी परीक्षा लेने आया था। मैं तुमसे प्रसन्न हूँ। अतः बताओ कि तुम्हारे कौन से भई को जीवित कर दूँ?'
   'नकुल को।' युधिष्ठिर बोले।
   'क्यों?' यक्ष ने पूछा।
   युधिष्ठिर नम्रता से बोले–'मेरे पिता की दो पत्नियाँ थीं–कुंती और माद्री। मैं, अर्जुन और

भीम कुंती के पुत्र हैं। नकुल और सहदेव माद्री के पुत्र हैं। कुंती के पुत्रों में मैं जीवित हूँ। अतः आप नकुल को जीवित कर दीजिए।
यक्ष बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने यधिष्ठिर के सभी भाइयों को जीवित कर दिया।

4. युधिष्ठिर को अपने भाइयों को जीवित करने के लिए यक्ष के सभी प्रश्नों का सही उत्तर देना पड़ा।

ग. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए–

	शब्द		**अर्थ**	**वाक्य**
1.	अज्ञातवास	–	**गुप्त स्थान**	पांडव एक वर्ष **अज्ञातवास** में रहे।
2.	क्रुद्ध	–	**क्रोधित**	अर्जुन ध्वनि सुनकर **क्रोधित** हो गए।
3.	व्याकुल	–	**बेचैन**	वह प्यास से **व्याकुल** था।
4.	अचेत	–	**बेहोश**	पानी पीकर वे **अचेत** हो गए।

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. प्रायः – **कम**
2. अधिक – **कभी-कभी**
3. मृत्यु – **निराशा**
4. अनेक – **एक**
5. प्रसन्न– **अप्रसन्न**
6. शांत – **अशांत**

13. नैपोलियन बोनापार्ट

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) फ्रांसीसी
2. (ब) अंग्रेज सेनापति ने

ख. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. नेपोलियन बोनापार्ट फ्रांस का महान सम्राट था। वह फ्रांसीसी था।
2. नेपोलियन नौकरी की तलाश में सेनाध्यक्ष के पास गया था।
3. नेपोलियन ने सेनापति से क्षेत्र का निरीक्षण करने के लिए दो दिन का समय माँगा और क्षेत्र का भली भाँति निरीक्षण करने में लग गया। किले से लगभग एक मील दूर एक पहाड़ी दिखाई दी जो हमेशा झाड़ियों से ढकी हुई रहती थी। नेपोलियन ने इस पहाड़ी का निरीक्षण किया और देखा कि किले की तोपों का मुँह उस मैदान की तरफ था जहाँ फ्रांसीसी सेनाएँ डटी हुई थीं। उसने तुरंत निशचय कर लिया कि आक्रमण यहीं से करना ठीक रहेगा।
4. सेनापति ने उसके भावों का अवलोकन किया, उसे समझ में आ गया कि यह सैनिक दृढ़ निशचयी, साहसी और कर्मठ है। फिर भी उसकी परीक्षा हेतु किले की तरफ संकेत करते हुए कहा–''हम लोग बहुत दिनों से युद्ध कर रहे हैं, लेकिन हमें सफलता नहीं मिल रही है। इस विषय में तुम्हारा क्या विचार है?''
नेपोलियन ने सेनापति की ओर अपलक कुछ क्षण देखा और अचानक बोल उठा–''सेनापति जी, जीवन में कोई भी कार्य असंभव को संभव बनाया जा सकता है।''
सेनापति ने देखा कि सैनिक के स्वर में अदम्य साहस और विजय प्राप्ति की तीव्र उत्कंठा थी।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए–

	शब्द		अर्थ	वाक्य
1.	असंभव	–	**नामुमकीन**	नेपोलियन **असंभव** कार्य करना जानता था।
2.	अदम्य	–	**अजेय**	समुद्रगुप्त **अदम्य** साहसी था।
3.	घोषित	–	**घोषणा करना**	नेपोलियन ने युद्ध **घोषित** कर दिया।
4.	आक्रमण	–	**हमला**	फ्रांस ने ब्रिटेन पर **आक्रमण** कर दिया।

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. समाप्त – **शुरू**
2. शेर – **शेरनी**
3. आत्मा – **परमात्मा**
4. मृत्यु – **जन्म**
5. जवान – **वृद्ध**
6. दृश्य – **अदृश्य**
7. पृथ्वी – **आकाश**
8. खुशी – **दुख**

ङ. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. आक्रमण – **हमला**
2. अत्यंत – **बहुत**
3. हिम्मत – **साहस**
4. उन्नति – **विकास**
5. तुरंत – **एकदम**
6. समाप्त – **खत्म**
7. शिखर – **शीश**
8. महान – **अजीम**

च. इन शब्दों को भाववाचक संज्ञा में बदलिए–

1. समर्पण – **समर्पित**
2. निशचय – **निशचयी**
3. प्रधान – **प्रधानता**
4. नजर – **नजारा**
5. मैदान – **मैदानी**
6. खुश – **खुशी**
7. हिम्मत – **हिम्मती**
8. संभव – **संभावना**

14. नर हो न निराश करो मन को

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) मैथिलीशरण गुप्त
2. (ब) क्रियाशील

ख. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. कवि के अनुसार हम मनुष्य हैं; ईश्वर की महान रचना हैं, इसएि हमें निराश नहीं होना चाहिए।
2. व्यक्ति समय और अवसर का सदुपयोग करके अपना मार्ग प्रशस्त कर सकता है।
3. 'निज गौरव' से कवि का अभिप्राय है स्वाभिमान से।
4. ईश्वर ने हमें हाथ और सभी आवश्यक वस्तुएँ दान में दी हैं।
5. मनुष्य अपने भाग्य को परिश्रम के बल पर बदल सकता है। इसलिए अपनी असफलता के लिए भाग्य को नहीं कोसना चाहिए।

ग. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए–

	शब्द		**अर्थ**	**वाक्य**
1.	निराश	–	**आशाहीन**	हमें **निराश** होकर नहीं बैठना चाहिए।
2.	उपयुक्त	–	**उचित**	जो **उपयुक्त** है वही कीजिए।
3.	अखिलेश्वर	–	**संसार के स्वामी**	शिव **अखिलेश्वर** हैं।
4.	अवलंबन	–	**सहारा**	भाग्य का **अवलंबन** छोड़ दो।
5.	मरणोत्तर	–	**मरणोंपरांत**	उन्हें **मरणोत्तर** यह पुरस्कार मिला।
6.	निष्क्रिय	–	**निठल्ला**	ऐसे **निष्क्रिय** बैठने से कुछ नहीं होगा।

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. अर्थ – **अनर्थ**
2. निराश – **आशावान**
3. ज्ञान – **अज्ञान**
4. दोष – **निर्दोष**
5. उपयुक्त – **अनुपयुक्त**
6. गौरव – **गौरवहीन**
7. मान – **अपमान**
8. धन – **कौड़ी**

ङ. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. अर्थ – **मतलब**
2. निराश – **उदास**
3. अखिलेश्वर – **जगतपिता**
4. नित – **रोज**
5. व्यर्थ– **बेकार**
6. सुयोग – **सुअवसर**
7. अवलंबन – **सहारा**
8. निज– **निजि**

च. इन शब्दों को भाववाचक संज्ञा में बदलिए–

1. उपयुक्त – **उपयुक्तता**
2. प्रशस्त – **प्रशस्ति**
3. ज्ञान – **ज्ञानी**
4. निष्क्रिय – **निष्क्रियता**
5. सुयोग – **सुयोग्यता**
6. निज – **निजता**
7. निराश – **निराशा**
8. जीवन – **जीवटता**

15. सुनयना

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) नेत्रहीन लड़की
2. (अ) पाँचवीं
3. (स) संजय
4. (अ) संतोष

ख. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. आशुतोष से सुनयना के बारे में सुनकर संजय सुनयना से मिलने के लिए उत्सुक था।
2. संजय ने दिन-रात सुनयना की पढ़ाई में सहायता की ओर अपनी परीक्षाएँ छोड़कर सुनयना के लिए लेखक भ बना।
3. संजय परीक्षा में असफल हो गया था। इस कारण उसकी माँ उसे डंडे से पीट रही थी।
4. संजय सुनया का लेखक बनकर उसकी परीक्षा में सहायता करना चाहता था। इसलिए उसने अपनी परीक्षा न देने का निर्णय किया।
5. पिता ने बेटों से कहा

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए–

	शब्द		अर्थ	वाक्य
1.	करुणा	–	**दया**	सुनयना को देखकर सब **करुणा** से भर गए।
2.	प्रण	–	**निश्चय**	उसने सफलता का **प्रण** किया है।
3.	स्मृति	–	**यादें**	मुझे आज भी विद्यालय की **स्मृति** है।
4.	क्रोध	–	**गुस्सा**	अध्यापिका **क्रोध** से भर गईं।
5.	कठिनाई	–	**परेशानी**	वह दिन रात **कठिनाई** में गुजार रहा है।

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. शंका – **विश्वास**
2. नाग – **नागिन**
3. कठिन – **सरल**
4. जीवन – **मरण**
5. गीला – **सूखा**
6. विश्वास– **अविश्वास**
7. बुराई – **अच्छाई**
8. संतोष – **असंतोष**

ङ. इन शब्दों को बहुवचन में बदलिए–

1. चर्चा – **चर्चाएँ**
2. उँगली – **उँगलियाँ**
3. दरवाजा – **दरवाजे**
4. परीक्षा– **परीक्षाएँ**
5. उत्तर – **उत्तरों**
6. अध्यापिका – **अध्यापिकाएँ**
7. नेत्रहीन – **नेत्रहीनों**
8. शंका – **शंकाएँ**
9. लेखक – **लेखकों**
10. पुस्तक – पुस्तकें

16. सही निर्णय

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) जंगल में
2. (अ) कौवा

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. ऊँट अपने **घर** से भाग निकला।
2. यहाँ उसका **मालिक** नहीं आ सकता।
3. कुछ दूर चलने पर एक **तालाब** दिखाई देता था।
4. कोई जंगली **जानवर** इधर नहीं आता।
5. तुम्हारा **जीवन** कितना अच्छा है।

ग. इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–

1. ऊँट अपने मालिक के डंडों से परेशान होकर भाग गया था।
2. कौआ ऊँट को इसलिए रोकना चाहता था क्योंकि आगे एक शेर रहता था।
3. ऊँट जंगल में आलसी, मोटा और अस्वस्थ हो गया था इसलिए उसे जंगल में सुख नहीं मिला।
4. ऊँट डंडे खाकर भी संतुष्ट था। ये डंडे ही तो उसे स्वस्थ बनाएँगे।
5. कुछ काम न करने से उसकी सेहत खराब हो गई। उसका पेट मोटा हो गया। हाथ-पैर मोटे हो गए। अब उसमें चुस्ती नहीं। उससे चला भी नहीं जाता। पेट खराब रहने लगा।

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. अहिंसक – **हिंसक**
2. प्रसन्न – **अप्रसन्न**
3. मालिक – **नौकर**
4. शोरगुल – **शांति**
5. मित्र– **शत्रु**
6. स्वस्थ – **अस्वस्थ**
7. संतुष्ट – **असंतुष्ट**
8. खराब – **अच्छा**

ङ. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. मित्र – **सखा**
2. साधन – **माध्यम**
3. भयानक – **डरावना**
4. परिश्रम – **मेहनत**
5. स्वस्थ – **सेहतमंद**
6. संतुष्ट – **संतोषी**
7. तारीफ – **प्रशंसा**
8. चुस्ती – **फुर्ती**

च. इन शब्दों को भाववाचक संज्ञा में बदलिए–

1. मित्र – **मित्रता**
2. खराब – **खराबी**
3. संतुष्ट – **संतुष्टि**
4. क्रोध – **क्रोध**
5. सच्चा – **सच्चाई**
6. परिश्रम – **परिश्रमी**
7. प्रसन्न – **प्रसन्नता**
8. भयानक – **भय**

17. अद्वितीय शिष्य एकलव्य

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (द) इनमें से कोई नहीं
2. (ब) भील बालक
3. (स) मिट्टी

ख. निम्नलिखित कथन पर सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–

1. (✗) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✓)

ग. इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–

1. एकलव्य एक भील बालक था। उसने द्रोणाचार्य जी को अपना गुरु बनाकर धनुर्विद्या सीखी।
2. गुरु द्रोणाचार्य हस्तिनापुर के सभी राजकुमारों के गुरु थे और अस्त्र-शस्त्र की शिक्षा देते थे। वे अस्त्र-शस्त्र विद्या के बहुत ही निपुण और श्रेष्ठ आचार्य थे।
3. कुत्ता एकलव्य को देखकर जोर-जोर से भौंकने लगा। एकलव्य ने तीरों से उसका मुँह इस प्रकार भर दिया, जैसे सूई-धागे से सिला हुआ हो। एकलव्य के बाणों में इतनी कुशलता थी कि कुत्ते को कहीं पर चोट नहीं लगी।
4. गुरु द्रोणाचार्य ने एकलव्य की ऐसी गुरुभक्ति को देखकर उसे अपने सीने से लगा लिया।
5. गुरु द्रोणाचार्य के आश्रम में एकलव्य धनुर्विद्या सीखने गया था।

घ. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–

1. जा किसी राज्य पर राज करे। **राजा**
2. जो अपने मन की करे। **मनमौजी**

3. जो जंगल में रहता हो। — **जंगली**
4. जो आश्रम में रहता हो। — **आश्रमवासी**
5. जिसका कोई नाथ न हो। — **अनाथ**

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ङ. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

	शब्द		**अर्थ**	**वाक्य**
1.	ख्याति	–	**प्रसिद्धि**	एकलव्य की **ख्याति** अमर है।
2.	असमर्थ	–	**अयोग्य**	तुम यह कार्य करने में **असमर्थ** हो।
3.	आश्चर्यचकित	–	**हैरान**	राजेश यह बात सुनकर **आश्चर्यचकित** हुआ।
4.	प्रसन्न	–	**खुश**	हमेशा **प्रसन्न** रहना चाहिए।

च. विलोम शब्द लिखिए–

1. महाराज – **दरिद्र**
2. अपना – **पराया**
3. असमर्थ – **समर्थ**
4. राजकुमार – **राजकुमारी**
5. बालक – **बालिका**
6. विनम्र – **निष्ठुर**
7. पक्का – **कच्चा**
8. उदास – **प्रसन्न**

छ. इन शब्दों को बहुवचन में बदलिए–

1. शिष्य – **शिष्यों**
2. आश्रम – **आश्रमों**
3. भक्त – **भक्तगण**
4. जाति – **जातियाँ**
5. गुरु – **गुरुजन**
6. बाण – **बाणों**
7. रुचि – **रचियाँ**
8. विद्या – **विद्याएँ**

ज. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. श्रेष्ठ – **महान**
2. विनम्र – **सौम्य**
3. त्याग – **कुर्बानी**
4. चरण – **पैर**
5. आचार्य – **गुरु**
6. प्रणाम – **नमस्कार**
7. विशेष – **खास**
8. आसन – **कुर्सी**

18. नीतिपरक दोहे

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स) लघु

ख. इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–

1. लंबा जीवन स्वार्थ का होता है, इसलिए कविनुसार वह व्यर्थ है।
2. हमें देवताओं जैसे गुणों वाले मनुष्य को अपना मित्र बनाना चाहिए।
3. कवि के अनुसार परोपकार करके ही व्यक्ति महान बन सकता है।
4. ज्ञान और गुरु में श्रद्धा होने से ही हमें विद्यारूपी धन प्राप्त हो सकता है।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ग. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

	शब्द		अर्थ	वाक्य
1.	आचरण	–	**व्यवहार**	अच्छा **आचरण** ही हमें प्रिय बनाता है।
2.	उपदेश	–	**उत्तम आदेश**	गुरु का **उपदेश** सुनकर छात्र धन्य हो गए।
3.	व्यवहार	–	**आचरण**	कविता एक **व्यवहार** कुशल महिला है।
4.	पर्यावरण	–	**वातावरण**	**पर्यावरण** का संरक्षण करना चाहिए।
5.	विशुद्ध	–	**शुद्ध रूप**	से यह **विशुद्ध** पहाड़ी भाषा है।

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. लघु – **दीर्घ**
2. सुख – **दुख**
3. मानव – **दानव**
4. मान – **अपमान**
5. भला– **बुरा**
6. सत्य – **असत्य**
7. दुर्जन – **सज्जन**
8. सहाय – **असहाय**

ङ. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. आचरण – **व्यवहार**
2. मानव – **मनुज**
3. नित – **रोज**
4. मान – **सम्मान**
5. सत्य – **सच**
6. सज्जन – **सत्पुरुष**
7. व्यवहार – **आचरण**
8. ईश्वर – **भगवान**

च. इन शब्दों को भाववाचक संज्ञा में बदलिए–

1. ज्ञान – **ज्ञानत्व**
2. मित्र – **मित्रता**
3. मानव – **मानवता**
4. दानव – **दानवता**
5. लघु – **लघुता**
6. सज्जन – **सज्जनता**
7. देव – **देवत्व**
8. महान – **महानता**

19. शहीद रामप्रसाद बिस्मिल

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) 1897 ई0
2. (ब) स्वामी दयानंद सरस्वती
3. (स) 19227
4. (स) क्रांतिकारी जीवन
5. (स) 14 वर्ष

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. एक **क्रांतिकारी** मस्त होकर गा रहा था।
2. शहीद होने वाला यह **महान** देशभक्त था।
3. एक ऐसी गुप्त **समिति** भी हो।
4. कोई भी **प्रकाशक** हिम्मत नहीं जुटा सका।
5. अन्याय के विरोध में भी उन्होंने **आवाज** उठाई थी।

ग. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. उन दिनों समाचार-पत्रों में लाहौर-षड्यंत्र के अभियुक्तों के संबंध में दिया गया निर्णय प्रकाशित हुआ। इस निर्णय के अनुसार भाई परमानंद जैसे महान् पुरुष को फाँसी दी जानी थी। यह पढकर बिस्मिल के हृदय में विद्रोह की चिंगारियाँ भड़क उठीं और उन्होंने ब्रिटिश सरकार से बदला लेने का संकल्प किया। यहीं से वे क्रांति की राह पर आगे बढ़ चले।
2. काकोरी कांड के लिए बिस्मिल जी को मृत्युदंड दिया गया।
3. समिति के लिए धन एकत्रित करने के विचार से बिस्मिल ने एक पस्तक 'अमेरिका को स्वतंत्रता कैसे मिली' भी लिखी। बाद में उन्होंने तीन पुस्तकें और लिखीं–'कैथेराइन', 'स्वदेशी रंग' और 'क्रांतिकारी जीवन।'
4. उन दिनों 'असहयोग आंदोलन' के शिथिल होने के कारण अनेक युवक क्रांतिकारी समिति के कामों में लग गए। पुलिस की अत्यधिक सख्ती के कारण उन्हें कहीं से भी आर्थिक सहायता नहीं मिल पा रही थी। इस समस्या को सुलझाने के लिए योजना बनी कि सरकारी खजाने को लूटा जाए। योजना के अनुसार किसी छोटे स्टेशन पर रेलगाड़ी को रोक कर सरकारी धन लूटने का निर्णय लिया। योजना को अमल में लाते हुए काकोरी स्टेशन पर क्रांतिकारियों ने सरकारी खजाना लूटा।
5. फाँसी पर चढने से पहले बिस्मिल जी की अंतिम इच्छा थी ब्रिटिश साम्राज्य का विनाश।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. विलोम शब्द लिखिए–

1. विशवास – **अविशवास**
2. स्वाधीन – **पराधीन**
3. सत्य – **असत्य**
4. हानि – **लाभ**
5. दुःख – **सुख**
6. सज्जन – **दुर्जन**
7. महान् – **नीच**
8. सचेत – **अचेत**

ङ. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. प्रसन्न – **खुश**
2. एकत्रित – **इकट्ठा**
3. समिति – **संस्था**
4. अखिल– **राष्ट्रीय**
5. उत्साह – **जोश**
6. आरंभ – **प्रारंभ**
7. साहस – **वीरता**
8. गुप्त – **रहस्यमयी**

20. बोध

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स) (अ) और (ब) दोनों को
2. (अ) एक बजे
3. (स) चार व्यक्ति
4. (ब) मुंशी बैजनाथ जी

ख. किसने कहा, किससे कहा?

1. ठाकुर साहब ने मुसाफिर से कहा

2. मुसाफिर ने ठाकुर साहब से कहा
3. ठाकुर साहब ने मुसाफिर से कहा
4. पंडितजी ने कृपा शकर से कहा

ग. इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–

1. पंडित चंद्रधर ने एक अपर प्राइमरी में मदर्रिसी तो कर ली थी किंतु सदा पछतावा करते कि कहाँ से इस जंजाल में आ फँसे। यदि किसी विभाग में नौकर होते तो अब तक हाथ में चार पैसे होते, आराम से जीवन व्यतीत होता। यहाँ तो महीना भर प्रतीक्षा करने के बाद कहीं पंद्रह रुपए देखने को मिलते हैं। वह भी इधर आए उधर गायब। न खाने का सुख, न पहनने का आराम।
2. ये लोग पंडितजी पर बड़ी कृपा रखते थे। कभीसेर, आधा सेर दूध भेज देते और कभी थोड़ी-सी तरकारियाँ। किंतु इसके बदले में पंडितजी को ठाकुर साहब के दो और मुंशीजी के तीन लड़कों की निगरानी करनी पड़ती। ठाकुर साहब कहते हैं, 'पंडितजी, ये लड़के हर घड़ी खेला करते हैं, जर इनक खबर लेते रहिए।' मुंशी जी कहते है, 'ये लड़के आवारा होते जाते हैं, जरा इनका ख्याल रखिए।' वे बातें बड़ी अनुग्रहपूर्ण रीति से कही जाती थी, मानो पंडिती उनके गाम हैं।' वे बातें '
3. चोखेलाल मुंशी जी के भ्रष्ट आचरण का शुभभोगी था इसलिए उसका व्यवहार मुंशी जी के प्रति निष्ठुर था।
4. पंडितजी ने आज शिक्षक का गौरव समझा। उन्हें आज इस पद की महानता ज्ञात हुई। पंडितजी घर पहुँचे तो उनके स्वभाव में बड़ा परिवर्तन हो गया था। उन्होंने फिर किसी दूसरे विभाग में जाने की चेष्ट नहीं की।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. नीचे लिखे मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. रास्ता देखना – शिक्षक ने शिष्य को सही **रास्ता दिखा दिया।**
2. दिल पर घाव लगना – बबीता की बातों से राम के **दिल पर घाव लग गया**।
3. खून का प्यासा – शेर लोमड़ी के खून का **प्यासा हो गया था**।
4. हठी होना – यह बच्चा बड़ी हठी है।
5. क्रोध से लाल होना – माता जी बिलली को देखकर **क्रोध में लाल हो गईं**।

ङ. क्रिया शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए–

1. हँसना – **हँसी**
2. चमकना – **चमक**
3. पकड़ना – **पकड़**
4. माँगना – **माँग**
5. चढ़ना – **चढ़ाई**
6. चलना – **चाल**

च. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. प्रतीक्षा – **इंतजार**
2. वेतन – **आय**
3. त्रुटि – **कमी**
4. रास्ता – **राह**
5. सुख – **खशी**
6. भाग्य – **किस्मत**
7. अवसर – **मौका**
8. आफत – **मुसीबत**

21. कहानी पहिए की

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) आग का गोला
2. (द) धुरे से
3. (ब) रबड़ चढ़ा दिया

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. यह सारा संसार **ईश्वर** का ही बनाया हुआ है।
2. पहिया एक महत्वपूर्ण **वस्तु** है।
3. सूर्य का चक्कर लगाने वाले ग्रहों में **बृहस्पति** सबसे बड़ा है।
4. लकड़ी के पहिये में **खाँचा** बनाकर उसमें रबड़ चढ़ा दी गई।
5. आज **चक्का** जाम है, सड़क पर एक भी वाहन नहीं चलेगा।

ग. इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–

1. मनुष्य ने देखा कि गोल तनों को लुढ़काकर एक जगह से दूसरी जगह ले जाना आसान होता है। इसलिए उसने गोल पहिये बनाए।
2. पहिये की गति बढ़ाने के लिए उस पर रबर का घेरा चढ़ाया गया।
3. पहिया बनाने से मनुष्य की यात्राएँ सुगम हो गई और उसने कृषि की शुरूआत की।
4. पहिये के समान ही संसार की व्यवस्था घूर्णन और चक्रण पर निर्भर है, अतः पहिये का कथन कि वह सृष्टि में सबसे अधिक महत्वपूर्ण है, सही है।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. विलोम शब्द बताइए–

1. अधिक – **न्यून**
2. बड़ा – **छोटा**
3. आसान – **कठिन**
4. नया – **पुराना**
5. रुकना – **चलना**
6. अपना – **पराया**
7. उपयोगी – **अनुपयोगी**
8. सुविधा – **असुविधा**

ङ. वाक्य पूरा कीजिए–

1. संसार के सारे कारखाने पहिये के **बल पर चल रहे** हैं।
2. वह मनुष्य बहुत बुद्धिमान होगा जिसके मस्तिष्क में **यह विचार** आया।
3. बृहस्पति सबसे **बड़ा ग्रह** है।
4. स्वयं पृथ्वी भी एक **पहिया** है।

22. नीम हकीम

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) ऊँट
2. (द) छिपकली
3. (अ) आलू

ख. किसने कहा, किससे कहा?

1. ऊँटवाले ने वैद्य से
2. वैद्य ने ऊँटवाले से

3. रोगी ने वैद्य से
4. गोपीलाल ने वैद्य से
5. गोपीलाल ने वैद्य से

ग. इन प्रश्नों के उत्तर बताइए–

1. ऊँट के गले में तरबूज फँस गया था। वैद्य जी ने एक पत्थर उसकी गर्दन के नीचे रखा और दूसरे से गर्दन पर वा किया। इससे तरबूज टूटकर पेट में चला गया।
2. वैद्य जी ने रोगी की चारपाई के नीचे आलू के छिलके देखकर यह पता लाया था कि उसने आलू खाय हैं।
3. वैद्य जी की डाँट से नाराज होकर गोपीलाल अपने गाँव चला गया।
4. एक दिन गाँव की एक बुढ़िया के गले में सूजन आ गई। गोपीलाल को बुलाया गया। वह मन-ही-मन सोचने लगा कि यह ऊँट वाला रोग है। बस फिर क्या था, उसने बुढ़िया के परिवार वालों से कहा–"दा बड़े पत्थर ले आओ, मैं इसे अभी ठीक कर देता हूँ। लेकिन फीस दोगुनी लूँगा। इस रोग को या तो मैं ठीक कर सकता हूँ या मेरे गुरु जी।"
दो पत्थर लाए गए। उनमें से एक को बुढ़िया की गदरन के नीचे रखकर दूसरे से गोपीलाल ने इतने जोर से वार किया कि बुढ़िया के प्राण निकल गए।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

घ. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए–

1. जीवन – **जिंदगी, जल**
2. मन – **चेतना, गति**
3. कार– **हाथ, टैक्स**
4. घास – **तृण, जंगल**
5. खाई – **खाया, गहरी घाटी**
6. भाग – **भागना, एक हिस्सा**

ङ. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

1. देहाती – **शहरी**
2. अचेत – **सचेत**
3. मूर्ख – **विद्‌वान**
4. आदमी – **औरत**
5. सुबह – **शाम**
6. स्वस्थ – **अस्वस्थ**

च. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. लड़का – **किशोर, नौजवान**
2. रोगी – **मरीज, बीमार**
3. नदी – **सरिता, तटिनी**
4. आदमी – **नर, पुरुष**

छ. उदाहरण के अनुसार वर्ण-विच्छेद कीजिए–

1. गोपीलाल – **ग् + ओ + प् + ई + ल् + आ + ल् + अ**
2. तरबूज – **त् + अ + र् + अ + ब् + ऊ + ज् + अ**
3. स्वस्थ – **स् + व् + अ + स् + थ् + अ**
4. भयानक – **भ् + अ + य् + आ + न् + अ + क् + अ**

23. कर्म ही भाग्य

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) तोता
2. (स) खाँसी
3. (ब) तीन
4. (स) (अ) और (ब) दोनों

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें–

1. ज्योतिषी के पास एक छोटा **पिंजरा** रखा था।
2. तुम्हारे **नक्षत्र** तुम्हारे पक्ष में हैं, वही तुम्हें यह सम्मान दिलाएँगे।
3. हम **अमीर** हो जाएँगे, देखना।
4. यह सब आपके **ग्रहों** का दोष है।

ग. किसने कहा, किससे कहा?

1. युवक ने तेनालीराम से
2. युवक ने तेनालीराम से
3. तेनालीराम ने युवक से

घ. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. ''बेटा, तुम चिंता मत करो। तुम्हारे नक्षत्र तुम्हारे पक्ष में हैं, वही तुम्हें यह सम्मान दिलाएँगे। भले ही तुम कोई विशेष कर्म करो या न करो। शाही सम्मान तो तुम्हें मिलेगा ही।'' ज्योतिषी ने उसे समझाते हुए कहा।
2. तेनालीराम ने युवक के घर के बाहर खड़े होकर युवक और उसकी माँ की बातचीत सुनी थी।
3. ''बेटा, अगर तुम कोई काम करोग ही नहीं, तो फिर रुपए आएँगे कहाँ से? रुपया-पैसा तो मेहनत करके कमाया जाता है।'' बीमार माँ न अपने आलसी बेटे को सुझाव देते हुए कहा।
4. तेनालीराम बोले–''नौजवान, इस बार तो मैं तुम्हें क्षमा कर देता हूँ। परंतु भविष्य में यह बात हमेशा याद रखना, परिश्रम या मेहनत का दुनिया में कोई विकल्प नहीं है। तुम्हारा कर्म ही तुम्हारा भाग्य है। अतः भाग्य का भरोसा करके निठल्ला मत बैठना।''

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

ङ. मिलान करो–

दिन	दान
तोता	मौन
संशय	दिवस
दक्षिण	सुग्गा
मूक	शक

च. रंगीन शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य दोबारा लिखो–

1. बेटी, तुम्हारी भाग्य तुम्हारे पक्ष में है।
2. रानी उद्यान में भ्रमण कर रही थी।
3. अपराधिन को उचित सजा मिली।
4. बीमार पिता ने अपनी आलसी बेटी के सुझाव दिया।
5. घोड़ी बहुत तेज दौड़ी।

छ. दिए गए शब्दें में प्रयुक्त लिखो तथा उनसे बनने वाले दो-दो नए शब्द लिखो–

	शब्द		संयुक्ताक्षर	नए शब्द	
1.	अन्दर	–	**न्द**	**बन्दर**	**मन्दिर**
2.	भाग्य	–	**ग्य**	**सौभाग्य**	**दुर्भाग्य**

3.	प्राप्त	–	**प्त**	**समाप्त**	**तप्त**
4.	मुक्त	–	**क्त**	**वक्त**	**रक्त**
5.	कृत्य	–	**त्य**	**मृत्यु**	**सत्य**

ज. विलोम शब्द पर सही (✓) का निशान लगाओ–

1.	दिन	–	दिवस	रात ✓
2.	गरीब	–	अमीर ✓	निर्धन
3.	अंदर	–	दिवस	बाहर ✓
4.	सजा	–	दिवस	पुरस्कार ✓
5.	सौभाग्य	–	भाग्यवान	दुर्भाग्य ✓

24. वर्तमान ही सबकुछ

अभ्यास

क. बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) चुस्त और प्रसन्न
2. (ब) वर्तमान का लाभ उठाने की
3. (अ) दो
4. (अ) वर्तमान

ख. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें–

1. एक शक्तिशाली और दयालु **राजा** था।
2. माली **चुस्त** और **प्रसन्न** दिखाई देता था।
3. माली का सारा बदन **धूल-मिट्टी** से सना था।
4. मैं **भविष्य** के बारे में चिता बिलकुल नहीं कर सकता।

ग. दिए गए शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाओ–

1.	खिन्नता	–	**अप्रसन्नता**	**खिन्नता** से काम करने से काम बिगड़ जाता है।
2.	स्तुति	–	**प्रशंसा**	देव **स्तुति** करने वह मंदिर गया है।
3.	रहस्य	–	**राज**	यह **रहस्य** माली ही जानता है।

घ. किसने कहा, किससे कहा?

1. राजा ने माली से
2. माली ने राजा से

ङ. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. वह प्रतिदिन सुबह से शाम तक बगीचे की देखरेख के काम में लगा रहता था। वह परिश्रम करने का आदी था। वह अपने काम के बारे में कभी किसी से कोई शिकायत नहीं करता थ और न ही कभी उससे ऊब महसूस करता था। वह हमेशा चुस्त और प्रसन्न दिखाई देता था। उसे देखकर गता था कि वह अपने काम तथा अपने जीवन से पूर्ण रूप से संतुष्ट है।
2. उसे देखकर अक्सर राजा के मन में यह प्रश्न उठता था कि आखिर यह आदमी इतनी खुशी पाता कहाँ से है? साधारण झोंपड़े में रहता है। साधारण भोजन खाता है, तन पर फटे-पुराने वसत्र पहनता है, फिर भी इतना अधिक प्रसन्न और हँसमुख बना रहता है कि हम जैसे महलों में रहने वाले भी इतने खुश अथवा प्रसन्न रहते।
3. राजा ने उसे अपने और अधिक निकट बुलाया और पूछा–''भाई, तुम हमेशा प्रसन्न रहते

हो। मैं लाख कोशिशें करने पर भी तुम्हारी तरह खुश नहीं रह पाता। आखिर तुम्हारी खुशी का क्या रहस्य है? जरा हमें भी बताओ।''

4. माली बोला–''महाराज! मैं भला दुःखी क्यों रहूँ, जब मुझे दो वक्त का भोजन और रात को सोने के लिए धर मिल जाता है। ईश्वर ने मुझे इतनी शक्ति प्रदान की है कि मैं पसीना बहाकर अपनी आजीविका कमा सकूँ। मैं सुबह से शाम तक परिश्रम करता हूँ। इसी कारण मुझे इतनी भूख लगती है कि जो भी रूखा-सूखा मिलता है, उसी को खाकर चैन मिल जाता है। शरीर के थके होने के कारण रात्रि को गहरी नींद सोता हूँ और जब सुबह जगता हूँ तो शरीर में नई ताजगी महसूस करता हूँ। अतः अगले दिन अपनी रोजी-रोटी कमाने के लिए पूरे परिश्रम से काम कर पाता हूँ। मैं हर नए दिन को नया जीवन समझता हूँ। मेरे लिए वर्तमान ही सबकुछ है।''
5. राजा माली को वर्तमान के बारे में सोचने की सलाह देता है।
6. माली के इस तरह के विचार सुनकर राजा ने उसका हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया ओर मन ही मन अपने स्वभाव को बदलने और वर्तमान का पूरा-पूरा लाभ उठाने का दृढ़ निश्चय किया।

भाषा ज्ञान आलोचनात्मक सोच

च. दिए गए वाक्यों में उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग करो–

1. माली गरीब, परिश्रमी, ईमानदा और दयालु आदमी था।
2. राजा ने पूछा, ''तुम्हारी खुशी का क्या रहस्य है?''
3. अरे! आप कब आए?

छ. इनके भिन्न-भिन्न अर्थ लिखो–

1. राजा – **राज्य का शासक धनी**
2. उद्यान – **बगीचा सैर का स्थान**
3. खुशी – **प्रसन्नता किसी लड़की का नाम**

ज. विलोम शब्द लिखकर वाक्य बनाओ–

1. दयालु – **निर्दयी** राजा बहुत **निर्दयी** था।
2. जीवन – **मृत्यु** विमला की **मृत्य** हो गई।
3. राजा – **रंक** यह **रंक** यहाँ क्या कर रहा है।
4. बीमार – स्वस्थ बुढ़िया अब **स्वस्थ** है।

झ. इनके दो-दो पर्यायवाची लिखो–

1. राजा – **नृप, नरेश**
2. उद्यान – **बाग, बगीचा**
3. खुशी – **प्रसन्नता, हर्ष**

ञ. भाववाचक संज्ञा बनाओ–

1. उदास – **उदासी**
2. व्यक्ति – **व्यक्ति**
3. प्रसन्न – **प्रसन्नता**
4. संतुष्ट – **संतुष्टि**

Note

Note

Note